वदनसिधनदे।रियाकामस्तदाणीर लडना-(نگ دمب کوملیان طاسے کا تکم ٦٢ गोरिगजेबके भुजताननानेका हुव गार्याहकाक् चिद्धिको ئاولاكوچ ويلىكو राजनां बरकी रुखसत موركو رافصت बादशाह दिख्डीमें روقلع شاه حال آبادي ابادي शहरत्रीर किलेशाहनहाना बाद की साबादी और यहां की इमार برويا سائ كارزو كامال तोकासास ناوكا تعله شاهجان أبادس रे बाद्रशाहका कितेशाहजहानावा दमेंदा स्विल्होक्र खुशीक्रनाः बलरव की मीहिम يفاں دالی نخارا کا طبح کو षुरवाराके अब्दुल अजीजर्वा ता नलर्वको घरना श्रीरबाद्शा ह्काराजा विद्वलदासवों राको नेजना-بإدمتراسي ملازمست اختسار كزنا भे राजरायाकाचनारस सेफिरन्त्रास रबादशाहीनोकरहोना-ن تےصوبہ داری مرہیجا *पुराद्बर्*बश*का कशमीरक्षेत्रा* نحرات كاصوبه دارافشكوه كو *नाजीरदक्रनकीस्ट्रेटारीप* اورا وربيد كاست وخيجاع रनेजाजाना ^{२१} उनगतकास्वादाराशिकोहको ف وابران مح تسند بارسه لينا श्रीरउडी सेका युना ऋकी इनाय तहाना-शहर्देरानकाकंधारलेलेनाः وأخال كاكالخان **र**िजीरंगजेब श्रीरसादु लाहरवा की कंधार पर तर्हनाती-*च्याली मरदान र्वाका काक*द्धार्वा नेगर्राजान्यस्तिधनगराकाका بيجنا बलसेकं धारपर नेजनाः ۳۲ وا*ل يرس* 2 १३ वंश्वरस ورنك زمب كامندره براري न्त्रीरंगज़ेब्की १५हज़ारीमनसब शाह्द्ररानकुकंधारलेनकी स्वव विन्नानिक्रिके (पहुंचना जीए और गजेबको क بندارجانيكي تأكيد धारजानेकी ताकीद

را به دین من گه ورا در مینادان २ राजाजसबतिषंच राजाविहस्तदा بلمنست ذرمحد فالسسح تمن إرك تلعه أبري من فال

सगोड़ संधार्की फोजमें ^३ बललुक्ते नज़रमाहम्मद्रबंक्ते ए संबोक्ता जाना बादशाहकाकुचकाबुलको । कं धारके किनेदार खुवास खाका कंधारकाट र्सनको रहेना भ जीत्गक्रवजीतस्य द्यात्वं वजी रहा हुरा छिल रास्ता सेवडी ख

रावीकेसाथ कंघार पहुंचकर कि लेकोधरना-रे रितनसे दकी लकान्याना " गर्शाह्साकलुल पहुंचना दं गजरमोहणार् खाक्करीलोको

रलापमंचनना श्रीभुजसके र्वे थे ख़ुसरोछजतान और यहरा मसुजतानका हिन्दुस्तान में र हजानाः ध संभारसी मेरिस-ऋरिंगज़ेवस्त <u>दुखार्यांकादमलाकिलेकंधार</u>

गरशीर किलाफतहनहीं ने से ले र ग्याना ^{४६} रगहर रानकी भेजने जड़ाई की रफतह-४५ दरवारकाहाल पहादुरसंग्रहेटेकी पर्विक्र ं होर्रेगारकाक्ष्कख्लसे

े ईरानियोपरफत्हपानेकी स्त्री रापारीरपगुन्ति विश्वलल् बारी रापार्की भी देन काहाल

गक्षेपारकाहाल नादकार पिरोन्से

الافت وإرشاه ايران كوديوبنا . وزيم زمب ورسعد العدفال وزير كامشكل دا سنوں سے بڑی مرابی سے ساتبہ نمند اربہو بک ايران كوكيلونج أنا وشاه كوكابل موتحما مرمحدما وسيح فليلوب لوبلخ

كوونسنداري فون ميس

بادناه باكوج بالكو

يئون حندوسلفان وربرام فال ومستدوس الأمن مند داريمېم و د رنگ بب عدا مدفران كالمؤقلوفي إريرا مورت فوساخ سص اور آا ران کی فعر<u>ی سے را ئی</u>

معاميميًا وراوسكه و

Je8: 17 mg -1.12.115 والميون ومن التي فوشي Ker.

المنسورة ومهاع

2086 ا دمت بث و بين

Ę ا روم ك وكيل مانا ६७ स्मिकेवरीलकान्याना فرمحدها لامركا = नज़रमाहम्मदरनाकामरनाः ملطان روم ك خطاكاجواب सुजतानक्सकेरनृतकाजवाब् الأوبهياءاس كامرة اور ^{६५} राजाविष्ठलदास्त्रसम्परनाश्रीरत्र ارمن وخروا وسطح بنيون रज़नबंगराउसके बेटें! की मनस (كومنا مسيكث व मिलना عدانسدخال کی فؤج کی حاضری सदुव्यारवंदि। फोज़की हाज़री: 4701000 5. रह वाचरस معيدفان الفريجس كامرنا सर्दर्शनफरनंगकामरनाधीर गहाबतरवांकास्त्वेदार्कानुलहाना اورمهاب فما ل كاميوير دار كابل لاسورسن آگرہ سے ایک کرور लाहारमें न्त्रागेरेसे रे सिराङ्क्पयात्राना बादुशाहको ६१ वं बरस-न् मोतियोकामीनाकारतस्वतः باديناه كوالا والهرس موشوننا مباكوريخنت *जीरंगज़ेब्*कोकाबुलजानेका हका اوزنگ زیب کوکابل جاسته کاحکم **१ नादशाह्काकूचलाहारसेकानुजकी** با دشاه كاكو ح لاسورسس كابل كو मादुद्धार्शवज़ीर्राजाजयसिंघ्राज معدالسرخان وزبرراج جي سنكرا राजक्रप्रावशत्रुसालवगराको कं راجروب راوستروسال وعيره كوفندا धार परचेजना ^{९२} ओरंगजेबकामनसब२ रुजारीहान बाद्शाहकानुस्तमे با دخیاه کامل میں خاہزادہ خمجاع تو مبنگالیستے آبادور ः शाहजादे सुनान्त्रकरवंगाले सेन्त्रा नान्नीर्डसकार हनारीहोनाः اوسكابس مزاري سونا ~ २६वेजल्यसी सनकी खुरी। ٧ ٧ وير علوسي سالگره كي خوشي न्त्रधार्की माहिम ا درنگ زمپ کا فلعه فندیار *भोरंगज़ेबका* किलेको घेरना श्रीर रजन्मपकीको शिश **ेर्** कंधारकाफ़तह होना श्रीरश्रीरंग जेनका वापस्त्रानाः دربارکاحال داراخکوه کافندبارفتحکرست **७**० दरबारकाहाल दाराशिकोहकाकं धारफतहकर كوتيارىبونا ने को तैयारहाना-وارافتكوه اورسنيان تكبوسك टाराशिकोह ऱ्योरसुलेमानशिको हक्षेमनसब्में स्ताफा ओरंगज्ञबसोमुजनानंसेर्यनके ים בשונונות נים לים चारांस्वांकीस्वदरी परनेजनाः

<u> युक्ततानकासूबा दाराशिकोहको -</u> منتان كاصوبه داراشكوه كوبحابل كا *त्रानुलका सुलेमानशिकोहको स्रोर* سلمان تنكوبكوا وتجرات كاشابسة पुजरातकाशायस्तरनाको इनायति।ना خال كوعنات مونا शाहजादेयुनाञ्चकाचँगानेजानेकीत شاوشحاع كونبكا دمام يخارضت (वसतंत्रीतं १क्तियः दामकार्नाम اورابك كروردام كاانعام **सर्दु इत्रारंगात्र्रती**मरदानखं श्रीरराजी سعدالسرخال على مردال خال اور راجمسسنا كافند بارست مامرا با जयसिंचकाकंधारसेहाज़िर्ज्ञानाः बाद्शाहकाक्चकाखंजमे بادشاه کا کوچ کابل سے راورنگ زمب کا فقد ہارسے آما اور ओ*ंग*ज़बेकाकंथारसेन्त्रानान्त्री(द खनुकोरवानेहोता श्रीश्वसको १ دكين كوردانسونا ورادسكولك करोड्दामका स्नाम-روروامه الغام बादशाह जाहोरमें. بإدشاه لامنبورييو सरहिन्द्रमेरायुरुघनाथ्यकोतन्त्री تے رکہا ابنہ کونن रस्तिकार्फतर्यनायतहोना-اورخالصه با دخيرعن مت مونا २७ वाबरस ار مروال مرس باد شاه شابیمان آباد میں नादशाहशाह*नहाना*बाहमे *मुलेमानशिको* हका इज़ाफ़ा سليمان فتكؤه كااطنافه **उसतरर्त्तको इनामध्रीर इनाफ़ा** نصرت خان کوانغام اوراضافه شکرالنسیاسکر کاانتفال *यञ्जजनिसाबेगमसाइत*काल याष्ट्रनादेदारात्रिकोहकोकधार्जा شامزاده دارافتكوه كوفند إدبرها ك नेके वास्ति (पलज्ञातश्रो १ इनाम् کے دا <u>سلے خ</u>لعت اور الغام سیر زارد راہ جب نگہ راجا ہے कस्तमः राजाज्यसिंघ राजारा युसिंध्रावृश्चुसाज् राजापहाउ सिंघरूपसिंघ रामसिंघ राजाञ्ज मरसिंध*नस्वरीवगुराकाँचाराशि* मेहकेसाथ तर्रमात्होनाः राना रानसिं छक्ती श्रास्त्री स्त्रीर उस لعیبنات سو: را ماراج منگر کی دننی اورادسکو को ५ हजारी मनसब-कथार्द्धीमोहिम-والمكوه كالاسوس الماناد **चैदाराशिकोहकाछाहे।रसिमुलता** ملة بن من فند إركور دا زيونا न् और मुज़तानुसे कथारकी रवा नेही नाष्ट्रीर रस्तेकी तकलीफ़-भेकं**भारकोधेरनाराजाजयसिंघ**न्त्री रवदनसिंघकेमोरचे ءن منگر کے مورسیے "किलेबलकाफ़तहहोना فلولسعت كالنخ جونا त्रशाहजादेकीताकीदे अमोरीकी شامراده مي اكبداميرون كو

किलाफ़तहकरनेके वास्त-माहम्मद्जाफरकीकोशिशक्रीवकि فلوفتك كزنيكروا سيطي जेवाजे कासस्वतस्काविजाकरना टर २ फकीरों भीर १ ज्योतियोकी ज्यान والمالي ويت مقاع كرنا षिखेपरक्र**चीचरवाजी**रराज्ञान्य सिंचनीमाका हस्त्राशीमकिलेगाली सान्त्रागवरसाक् रहटादेनाः لد اور فاحدوالون क्रिंधारकाफ़तहनहीना भीरदारा रिकोह का वापस ग्राजा. दरवारकाहात्। औरंराजेन्के नेट मोहम्मं र आज बसर्थान् वेगमकामरनाः इञाहीमकी ज्ञसदरनाका खिताब वादशाहकाङ्ग्च दिस्त्रीसित्रागनेकी २८ वावरस् वादशाह त्रप्रागरेमें-शागरेमेंन मामसमिदकातिया العي طامع سي كانتا رمونا रेमाट् उरमें शिकारकी नई इ मारत तैयार होनाः ورس شكار كاه ك ت रामाजगत्तिं घके त्राङ्ग्रीवद्रा सकाविना रूखमत्त्रलामानाः ار بهائی فولیات ایربهائی فولیات नारशाहरिस्त्रीमें राराशिकीह भीरसुलमानशिक *६*कासुजतानसे ज्ञानाः बादशाहकामां तियां के मीनाकार तायतम्रे चेठकरानुशोकरनाः राजाजस्वंतसिंचको महाराजाक रिवतायमिलनाः मुलेमान्शिकाह्कमनसब्का र नामा क्रार्यासारीकी हुनी किर् किरेडसम्बद्धांकाः शास्त्रादेषुराद्यस्त्रस्त्राम्यस्त्रप नेबटे ऐन द्रशुरशके हानिर आ ना गुजरातकी स्वेदारी पत्नारर नप्यारनाम सस्जार्गननसन्पानी

Ş त्रसंद्धपने अतियाना बादशाहपरत Essibon Cin न्यार्तेकारीतृनागीएचारीके क روکے امری ما امانا شکاه کا دانا لکاروکے مکان हरेक्नेबाहर ही माराजाना-दारपाहको दोराशिकोहकैमकान माहमादनापुर को मीर्जातिश किरोर्ड्सम्बादनामदाराशिको**ह**कीः शुक्ततानुसूम् से वकीजकान्त्रानाः युजतानकारंततः श्रीरतुर्फानन्तरहरूमाः स्ततानकेषकीनकोरुभ-अभिजना कायमंबगकीवकीलकरकेञ्चलता नस्त्रकपासन्जना-बार्शाहकासुलेमानशिकाहके शर्बन्त्रबदुलंहमीदकामरना-والمامعا فيعافن والسويان والمؤسيونا न् बाद्शाह्फतह्युर ्रम्दिरगहुकात्रागरेशकरदिछे -

*लार्वरूपचें*कामालमक्षेकीचेञना बादशाहकां ऋजमेर जाना न्यारची नेष्ट्रगिरानेक्सेप्रोजनेजनाः रानाको माफ़ीमागुनाः *बादशाहञ्जन*भरमे नादुद्वारवं काचीतेष्ठकाकिरना गिराक्रस्वापस्तरवानेहानाः रानाकेबंडेवेटेकाहाजिएहानाः हाजी ऋरमदसर्दका स्तुन से मा पेस*आना*ः ना नगरके नमीदारपरफोनने नना ७९८ हो है। र्धं बाबरसः बादरण्हकार्यचन्त्रजमरसे-माल्*ड्रिमेरानाकेन्द्रेकाहानिर्*त्र नाओर्जसकानामसीनागरि *प्रस्थानानाः* मादुष्ट्याखाँकाचीताउसवापुस •ेग्रानाः पनाकेंचेरेको रूखस्त-र्षित्रीरंगजेवकेबेटेमोहंममद्सर रानकाहाजिएग्रानाः

केर्यवानिहीनाः

परजानाः

कारिवृताब -

मकानपरजाना-

७ इरानके वजीरके जानजेकाहाजिर नोक्रहोना-किलेशाहजहा नाबादमें ३॰ लाखरूपया> तर्वतके पास्करसी परवेढनेका वेदारी रिश्ताव-शाहकादारात्रिकोहकेमकान् साद्ध्यारशं स्रीर सिंघ वंगरा बर्डेर न्त्रमीरी की खेल ऋतमिलना मिरोह)केराव अरवेराजका हा ज़ि रहोता. वोहरेके ४ घोडे नज़रहोना-श्गह्युजाञ्जके नेजेहुने ५२ रंगालेसेत्राना-, १ स्तिएदा *ञ्रायको दानिशमेद* विका दिलांब-नर ने व आदिल खारु वास्ते सोनेसी तर्र नेतना-र्दरगरभेनमाञ्चयस्नाः मरनाः र वाबरस तहाना-का करनाटकको फतह करना और सेनाराज्य

?? मीरनुमस्ताका औरंग्ज़ेन्सिमिला पेंग्यू-पूर्व वंश्रीर् श्रिरंगित्रकाबाद दिल्लेश्राम् साहुं आहे नासे पहलारी मनस पर्ट हार्नि कर है बमगवाना-शाह्युज्ञाञ्जकेबेटकार्सगालेसे :5 •प्रानाः إد شاه كي و وس مالكروس **६५वीसालग्रहमेंद**ग وارا لكوه كايمل بزارى शिकोहकामनसब ४० हजारी जाना-سلبان شكروكاأ تبديزلري ८ मानशिकाहका पर्जारीहें। नाजीरवहें सीस्टेंटारी मिलना कहुशुनाज्ञे बैटेंजेनुलग्राबदी नक्षे इंगारी मनसब्दिमलनाः ६६नी साजधर केटरवार में ६ लाख रुपयशुजालको स्रोतः जास्वसीरं नेब क्षेत्रें से इनायतहीनाः काराग्रदेवकीलकान्त्राताः خرمح ومحاآما राजतानुगुन्न सान्द्रीनको एस مليفان رمن إعابين जनारके जमादार भीपतकाजमी रारीरावकरणकोहनायतहोता-أجهدا نبي إوكرن كوهنابت مبونا ३ बानल्सीसन ووال بلوسي من कामरनाञीर वरीश: भ रायरपुनाज्को रायरप्याका सि रेगादीवानस्यकामः नानकारायकारितताबपार **हिन्दु गुन्यीयोष्ट्रप्रस्तुहोनः** बनीरकेरोए फ्रीएउस् 🐸 दरनारकाह्म्ब-दिक्तां चेंग्रेफ्तुनुक्**कर** पेशक शेष्ट्रानाः **रे**गमीदारबह्दुरघंद्रका भीरवसकी रहरा

13 مات فأن كه لعة ومارنا ह्यातर्यां कीलंक वामारनाः बालाचार केटी बानकाटक बमे बंग दावंदीनस्त्रकरना पंजानों काफ सादः गोलकंडेकीमेहिमः हतबुट्मुल्ककामीरजमलेकेबेटे तेपकडनान्श्रीरबादशाहका एका उसके खंडानेबोवासे श्रीरंगजेब לופקות פנים כפוה הפים क्रायहर्जनाः : 5.01 30 10 **भीरंगेनेबकामीहम्मद्र**स्टातान तिगोल्**कुडेप्रजेजना** और फिर खरनीरवानेहोनाः कत्तवल्यां क का माहम्मद न्त्रमी नकोछोडदेनाः भ गिरु भद्रमलतानको हेदरानाद पर षटाई ग्रीर्कृत बुल्मुल्कं का गीलकं रेमें बलाजाना जीरमोहन्मदस्रलत नकपासनवाहरातकासंदक्तचानेनन हेदराबारकाल्टजानाः क्रेतबुल्मजक्रेंग्रिमीरज्ञमसाक माहम्मद्रमेलतान्केपासन्जरान *पारगज्ञबकाहेदराबादप्रेवन* त्रीर्कृतुं लेखनक की फीजसेल उग्रहीनाः कत्र ब्रुल्य एक का औरंग ने बरे तेवकाउसकाकरूलनकरनाः <u> जन्तु बल्प ल्क कां अपने सिपारियों</u> भृज्ञडनेकाङ्क्यदिनान्त्रीरइधरस मान्द्रगीदखनीकाउनकेकारजानी औरंगजेवसार ••• करनाटकी नरकदाको सेलडनेकोजानाः नुमीदार चांदाकामंद्दकेवाक्ते सानी शायस्तार वाजीए इफ्तरपार वर्गरा जमीय का बार रणहके <u>क</u> कर के मी रीमदरकाष्ट्रानाः

۲3 مخدسلطان کے داسطے سات भारमारसालतानसे गस्ते ग्रह्मी مزارى منصب ببونخنا मनसबप्दानाः المحلفتوردن كي *कुतुनुत्म्याककेकसरानु*।माफी معانى وران أعكرا وزك زب काफ़रमान्ज्यानामगर् औरंगज़ेंद به اوسكرجها ركهها اجر काउसकी खुपारसनामी। कृति بطب المنك كونك كرنا युनमुल्फर्कानगक्रानाः وقطيب الملك كا ابني مال <u> कुतुनुत्मुत्ककान्त्रपनीमांकोन</u>े بجعثا اورا وسكال जना और उसका अपने बेटे के कस وفقدومعا فشاكراكه فوسنفال रमाफकराकर्माहमार्सुजतान لي شاوي رين بي إلى بعد تيرابان की शादी अपनी पाती से बहरा जान ماورباهاي १र दरवनियों से और वादरगरी फीज सेलडाईहो पड़ना-^४ मीरलमलेकाकरनाटकसे औरंग اور السائيب في إس أنا तेषके पासन्त्रामा-(रिमोहम्मद्शुलतानका निकाह्कः वुष्युल्ककी नेटीसे १ लाखरूप यान्नीर्ररामगढकाइलाकाडायनेभे भूगाना भ भारगजेबनाम्। रसम् लेकेमकान ا وزنگ زیب کامیر عملہ کے۔ متعانین ہوجا کر اوسٹی غذر لینا परजाकर उसकी नहरते ना ا وزيك منب كاكوج كونكنده र्श कीरगजनका कुच गोल कड़ेसे श्रे متداورتك أبادكو रंगाबादकी। **अभारताके वास्त्रफ़रमानन्त्रार** مخليسك ولستنط فرماك تعظم خال كاضكاب नाज्ञकाना सिताबकीर उसका اذرادسكا إوسنا وتتناه كيندمت बादशाहकीरिनदमतमेश्यानहान س روانسول स्कामीराके इजाफे जीरपायस्ता اميرون كاضامة اورشايسة ظا खंकोखन नहांकारिशताब-لوخا رجال يونطاب ङत्तुल्युत्ककेष्ट्रः असीमाफी قطب الملك كوم الاكه كي معافي भी बांचांगदके जमीदार जानीपसिध ماند مول گده مے زمینداراتوپ مستقری مانترانا काहानिरहोना न बादरगहकारनमाफ्र सत्सहाबंद (स्रिरतकासां पसेकटानेकी स्त्रा بأدننا كاانضا مت متصدى गीरराजारुपनायकी जारज से उसकाच्चान्-ى منرا اور ماجه ركهنا نهدكي भ भीरतुमलेकावनीरहोनाः **७। अगहजारे मुरारको दूसरी शारी**-شامزا ده مرا د کی دوسری شادی ३ श्वाबर्स **४ छिलमानशिकाहकारगरीः** ابع ذال برس श्रारतम्पेकेचेटेगाहमादन्त्रमान اسليل ننكره كي شادي

47 10 बी**नापुरकीमोहि**म् भारिलखाँद्रेजसक्युलामांकाञ लीनाम (शारवसकी तरवतपरवैद नान्त्रीर श्रीरंगजेबकाउसमुल्कके कतहकरने का हका में का का रवा कीर बंगरा अमेरिका शाहजारे ا ادُشامزاده कीमददपरजानाः तयरायाका कायमसकामवर्जी रहोनाः महाबतरनां राजा रायसिंघराजास जानसिंध् बेदे सावगराकी तरे नाती दिल्ली में मरी नेप्रोर बाद शाह का सेरिनिश्तरफञाना-बाद्याह दिख्योमें जीत ६६वीं सा افتكوه فكالثناف लग्रह-दाराशिकी हुकाइजाफा सिनेहरशिकोह कीर में हम्मद का بهادرمان کاکار کی صور داری मीनरवाकाइजाफा-**बहाद्ररंबा की का बुलकी सुबेदारी** फेरमरी का के लगा और बादशा दुकाञ्चरव*लिस*पुरक्रीजानाः नुरव्हिसंउरभेमकान्ननाने की तेयदाराशिकोह नीएसिपेहशि तिह्कीरुपयहेना-10. शाहजहामाबादकाकाटः श वंजिल्लसीसनः रलखकेवकी लकामाना-ग्तुनुल्युल्ककी पेशक्यें-गर्शहरिस्रीमें अलीमखानखाका इन्तकाल रिजापुरकीमाहिम-प्रीरंगनेवका किलेनिद्रकीफ़ब्ह रुरना-(मांडरवालो**गरमहा**बतरवाञी। (पश्चिमाजवगेयकीफत**र** तेयाध्रीतपनगा नासचक्र सकावित र्मस्तर्भारावकरणवेगान (इनातराना

٥٠ ١ وزنگ زمب كائلوكليان । जैतंगज्ञवका कलियानी के कि लेको घरना-वरवपुरकाफ़ोजक सारारिया ورام كالمراطانا राम का माराजाना-واجراك في المستكدادرسال منتك ^{१८}राजाराथ्सिंघजीत्सुजानसिंघ كارجى مونا का जरामी होना-ا درنگ زیب کی ایک اور فتح " जीरगनेवकी रुओरफतहरूख नियोपरः رامی کی عمر ° सिंबाजीकी हारः तिलंगानेकी और फंस्टोलीके केलेकी फतहः ध्य कलाशाकाकतरः بادشاه كاادرنك زب كوكلياني ध्री बादशाहकान्त्रीरंगज़ेबको क ट्यापुरी ज्हीर रामगढदेनाः विदुकानाम्ज़फ़राबादः मीर्**जुमलाकाकरना**टकस्नायत रि आद्वियमंसाउँद्र किरोड् सप्या केष्ट्रनकास्रक्त और परेलेका कि लादेना द्वरके संबद्धरना-े औरंगजेबकावापसीकाहका باوشاه كابمارمونا न् वांद्रगहकावीमारहोनाः داراشكوه كابجاس مزاري (दे दररियकोहका ५ ह नारी मनस न्बीमारीकी तिद्यतमे **१**६४ नेत्रीरंगजेन के बेटे न्त्रकवरकी **पिराधिशः** मीरजुमलाको वजीरातसमा *७३५८* कुफ कियाजानाः कोयम्बिगकाह्त्वमे मरनाः 170 151 ३ ज्ञावरस नादशास्त्राक्तन्त्रन्त्रागरेकीः भेगरराज्ञेनको औरगानार्पहुँचना १५ नादशाह नतागरे में ध्र बीसाल्यह भारत्रतामहो हैं द्रिक्षान ने सी खरी मेंद्राराशिकोह को

[D

65 प्रगहज़ादे: د ' ا دول کی ۱۰- آسامیال اور उमरावः २७ शाहजादेंकी १५ जासामियोर्क नफसीलर **ष्ट्रसलमान्छम्**रावः بغت بزارى हिन्द्रभ्रमीरः الع بزاري सातहजारीः श्यांचहनारी من بزاري دُيانُ مِزارى तीन हज़ारी भी दाईहज़ारी-ووبزارى ديره مزارى दो हज़ारी بزارى उटर जारी: श्रहनारी-अभीसदी. **भा**डसरी सातसदी-२९ दस्पनकी सलतनते १९ दस्पनकी सलतनते ११ छः सरी ا دستکاری اور کارگری दस्त कारी ग्रीर कारी गरी الما الماه جمان بادشا و کے اومیات शाहजहांनादशाहकेयुण المنال مشاخروزي الفطار فال بادمثاه स् दिनचरिया الدشاه كارباندان २४॰ स्र्रतशकलः البال تلعدوم وموراكره र नाररा **४**६ त्रागरेके किले जीरस्देकाहाल ومن والم لك كمنت شأه جبال ے بڑے شرونکا فاصلہ د بنی سے रूप रादशाहके राजका माप भू जि रशहरों की दूरी दिखीं से . श्रामरेसे. र्थ समकालीन सल्तनते تزران त्रान-نازر र्ष ईरान. सर्गतिमा

شاوجيان إدشاؤه شاجري فلنطاوا यार अ<u>रोबाद शाह से १७ छ</u> तीसराहिस्सा २१वेंबरसकावाकीहाल दल (ब्रह्मिहिम न्त्रसादसुद् र वृहस्पति चार فتصدامطابق ومرجون مطبعوا नंबत १७०३ को २१ वंजिल्सी बरस शुरू हुआ मामूल माफिक नोरोज की रुक्शीके ہوا معمول کےموافق نوروز سکے مبشن آرا مسسہ ہوسئے जलसेर्वे असादसुद्भिको वादशांव र्यं १० १ ने उजवकों के बलख्परञ्जी के प्रें नेकीरवृदरसनकरशाहजादे ग्री धीरिया हो। वुराद् की उसतर्फ़ रवाने -किया मगर वह चारीकारैत في المراوز بكون المراوز क पहुंचकर दूसरा हुका पहुं। निर्मा कि मार्ग ن مزا دو کووالیسی کا حکم वने में ७ वें दिन पी छा छी। ट لكهاجيكے ببوپنے برجوك स्यें फिउजवकों ने ऋपनार ببداومسن مفام ماريكاس रादाबदलदियाघा مراجعت کی ۔ जबशाहजादाभुराद्वस्वर हािन्रहुन्त्रातो बाद्शाह्ने उंदर्गिकारी क्रिक्त ماغرآ إتوإرشاه فادمكونكفتاؤ तको खिलञ्जत श्रोरपन्नोक أزمروكا سربيح وكمركنميركي صوبودارة सिरपेच देकर,कशमीरकीस बेदारी परने जदिया

Hildines : MA إن إدناه مناوي عمية नाजमेदवापसन्त्रांकर शाह । १८,०० /८,१ तारे ग्रीरंगत्तेवसे सिष्टाचा ८ ५०५ ५०% है। री की शाहजादेनेबादशाह गुंग के प्राह्म को अस्जी लिखी वादशाह दिंग्छ।~ ने जवाबनेजा कि जोनज । अस्पूर्ण ८०७ रमोहम्मदरवां स्नाकर शाह गैर्यान् । १२ दे । एं। ज़ाद्सेमुलाकातकरेती वा है है दी है। द्शाहीकोजें उसको बलरवी १०००। एटंग्रेश श्रीखर्खरायांची छा देकरह ن فوصن و با ك टञ्जावे नादांसिद्देशकोबादशाह । के गुर् काबुजसे जाहोरकोरवा ایل سے لاہور کوروا नेहु वे श्रीरशाहजादेशुज श्रको श्रीरंगज़ेब के वापस श्रानेतक काबुलमें छोड **ं**शाये کا ہل کے حدمین آ جا و -शहरंद के ऋभीन ते।उर المرطع أنا मलकी कार्युजारी मेख शहोकरनादशाहनेउस के मनसबमेपांचसदीजा तकारजाफा फरमाया ज्योर उसकीराजाकाख़िताब सी जावशा अवजसकामनस

شاهمال مادنناوسنهومي اصل اوراضاخ ब*न्त्रसल न्त्रीर इजाफे* से २ह دو سزا ری د و سزارسوارکا जारीजात भीर २ इजारसंबा موحمیا اور اسکو را جسه کا रका हागया خطاب ببي مرحمت فريايا -जबबादशाहकी सवारी स्त्र حب با وشاه کی سوا رمی وربائے टकसे उत्तरी तो शाहजादेदा سے او تعری توسٹ ابزاد م राशिकोह ऋषने वेटे सतेप وادامثكه وسنه لابود न शिकोहको समेत लाहीरसे أكرالما زمت كي بإدمث و نه دوسكو पेशवाईको साया बादशाहेन १हीरा १००रती नरका जिस ةِ وزن مين سور تي *ببر ت*صا **कीकीमत ५लारवरूपयेकी** فلعت ا ور*گمبوفرو* ن سی*کے عنایت* ची खिल्न ऋत ऋोर घोड़ोंस मेत उसको इना यतकिया= कातिकसुद् ७ के। बादशाह लाहारमें पहुंचे छीर मंगसर बद्धको जागरे की तरफरवा ने हवे-मंगसर्सुद्धिको सहर्द وتمن سكه وقايع ستصاب में दखन के सूबेदार इसलाम عرض موئ كإسلام خان ص खांके मरनेकी खबर पहुंची مرتسا بادثياه بفيه وسيكيهها ويوثو बादशाह ने उसके नाई श्रीर ेटांकोखिलग्रतनेजकर شاه نوازخان يونكهاكه ثا लिखा किन्नीरंगा

पहुंचकर वहांके वंदोबस्त खबरदाररहे-

बलखकीमोहिमका

खातमा नज़श्मोहम्मदर्खा की ऋसी

पहंची कि शाहज़ादेके पार

हानिरहोनेसे पहिलें में मने काकिला सुभको स्नायत

होजांवे बादशाह ने जवाबमें लिखा कि हा ज़िरही ने के बाट उसकी दररहास्त्रसे बढ़करर

ञ्जायतहोगी मगर नजरमोह ग्मदखा मारे वहम के खुदतो बीमारीका वहा नाकरके शा

हमादे के पास हा जिरन इ छ। श्रीर श्रपने पोते कासम मुलतान को नेजिदया बाद शाहज़ादेने उसको गही पर

त्रपने बराबर् वैदाया उस व क नाजका कालया श्रीर ब रफ़नी गिरनेवालाया इस

(ا فرخان کی عرش میونی که

، سنے سے سیلےمپینہ کا قلو المكوعنايت موحا سنه باوتناه کمپاک ماضہ رہو سنے سکے

بردا وسكى ورخوا سىت سے بڑہ کرر مابیت ہوگی گھ اسينے ہوئئے فحب دقامم کے

بانغب بهاري كا عذرتكه بيحاا ورغودحا ضربنوا بثيما مااوراميي طرحيه

م ني زيار و

के सिवाय बलरव के स्वेका एंग्रेट 100 था ने 25 खरवनी जामदनी से जियारा

ماه جهان بادشافي شناوستناع ١٠ श्गरजहोमादशाह सं-१७-४ قفا *اور اوز* بک ہر و قت فیاد या भीरञ्जूबकं हरव्ता फि رسنے برآ ماوہ رہتے۔تھاسلے साद करनेको तैयार रहतेथे ورنگ زمیب نے بلا انتظار स्रतिये श्रोरंगजेवने बादशा مكم بإوسشا وسك بلخ اور يبخشان हफें हुना का रन्तजार नकर فالك الدر محد رخان سے وا के बलख् और बदख्शा ب*ېږدر کرفیض آ*با و سنے مراجت षुरक नज़रमाहमाद्खांके सी छोड़कर फीज़ाबाद्के क्च किया श्रीरवलखका किला र्रं क्रिके हलारवक्तपयेकीरोकाङ्ग्रीर जिनस समेत कासिमस्र ज مسلما*ت کوسونس* دیا راحبر جیسنگہ ہی نرزسے ہم तान औरकप्रशक् लमांक्षी ش*ایل موگ*ریا सींपदिया-रानाजयसिंधनी विभिन्नी شدوع مهسه بلخ سے सेन्त्राकर्शामिलहोगया-اوسس تا رمخ تکسے کیسٹ وزادہ سنے مراجعت کی د وکرورہ शुक्रमोहिम चलख्से उस दिनतक कि शाहजादेने व ر و بہید نوٹنخوا مون مین خسسدج موا لرالمون مِن लरव छोड़ा २किरोड़ रुपया سبت سے آ و می دونو तोतनरवाहों में ग्रीर२किरोड सामानों में खर्चहुआयात्री لحسیدف کے ادسے کے خاص کر کے ے रलड़ाईयों में बहुतसे आ दमी दोनों तरफ के मारेगये و ن کی لو^ا ائی مین جوات थेखासकरके अदिनकी ल ون برابر उग्रमें जो रातदिन बराबर

شارحبان بإوشا وشطة وستنايع शाह्जहोदादशाह सं.२७.४ بونی ری بتی جیب بنزارسوارازیا होतीरहीषी ६---सवार्जन्न कोंके जीर ५००० बाद्शाहीस ८५० १ । अर्गि ग्रीतिक है। राकर के कामञ्जायेषे-न्त्रा*सानसुद्धि* ५५को श्गहजा المخ ست کوچ کیا देनेनलखसे क्चिक्या االوللركهائي سنت ووسر कातिकबदि**। कोलशकरघाटी** रीउतरा*उज्ञब*कोञ्जीरञ्जल تبور سب آومی و माने।ने पीछा किया जहां थे डेन्त्रादमी देखतेह्*स्नाकर*व तेथे शाहजादाहररोजनाज ک کی کے ایک فوج ہیتا की चोकसी केवासे फोज नेजा करताष्ट्रा-कातिकवीद्र ४ कोशमश्रीर र्षा वंगरा काशगरवानोंसे श्रीरत्रजमानोंसेमुक्नेड वर्षण ६६ बहादुररना ने काशगरनी तोंकी मद्द पर पहंचकर ३ लमानेको नगाया-कातकबंदिश कीशाहजाद तारी में पहुंचा उनबक २ त फ़्सेचढ़करत्राये अमीरु त्न उमरा ग्रीरमीतमद्खा निहिरीलकीफीनकेसाथ

شاجبان بإدشاه محصنا ومحتمام शाहनहोबादशाह सं १० व حاكرا ونكوبه كادما जाकर उनको चगादिया-بادستا وكاحكرآ بائف **बादशाहकाहुकाश्रायाया** رغوری ا ورکیم**ر وممو خالک** किंगोरी जीरकहमर्दको व ب*و و سبه* مین دا خل *رکبوکر* द्शाही ऋमलदारी में शामि قل*ب ارون بو بحال رکبین* न्तर्वे इसलिये शाहजादे اسوا سطے ستٰ و زاوہ نے वहार दिन ४ हर कर न्रुरु लहर وبان وومقام كرشك نورالحن नत्रीरज्ञलकदरखाकोसक ا د ر ذوالقدرخان مقرركها रिकिया-9 س کوخواجید زا برسکے कातिकसुदि १ को रवाजा دانسسته سته كوح بوا دبيرة जाहिद् के रस्तमे क्चहुन्त्रा سرخاب نے کنار ہ **डेरे सुरखांबनदी के किना**रे یرمبوبئے ہتے گررا سسۃ **५र्हु वे मगर्**रस्तेमे घाटी पर مین انگیا تھا نی بیر اوز کب उजब्क श्रीरहजारा के लो ا در سزارجسلدآور سوکے ग्नारं तरफ़ से घिर ऋषि औ ا *درکشکریون کاامس*باب रनशकरवालोका ऋसबाब بوٹ کرخزا رہر*حاگرسفرا*ت च्युटकर खजानेपर जागिरे تک روانی ہو ائی اخرالا مر राततक लड़ाई हुई ऋारिवर امیرا لامرا سنے پر وجمر سکے त्रमीरुज्**उमराने**मदद्कर او نکورسگا یا केउनको जगादिया-بغره مشوال کو کوچ کرسنے नातिकसुदि ३को क्रचकर नेके पीछे की तंग घाटियों में کے بعد میں ننگ را مِن ومستشهنون سنے بچوم کمیا द्रशमन फिर्नुन्त्रायेजिस ते प्रशंकरके बहुतसे आर्मी

शाहनहांबादशाह्यं ७४ 🖪 ^{ञ्जीर}जानवर घवराहर में पहाड से जुटककर मरगये-हिन्द्कोहकेनाकेप्र७-एह ज्ञारअज्ञबकोंने शमशेरखांको ७५५०। जी घास चारा लेनेके लिये ग्रं योषा घेरा श्रीर बहुतसे ऊंट श्री रघोडेघरकरञ्जादिमयों को न्राप्याप्रही नीर्मारा श्रीरजस्वमी किया वहादुरखं मददको जाकर स्र हिन्दी मशेर रक़ें। की उस न्नाफ़तसे व प्रेन की की जा चालाया-وروسر تبلكت بحايا कातिकसुदि इ.की हिन्द्कोहं की घाटी से अंतरना पड़ा वह बर फ़्से*ड*रीहुई घी इसल्यिवहां भी जादिमयों को बह्त तक लीफ हुई-कातिक सुदि च की गीरवंदी हैं पूर्व देश हैं में ग्रोरदूसरे दिनचारीकारमें नुकाम्हुन्त्रा-गोरवंदपुहुँचुनैतक इसी तरह ३बार भीरजन्नबको सेछक्दि लाहुन्ना हर्त्रकाविलेमें बहु तसे आदमी दोनों तरफ केमारे

رى خام جان إرشاء على والمعالم م शाह जहां वाद रगह से १७०४ محروح ومتنول موسي نور गयेग्रीरजख़मीहुवे-بندمين تهاز بيضاكرا وردك गोरवेद्मेयानाबेद्यकरुत्रीर لاكبدروبيه كاخزاندج وبإن **१॰लाखरूप्येजीवहामाज्**द्धे موج و نہا لیکرروانہ موسے लेकरखानेहुवेजिसदिनर्किग़ार बंदंकी घाटी से जतेर हजारी लादगी <u>दीमह्जाराकेचढ़ऋायेञ्रीर</u> मालग्रसबावजोहायलगाउँ मको प्त्टकर् खनाने परनागि रेयहांबादशाहीबंदेबहुतकाम त्राये श्रीरज**्न मी हुवे पह्**ररात गयतकलडाईहोतीरहीकिसी कोञमेदबद्नेकी नथी जुलफ़ कारखं*च्चेरचुरुलहस्तनजो* रवजानकेसाय ये जरवमी होक रत्री खुब लंदे स्रीरखनाने की बचारनीये-जबहिन्दु कुश के घाटे में पहं ے اورخزانہ کو بحالاتے चेतोरस्तेकी तंगी कीरवरफ़ब रसनेकी तकलीफ़ से बहुत से जानबर बारबरदारी के न ष्टरेंवे जो गिराज्यादिमधीरी स्वीपगोनिपेरिमिजस्ला एक गुर्निर्देश के क या इसी तरह जिस्सवार है । एउ पैदल ने रोकर खाई यहा के रनउरसद्धा-

كإن إرثارت والإمتاليو राणुनहोचारपारके अन्य पाह्नारातीमंगसर्विरधेती हिर्मारातीमंगसर्वि गुल्मं प्हेचगया लेकिनव ग्रंगं रहेन्याया लेकिनव स्दुरर्ण सहेला जलिफकारसंग एंट्रीक विकास وادكماته يهركخ भीरत्रकलहसन केळपरजी। लजानेकेसाष्ट्रपीछेरहग्रे। ارسنے کی فرصت شامی पे रसकद्र वरफ गिरी किप्र أوفى أورحانور ارس بنبند कभग्पक्रेनकी फरसत न मिली ग्रीर बहतसे जादमी छोरजा नैबरमारे ठंड के मुरखेंपू-ग्रवबहाद्र (संाज्लिकार कांसे विखड़ गया ग्रीर ऋधिसे ء تب ذوالفقار خان سق नियादा जानबर रक्जाने के हि مقدركه خزانه ماقي كاونرون काने लगे तब जुल फिकार खा لدمسكا لادكرمشاه زاده तवाकी के ऊंटी पर जितना (वजानाल्यसकार्सको ते المسرواندكرااور باقى خزانهار

إرى نه خفيت ابني باس ركها लादकर शाहजाटे के पाय रवानिकिया और वाकी बार

मरखिया बरफ हररोजन रस्ताधा इसपरची कौम रजाराने रसंगीनफीजसेख

ان بادشا*ر شاد ا* शाहनहाबह्याहर्स ७०० सीकामाल असदाव उनसे वर ४। पर्नार घोड़े और बृङ्तसे **आर्मो बारबेर के जानवरों**स بإربرواري سكه جار مايون मेत खुटगये और नहुतंशेजान سنمدجوباتي رسكنته वर्षरफंके नीवेदबगये-जिम्सरदारञीरसिपाही जंग जीतेंदुवे औरकाम किये इंदेये सवरवजाने के अपर जनकर सा 🗸 🗠 डे_. जीरसवचीजीकी छोडक रअपनीजानों की खंजानें केस إجيرون पक्चालायताची वेशुमारल پوهر کرا ب*ی جا مین ا و رخزا*نهٔ र हजारा वालेंग्से हाचकाई जि सकोचे लेजागे -वहादुररगं ने जवयह सुती ह م بھی اول لوکھ कारेदियाकि जिसकीसीका नान्वरंटर्वंपक्रा करञ्चलिक कारखोकेपासनेजदेमगर पढानोंनेजानबर नहींदिये र सपर्जनसे लड़ाई हुई तव ब रादुररलाने ऋपने ऋीर ऋपने हिंदु हुंगे । अधिक है हिंदु हुंगे नाई रेटों के रवासा ख्रीरवार रिंग्स १००१ करों के स्वास गीरलंट जुलफ़िक्तरस्वा के-पासः दिये श्रीरखुद ची श्रपन

يان إرخارت الممتلاء राण्नहांनदशाहकं कर प्राह्नारातामंगसरवार्धको १५४५) गायुल्मं पहुंचगया लेकिन्य एंडरं अंटरं में पहुंच हादुरर्ण कहेला गुलिफकाररंग एंट्रेंग्ने किला गुलिफकाररंग .زاد کے ساتھ چیچے رکھے **भी**रत्तरलहसनके अपरनी فحاويك اورامغدر سرف برسا वजानेकसाथपीछेरहगये-لأبك مارسنے كى فرصت شىلى ये रसकदर वरफ़ गिरी कि पह بخاون أورمانور ارس بنند क्रभापक्रेनकी फुरसत न मिली اسكانلان موسكنے -ग्रीर बहतसे जादमी जीरज नेवरमार्वंडके मरखप्रे-بب بها درخان دُووالفقارُخان سے عزال اور آوسے ۔ ग्रवबहादुर्स्वाजलिकार गर्भ मंगसिविछड्गयानीर ऋषिसे कं प्रेंग में प्रेंग हैं। الكرتب ذوالفقار بنان سق नियादा जानवर रवजाने के ठि कारे लगे तव जुल किकार खां كاذبُون कारे लगे तव जुल किकार खां नवाकी के अंटी पर जितना। إيرلدمسكا لادكرمشاه زاده الكماس روايزك اور إقى خزانه بار (वज्ञान)लदसका उसको तो। اردارى ند لفيت ايفياس دكيا लादकर शाहजादे के पास रवानि किया और वाकी बार वरदारी निम लेनेसे अपनेपा मरखिया बरफ हररोजब रसताथा इसपरंजी कीम इजाराने रसंगीनफीनसेख प । जेसमें कमित्र

शास्त्रासुंबद्दशाह सं १५-४ سکامال اسساب ورنا सीकामानग्रसदावउनसेवर ४। परजार घोड़े और बृह्तसे ग्रार्मीबार्बर्_{के}जानबरोंस باربر واری کے جاریا ٹون मेत लुटगये और बहुतसे जान سك جريا في ركينه سنع كث كم वर्धरफंके नीचे द्बगये-ज्ञासरदारञ्जारसिपाही जंग سنے شیچے دیب مکٹے जीतेंदुवेजीरकाम किये इदेये *नानेके* जपरजनकरल ديره اوركارآ زموده-*डे जीर्सबचीजी की खेर*ड़क रअपनीजानों की खजाने केस पवचालायेतोषी वेशुमारल وحيور كرابن فإمين ورفزانه र हजारा वालां के एप जाई जि सकोने लेजागे-वहादुररवा ने नवयह सुती ह कारेदिया कि निस्की सी का नानवर्द्रवेपकर करज्ञलि جركسيكا وإنورد كجبين कार्यं के पास नेज दें मगर पवानोंनेजानबरनहींदिये <u>इ</u> मापरानसे लड़ाईहई तव ब لزائ موى أخرر إدعان أوجزا بخرم स्द्ररागृने ऋपने श्रीर ऋपने برون کے فاصرا ور اربرداری کا देटोंके खासा श्रीरवार ؛ ونث زواا متار خان سکے باس गीरसंट जुलफ़िकाररने फे-म्होत्रुद्वी क्रम्

शास्त्रक्षं वादशादक्षं ५५० ४ पीन*संभ*तनहां पहुंचामगर्ग्नस केपहंचनेतक ५-६हनारआदर्श वरफ ग्रीरजाडे मे बिटर करमरा येथेबाकीकायहहालघाकिव पबेटे को छोड़ कर ऋपनी जान रचानाचारताण-षहादुराताने वहा पहुंचकर-كمهاكه حانوان فارمردار مي خزانه देखा किबारवरदारी केजानवर रवजा**ना** जेजाने के लिये परे न लियेखुजानेकी येलियांगिन2 क्रजमादारों को दी श्रीरविद्यों परलादक्तरवानेङ्ग्वेहनारांले गफिरुस्तरीकक्तस्तेङ्गगर्व हादुर्रागं श्रीरञ्चलफ़िकार्रगंबडी *युश्रिकोसितमामख्नाने*को**उन** घाटांसेनिकालकरकाबुलमेंलेगये (१) अस्मारकेरानाने सिंघेनी फोड न्हें निजी स्त्रशंकर फीररवज़ानेके बंचाने मेंबङ्दतकीश्रिशकीथी बिहारीसतसर्थ कायहदीहाइसीबातकी तारीफ में है-गदलका देशे ब्लखते **स्वसिंघ जुना** ल अंदर ऋदासुर के परे मिंहित गायगवास गर्म

رس شاه جهان إرشا शाह्महाबादशाहसं १७०॥ द्रवारकाहाल-بإرشاه لابورس बादशगहलाहारसेक्चक ا کانوواین مین لڑے रके कुछ दिनगांववामनेमंग्दरे ۷ زمی قعده کو ولون . मंगसरस्दिश्कोवहांसर أروانه موسئ ريهسته مين वानेह्वेरस्तमें पोसबदि 'की شانداده واراشكوه كا دوم शाह्जादेदाराशिकोह कादुस وشكوه جارسال 4 ماه كا रावेटामहरशिकोहध्वरस مركما بإدشاه شيء وسكى لأ र्धमहीनेकाहोक**्मर्**गयावी لامپورکو بہنچی جہان اوسکی مال दशाहने उसकी लाश लाहोर بلرغ مين دفن بويي की नेनी जहां उसकी मांकेबा بودمی انتجه کوبار شاه ۱ गमेंदफन्हर्-मोससुदि धको बाद शाहदि झीमें पहुंचकर दूरगढमें बहरे दस مدر قلعه کے جوائم مرس تا रेदिनसवारहोकर नये किलेबे بها تشريف ليكلح اوربيه تاكيدي इमारतीके देखनेकी गयेजी प ديكركه نوروزآ بيده كا बरससेबनरहीषींश्रीरश्रगले سار بوجا وین آگره नारोज़तक तैयारहोजाने की ताक़ीदकरके श्रागरेकोरवाने हुव यानी त्रलर्दिनं से जशकर्दिस्तर ह सेनिकाजा त्त्ने हेराजा जयसि घ- किजेमे अधामुरके पड़े हुने गवालें और गायों की

ره» تنابحان بادشاه مصرا ومملا शाहनहांबादशाहसं १७ •४ भेराक्शकेहिसाव में हमारेपा स नेनदेवेकतुनुस्तरने एका पहुंचने से पहिले वेग डिये के दें कर १९ रती उसमें से छिलवार 🕫 🗓 ल्यापामगरनाद्दुकाय्ह्यने द्रेष्ट्रिक्र क्षेत्रं ह्या के उसी दिन रवाने करिदया य हो पहुंचने पर ७॰ रती छीर ज समें सेतराशागया तो १० रती रे पूर्व खराबग्रेरदाग धंहेकेरदगया र्र जिसकी की मतडेट लाखक पर्य । । १९५० मान्यान्त्री (१९५०) कागयाइतिफाक मेउसी दि न% ॰ तोले नरअंबरका ९उ लाप अमे स्वरीदहो कन्जा याउसकी प्राक्त कंदील जैसी यी इसिले वादशाहने दुक दियाकि इसन्त्रवरकाकंदील सोने और जवाहिरातसे बन कर कपर तो उस होरे की ज डें शिरनीचें उसके चूरको ची जगह्नगहंजड़ेरेंवं जबइसत र्रेंग्स्ट रह्यहकेरीलतियार हुन्त्राताः ग्री गर्रसाखकीलागतवैदी-

اه جهان إد شاه مسرو معمولا غرام الم शाहजहांबाद्शाहसं-१०-४ २२*वा बर्स* بسوان برس माहसुदि३्संवत १७ ४से وى المالكيت درخور المالك माहसुदिश्संवत १७-५तक-माहसुदि ४ कोशगहजादा امرم كواف السجاع كابل र्यानाम्भं ऋपने बडेवेर्ट जेनुज ئة آيا اوس طبا مثيا*س* त्राबद्दोनं समेतकाबुलसे द ن العابدين نبي او-रबारमें हाजिरन्नाया-फागएाबदि १०को बाद्रश مرومحرم محوبادستاه हनेवह अंबरकाक्रेरीलजी والنبركا تنديل جرمعه مهيرس उपान नेतियारहुत्राचाहानी देरें कु कु की के देरे सरिदकेहाथमदीनेकोरवाने नं १०१८ द्राप्त कियाउसको १६ ग्मिक के निर्देश हैं। गरिवोक्त वासीदेकरयहदुका एन्ट्रेन्य निर्मा दियाकि जाधे समयमें महमदा १०15 ए र्ट् र्राउट भादसेवहमाजिकि जिसकेर्द्रा ७३ 🥎 वेनेंद्रनेशनतहंस्तादलना करिए ग कारि वैज्समिसे ज्ञाधातामके के यारी देन हुन देन गुरु प्रमुद्ध क्षमहत्रोक्तामयपार्शिकारके विश्वास्तिकारिया देने शोरवासीरपय ओरमाल केरिया केरिया है دربانی نوبرن کونتمه नहांकेंगरीवांकीचंग्टरे श्रीर चिर् नदील को मटीनेमें लेगाहर गुन्नसार्गात्वर्गप्रसार्थे द्वाराध्ये द्वाराध्ये द्वाराध्ये कार्ये कार्ये कार्ये कार्ये कार्ये कार्ये कार्ये का

(۱۷) شاوحیان ا د شاد مشعرا و زم^{هم و} ا शाहजहीबादशाहसं १७ ४ फागणसदिशको वादशाहनेशा हज़ादेशुजाञ्जकोश्लाख्वरूपयेई की**मतकाजडा़ असर्**पेच इनायत करके पीछा बंगालेकी तरफ वि दाकिया-शाहजारामुराद्वशमीरसेदक्र नवी स्लेदारी के वास्ते बुलायागय। चेतवर्धि ४-५को राषाजगतसि घकापाटवीवेटा राज्ञकुंवर ऋपने वापकी ऋरजी वावत सुबार्क बाद फ़तहबलर्व श्रीरवदर्वशा के ले करहा*निर*न्नाया– **१**दिनराजावदनसिंघवादशाह केस्वस्तरवडायापीछेसेशमसहा थी ने भाषरकर्राजाको १ ज्यादमी समेत जो उसकी मदद्के वास्तेत्रा याथा दांतोंके नीचेदबा लिया राज नेनीवे सेहीजमधर विंचकर उस कीसूँडमेंमारीउधरघरवीवान नेचररिवयोंमें(१) ग्रागदेरी निसंस राजाश्रपनेनोकरसमेत्रउसकेट तोंसेनिकलगया बादशाहने रा जा की बहुत शाबाशीदी श्रीरिव लंपतद्काउसके जिमोकीबार्स गजयनारीमंसे

دم نابجان بارخا**يش اوشيرا** शाहजहीबाह्याहुस-१०-५ चतवदि १२कोनोरोज़केदिन वा استركوكم دوزمش نوروز दशाहने शाहजादे श्रीरंगज़ेबके ना मजो बलख सेत्राकर ऋटक के कि नारे पर हुका से उहरा हुआया हुका निर्मा ४ १०, १० १ । जिखा कि मुलतान की अपनीज गीरमेसमभाकरपरजारावहां चला उँ५०। जावे स्त्री२३॰ ट्याखरूपयासाटिन البارموتى سيسلمان याना श्रपनी बाकी तत्त्व के नी स जतानके*ख्जाने* सेलेतारहै-۱۷ برسر الاول کوما ومث اوآگر चेत्स्रिद् १४ के। वाद्रशाहन्त्रागरे فأكبطرف رواسرو सेदिखीकोरवानेहवेन्त्रोरराज وردارج كنوركونعل ومرواريد कवर को लालों श्रीरमोतियों की لا الااور ہاتھ کھوڑ۔ माला जी। हाथी घाडे देकर रुखर निक्या विसारवविदेवको वाद्शाहकी स् वारी शाहजहानावादके यासपहुँ वीर्नु क्रिक्ट्रें क्रिक्ट्रे أيادى تهبروفلعه **जिलाशाहजहानावाद** ادحان آباد ञ्रोरशहर-बाद्शाहनेन्त्रागेरन्त्रीरलाहास्त्री गलियों श्रीरिनलाखानों की तंर देखक्र दिह्नी के मेरानमं न्ररग टकेपासजमनाके ऊपर नया श ह्रवसोनकारुकादियाणा नहां किलेकी नीवंबेसाखबदिश एह स्यतवारसंबत १६५६की रात की

دون شایجان مارشافرشتا فیمیزا गारुक्रसंबादभादस-१०९५ असताद् ऋह्मद्त्रीर्द्यमद्कीतन् बीनसेरवोदीगई ष्टी श्रीर वेसारव सुदिद सहस्पतवार्की रातकी जरी गई वह ज्यव ५॰ लाखक्पये के स्वा वसेवनचुकाया त्रीरहतनाही क्री क्षी क्षी न दे हैं पयाजनाने महतों श्रोरमरदानी زنانه علات من صرف موانتعا **इमारतोमें सर्वे हु आधा**-قل*دیث ه صان آبا دبا لا کعد گز* किला द्लाखग<u>न</u> जमीन में लालपत्यरका टांकीबंद बना ^{हैह} था रसका कोट २° हजारगज लें^{श्}री वा६॰गनचोडाञ्चार २५गनऊंचा थानिसमें ४द्रयाने और २रिव ड्कियायी श्रीरफीरोज्याह वा ब्नीनहर् जमनाकी जोब्ह्तरिनें। र्-*ि* सेवंदपड़ी घी बढाकर औरसाफ । **फरके रस किले के अंदर से निका** بندشري تدوار كبود كرفلد كالا लीगईची-ہے نکالی گئی۔ किलेमें उत्तरकी तरफ़ बाद शाह केरहनेकेवास्तदीलतखानायाग ह्यात व्रवशहमाम शाहमहल में ने हैं के कि की की की रवेगमानेवासे समितयाज्ञ महल सनहरी महल श्री२ दूसरे मकान् म करानेके बनाये गयथे-बाग्रकेपासतलावश्रीरदौलत खानेसे मिलताहुन्ना १हीजपानी विकास केरिया है। अर्थ

يجان باوشافي صناروسينا राष्ट्र म् इग्य्याकृष्टिमा तकहररीज्य प्रान्सिलावर श्रीर रका केंग्राप्त भारति है। रीवगेराकामकियाकरतेथे यहम مان وغيه सिनिद्धं गनलंबी श्रीत ३२ गज्ञ- एंग्रें १ रूप्य बं वे वीरीधी रसके अपर वरे संवर टिंग के कि ग्रीर र अचेमी नारेवनाये गयेथे द ह६ वरसमें १० लाखर पये के रूच प्राप्त के के कि सेंबनीणी इसके चेकिमंदक्तन के हैं दें के की की की नदरमे जीरञ्चरकाशकारवानां के एंड के एंड प्रेर्ण प्रमुख मकान्धु-رمزبي رخشفاخالون كرمكانات تجر بادنتاه كاقلة شاه جبان آباد बादशगहकानयेकिलेमें بین و اخل *ہونا* वंबशक्रना-वैसारवबदिशकोमंगुलको दिन ही गी है। पदीदिनचढे सिंध लम्मेन्दिरिया के क्यूनिक क्यूनिक لذرفي طالع امدمن ومعازه रसिसेनयेकिलेकेग्रांसरस्परिकल الاورباسي جشاه محل كوجا كالمؤشأ हेवेच्चोरवडीध्मधामसेदल बाद लंडिरमेंदरवादिकया जाल काज दिन्दर्में कार्य के लंबान्नीर ४॰ गजनीज़ १सारवस مين درباركما بحستركز لمبايم पयोकीलागतसे ऋहमराबादके ⁵् बाद्शाहीकारावानेमेंतैयार्ड द्रिशंबार की द्रिशंका आया त्रीर्जिसकी २२ गान के पि हिस्सी के आया बोबों पर २००० फरिशोनबड़ी महिंगी, एंट्रा के प्रकृष्ट है। كريش محنت كراكماتها-रनतने खडाकियाथा-फिर्*युस्ल्खानेमेंहाक्रमह*ल ने पधारगये इसदिन शाहजादेदा اسان شابردون وافتكوه كاستد राशिकोइकामनसब १• हजारीज़ात 😽

(۲۰۱۸) تما بهمان باوتراق ا :रगहस-१ وس مبزاری ذات <u>ک</u>ا**ضا ف**ری केरज़ाफ़ेसे २॰ ह्ज़ारीज़ातज़ीर २॰ हजारसचार्दुन्त्रस्याकाहोगया-حارلاكبدروبه نقدا وراودا يك ४ सारवरूपयारोकउ. श्री२ १ ला रवरूपयेका जड़ा ऊजेनर वेगुम साहि यको इनायत्हु ग्राइसी तरह दूसर वेगमांशाहजादां श्रीरञ्जमीरांको २^{००१} दिनतक ख़िलस्रुतरोकड् रुपयेन्त्रीर नवाहर हनायत हो तरहै पहिल्नेटि ا ول ون *سعد العدخان وغيره ا* كم नसादुद्धारबांबग़रा (** नानी ऋपी रोके भनसब बढे थे श्रोर जारी रसि रोपावमिलेथे इसीतरहकी नवा ज़िशहररे।ज़सीसी ऋमीरों की नी سوسواميرون كونوازك سواكرتي سي -रोज़केदिनतक हुआ करतीची शग्यरों,पंडितों,श्रीरगवियों,वृगुरा के।रोजदनाममिलताया ईरीन्ब्री रकशमीर केगानेवालां हिन्दु स्ता नके नाचने वालें को खूब्स्यूवचं दीसोना श्रीरजवाहरात मिलाञ्ज एंडें/ कसरकारीगरें ने छपनी छपनी कारीगरीकीचीजेनज़रकीच्य<u>ी</u>र रनाममें मोहरें श्रीररुपयेपाये-वलख्कामोहिम श्रलीमरदानखोको घरजी पहु बी कि ग्रबहुल अज़ीज़ ख़ाने फ़ि बखारामे नज़र मोहमादर्श के व्यक्ति हैं हैं हैं हैं कि

ألافاجان بادشارشنا وسناء والتاء रगहजहांबादशाहमः ७५ *ऊपर चढ़ाई कारके वलख़ को* घेर*िल* याहै उसपर हुका हुन्ना कि वहादुर रवांन्त्रीररानाविद्रल्यसम्बाता वर्गेता २५० मुख्या वर्गेना ग्रमोर ग्रजी मरदान रवा के पास जा अर्थे के वित्र निर्मा गर्भी कर्यसकी तजवीज़ के मा फ़िक़ न किर्दिश के क्टा किर् नरमाहमादर्वाकी मददको रवाने हिंदी فالمدفح خان كى عددكوردا نبون होवे द्रबारकाहाल-रायरायांजो कुलबरसों सेरोज गारचोड्कर बनारस में जांबेढाथा फिरदुनादारीकी हवससे हज्रूरमें हानिरन्त्रायाबादशाहने उसकी ए कहजारीजातस्त्रीर२५० सवारका मनसबदेकश्दरवनकेकुलस्त्रों بادبواني مويفارت فوجراري والآج की दीवानी मय फ़ौजदारी बगल्गा لگاند كەعنايت فرمائ-नेके हनायत फ़रमाई-श्रमाटसुद्श्को श्वांजलूसी बरसञ्चाकदुःत्रा श्रीरमामूलके मा फ़िकदरवारु श्रीरजलसे हुवे-सावनबदर् की शाहजादे मुराद कशमीर्से ज्ञाया-वादशाहने नीरोजसे अरसत बा रूपाहम् दिस्रादव पाकर ।बहुत्सी स्नायतों से सरफ़

(٥٦) شاجي إن بادشا وسيد وماينا रगहजदांबादशाह इसलाभरवांकीजगहजो मरगया पा वकर्रकरके नेजा और शाहनवाज खांकाजोमालवसे दखनमें जेजाय याषा शाहजादेका ऋतालीक मुक्र र्रकरिया ऋराजरातका इन्तम मशायस्तारवां से ऋच्छी तरहसे न होसकाथा इसन्तिये वह स्त्वादारा शिकोइको इनायतहुन्त्रा न्त्रीर उस कानायववाकी वेग जो रलाइ वार् कासूनेदार्या जसल और इजा-षेसे २ हजारीज़ात५-- सवारां के मनसंबजीरुगैरतखांके खिताब सेमानपाक्त्रयज्ञरातके इन्त्रजा مدكاصورت بزاده मपर्गया-ज्डी सेकासूबा शगहज़ादे शुजा-श्र के। इनायत्हुः आ-नजसमेरववर पहुंची कि ऋब्द जिश्रजीज्ञरवाने नजर मोह माद्रस् तिसलहकरली इसलियेवादशाहण्ः। नेवहादुररवांचगेराको वापसीक हुकालिखा-شاه الران كافت الراكميا श्गहर्र्गुनकाकधारलेनाः कातिक्यदिशको नाद्यादः शि कारगाहरनासमें शिकारखेलाहे विकेधार्के किलेदारखासरें।

शाहजहानास्याह ''یَهان او شاه '' او کرالااه अभिरवस्तको किलोदार गरत्रकाकी छा वें वे विकास किलोदार गरित रजीपहुंची जिसमें लिखाया कि ई-१८० हुं कु लेख रानकाबाद शाह अबास दूसरा चे तसि (को ब्रुतसा संशक्त सेव) रन्त्रसफहासे कंघार फतहकर नेकेवास्तरवानेहाकरजादांसुद ९°को मशह्दमें पहुंचाओर अपने **९** ऋमीरको पहिले से हिरातकी तर्फ़ नेजिंद्यासोसुन्।सान के ताजी की सिजोजडाईके वक्त वगेर तनस्वाह फिक १००० वरक टाज स्रोर ५०० वे लदारतेयारकरे श्रीरदे बहमज्ज्वि माह)केमहीनोंमें जबकि हिन्दुस्त कीकीजकोबरफबरसने श्रीरस्त रहोजाने मे मरदनहीं पृहंच सकती हैकधारकेऊपरजावेसो श्रवबहुत जलदमददञ्जानाचाहिये रसके साथयहची ज़ाहिर दुत्रा कि रेगएका एलची शाहकुटी नी स्कले कर्कधारमागनेकोत्राताहै-वादशाइने वहरवब्दें सुनवद्गी तिषयों को महत्तीनेकालने काह्नका दिया औरकानी अफनलको नो स राशिकोह कं।तरफ़से लाहोर

(۷۷) شائدان ادشاور यगढ नहीं बादश्य हाकिमणाशाह्कचीको लाहेरसेख गेनहींबढनेदेने साहुका लिखा श्रीरह रतरफके अभीरों के नाम भी लशकर स मेतहन्रमंहाज्यहोनकेताकीदी हु जिले احکام جاری ہوشے ۔ कानीजारीहवे-٧ شوال كوبا وشا وشكاركا कातिकसुद्दि कोबादशाहशिकार فلعيشا وحهان آبا ومن مهونجاس गार्से शाहिनहाना बादके किलेमें पहुं चे इतनेमें शाह ईरानके न्त्रानकी गरमं रिगेर हैं। गर्म खबरे चाने लगी जिससेचादशाह हैंद्री

नेसादुह्मार्वावनीरको १३५चरे,बरे, एरीं १०० गाभीरोक्तेसाथ रगह्नादे श्लारगज्ञव की अफसरी में कंधार ने जन के बास्त

नियारिकया ग्रेरिङ्कादिया कि ६००० नी गरिषा के विश्वास सवारभीर १९०० बरकंदाज़ कात्मार् ५,५५,५५ तैयारकरेजिनमें बारहकेसेयर् उज बक् पढान ग्रीर् रजप्त नियादा है। ई रानी ब्हुतकमस्स हिन्दी को जमें द् थिएं गंग विलिमियेबार्ने-

रसीदरमयानमं काबुलसेयहरवन रत्राई किञ्जलीमरदानस्वाने किलेदा रकंधारकी सिर्वावटं ऋनिपर ५ सगरश्रीर १००० चर्छंदाजें कां कडर्खं राना नगरसिंघप्रैम ऋहियों के व

खरी तुरुलहमन्की सरदारिमें का ब्स सेर्यानेकरदिवहें और प्रसारव

ایبان إرشا و شعر فرهم ازاء مایبان إرشا و شعر فرهم ازاء राग्हजहांबादशाह जीखरचकेवास्ते**उसकेपास**-दियाहै-पोसविद १ के बाद्शाह की राजिवी है। त्रोव उसके तहनातियों की बहुतसी है। है। इनायतें श्रोरिननाजिशोक्तसाथ कर् खसतकर्केयापभी लाहोरकोरवा है प्रेडी नेहुंवे पीससुद्भिकोसुतलजमेश्री। ر ۱۷ فری الجرکو गेससुदिच के।व्यासनदी से उतरे श्रे रपोस्सुदि १३ फोलाहोर्भे महुंचे-बादशाहकामहिलेतीयह इराहा हुआया कि शाह्नादे श्रीरंग नेबकी जागेनेने भगरफिरयहबात वहरी ^{ए।} र/इं८७ किलां हो २ श्रीय का जुल तक साथ: जावे त्राराम चाहने बाले अमीरों नें इनियाकी जलाई माइरकरके अर जकी कि आजरहे ने हमन*्मगसर* प्रेम,माह)इन ३ मही नोमें कज़ल बाप्रा(श्रानी)सफरजीरलबाई की र तके कंधारपहें १९ र महरीक रिक्लाफ़ है श्रीरइस है।

(۲۹) نشا وحباك باوشار من الم<u>وسود الوسود</u> श्वहजहांबादशाह वंशक इनतीनचार्मही में मिकिबरफ़्र प्रें कुण्यं प्राप्त है। है। श्रीरजाडे से मुसा फिर मर आया कर^{ीहर हो}। तेहैं अकसर कज़लनाशसफरनहीं 🗸 करतेषित्रकेधारकेअपरकी चढा हें करने लगे-श्सतरहकानुलजानेका सारा *१९५*८ हो नोहुन्त्राषा नोक्स्तरहगया त्रीतया । हबात उद्दी कि बरफ श्रीर जाड़े के एंट्रें ا مورمین بی اشرکرین -देनलाहोरमंहीतेरकरं— बरसर३वा ئصنا چری ·माह्सुदि३सं-१**०**५से-पोससुद्शितं १७०६तकः फाग एर्सिद् १६ को बाद शाह की न नमपत्रीकेहिसावसे ५०वं। बरस लगा निसंबे तुलादानकी सुबुर्श में शाहजांदे श्रीरंग जेव का*ममसर्दर* १५हजारीजातञ्जोरण्॰॰ सवार दुःश्रस्यान्त्रीर सिहन्त्रस्या काह्यग्^{राध}रः याजसदिनञ्जनसर् त्रगीरांका इ नाफ़(हुञ्जाश्री(इनामनीमिला-न्त्राज**मर्र्ग**०२**बर**सकाहाक्रूप्रगय बादशाह् ऋगीतक तर्वे गती खर्म 💯 ऐंडे प्हुंचनेका रस्ता देखरहे थे जिन केलानको गुर्नबरदार गयेहु वेथे-त्रीरजीबाद शाह दितनके मशहरसे

زار ناه جهان با د نناه شنه در **قوم ا** اره राष्ट्रनहोवाद्शाह खानेहोनेकी खन्रमशह्र हो रही ची र्रे हुँ छै रेरे उसके तहकी कही नेकाची श्लाजार ^{हुन्} षाः शारामचाहेनवाने श्रमीर्खाव ⁽⁾! नी जानेकी फिकरमें थे श्रोरजो टट ध्रोजयसरदारथे वेडेरें में पड़े रहने 🔑 क्रीजाडे ग्रीर्सफ़रकी तकली केंसे गनीमत समभः कर कृचकरने में हु रनहोनेका युक्र नेजरहेथे किएक दमसे शाह अलासके कथार पहुंच तानेकी खबर्किलदारकी ऋसी स गोहिर हुई जिसमें लिखा था कि शा हने सरवती उठाकर इसवरफन्त्रीर्श्व रिश्वकमोसममे धावाकरके ५० हज रमवारकज़लवायतुर्कताजिकश्चे रतोपकानेसंगीन**से**पासस्रदि ९ तुरतमदद्गपहुंचनाचाहिये: इसलक्त पहुंचतही शाहने शाह नादेन्त्रीरंगनेबके। लिखाकि युलत न्सेभीधाक्धारकी रवानहोजावे रगावजीर बहादुरखाराजाज त्रसिंघ कलीचां वा राजाविहर दासगोङ् स्मतमस्य निजानत र्वा सरदार रवा जीर लहरास्मर्वी

(رس)شاجبان بارشاه رص ورمهادا रगहजहां बादशाह कोरा १३२ञ्जमीरोको ५००० स्ववारी से ३महानेकी पेशगीतनखाहदेकर विदाकिया शाहनादेकी रूख सत नलदीकामहूरतद्विनेसे पग्रेर लब्ब नमियानी विलान्त्रतविभवित् इशी रमिलेये उसके बास्ते विज्ञ अत जवाह र राधी श्रीरघोडेकोरापी छेसे साह लाखाकेसाथनेजेगये श्रीरञसकीः नज़दीक के रस्ते बंगप्रागीद से जाने भाइकादिपागयात्रीग्रं रवश्वकेवा स्तियहहुक्यूहुआ कि जोनीबर करी मुर्हि से नकदी पातेहें जनका चढी रतला व रिसिवायकासामीबारचाकरोस्**मे** ९ देवें श्रीरनयेना करों की कि जिनकी सन्देश्यवंतक तैयार नहीं 🚄 **९६६ ग्रीरनपेपुरानेमनसवदा** रों को कि जिन्हें जागीरेंद्री कर्रहेंदें व गहीनेकीतनस्वाहनकददेदेवें रूपया दिलाने केवास्त्रसन्।वल(सियारी श्रीरलशकरकाताकी दकरकेर वांन करने के सिये गुज़ैबरदार मुकरीहुंबे शार्शानकाकीरची वाशी समन वेग तुर्भ मानकंधार छोड़करबादशा ह्केपासन्त्राया वाद्शाहन उसकी - 💯 रेवल ऋतसो नेकारकेन२५०% नकट

थादनस्वार्शह) ترادمهان إرزًا : *الصنط والمعالي* श्रीरदनारीजात ५० सवारकामनस به منصب منزاری ذات ا यरनायतरितया-نو*روار کے عنایت ہ*وا-नन्रमाद्याकेवकील्यान فروی فان کے دکیل خواجہ مبان नानको नोखतत्त्रीरकु छतोहफे وموموه ثامه اوربعيض تحاكمينه लेकरञ्जायाणारिवलञ्जतचाहाञ्जी । १९१० १ मार्गिक के विकास فإررو بإفدد بكررخصت كماكماء राप-" नमददेकररु समतिकया चेत्सुदिरसं ५० ६को वाद्याह-عزه رسع الاول كوبا دشاه خودمهم पुदनी साहारसे कागुलकोरवानेहुँ كابل كيفرف كوح كرك الكوحية चेत्सिदि १६को चिनावनदीसेवत ساوتررے تھے کادسوفت اور रहिषे कि उस्रयुर्ज़बरदारने जो श्री زرمروار فے جواد رنگ زیے रंगजेबकेपासफरमानखेकर गः إس فران ليكيا تقاحعفرخان مير याधानाफुरसंगमारनख्याकेंडेर مجٹی کے وہرہ مین ہونچکرظام मे पहुंच करजा हिरकिया कि सिया لرمسياوت خأن كانومث दत्तवानेमादुलाखाँकोलिखाँहै فان کے نام اس صنون کا ہونج क्तिकागएगमुद्धिकोत्द्वासरवं) ने سيكه دحفركوخواص خال فا कं धारका किला शाह ईरानं के हव धिकरियाहै श्रीराज्या जिले के दूस دبدياسے اوراوم रेकिनो गतन्त्रीरज़मीनदावर पर सी ईरानियों काक ब्राह्मगयाँ हें जी (साण्ही इसके गननीसे ची काग गकासीदेंग्गीरजिलेखरारेंकेहाथ भूति जिनसो आफ़रखाँचे बाद्यगह मासिएमामेशाजरमाजकिया-अधासायहणाकि शहको भिदी

किछो भी पेरने हो शिक्ष के संक्रिक्त

وسوسى شاه جهال إدشاكا शाहजहावादप्रगहमः १७०५ नदनम्युजरान्त्रदरसेउसकेलश्रक रपरवड्डगोलेडरसायेगये स्त्रीर किलेवालेबाह्र निकलकरत्री ल हेमगर किलेदार ने कजलबाशी के घेरेसे घवराकर दिल छोड़ दि या शाहके लशकरमें रसदकीक *पी भौ1*र हिन्दुस्तान से फ़्रीज *रवाने* होनेकी रवक्सेगडबड पडी्हुई-यीजिसकापरचा रमुखबरने तीरसे वाधकर किलेमे फेक दिया था तेज सकान्त्रीर । ५दिन तक शगहकी सु रजन प्राह्मेमंज्यकर लियातीका गए।वदि १९ के।किलेसेबाहर निक जन्त्रायाचीर् २दिनकी मोहलत रनेकरञ्जपने मालञ्जसबाबञ्जीरब लब्बोंकोची निकाललायातीस रेदिनईरानका किलेदारमहराबखा किलेमेदाखित्नहुन्त्रान्त्रीरबहस्ब नादरगह्के क्वज़े मेनिकलगया-फिरखवासम्बंकिलेदार् काक *उखं)औरञा*बुलहसनवग्रेगसमित श्गहकेदरबारमेंगयान्त्रीरदमनर वहा बहुरकरहिन्दुस्थानकोर्वानेह्ना-

शाहजहां बादशाह (۱۳۲) تناه جهان بادخناه فتصنيه ومسايل श्रीरहजारीजात ५० सनारकामनस् गर्गाणि हो हो है। إنسوسواركي عنايت بوا-बश्नायतक्तिया-.नजरमोहम्पदरवाकेवकील مدری خان کے وکیل خواجہ جان जो खत्जी रक्त छतोहफे ومعرتامه اوربعض تحاكيف लेकरत्राया यो विन्न अत مكأيا تعاخلعت اسب اورماره بزاره بيفقده يكررخصنت كمياكيا. १५॰ " नक्ददेकररुखसतकिया وربع الاول كوبا دشاه خور चैतसुदिरसं १० ६ को बाद्याह-كابل كيفرف كوح كرك الكوفية साहारसे कानुसकार اوتررا مق كادسوفت او चेत्सुदि १३ को चिनावनदीसे उत रहिषे कि उसगुर्ज़बरदार ने जो श्री رمردار في ورنگ ذيك रंगजेबकेपासफरमानलेकर ग إس فران ليكيا تفاحع فرخان. नाम्ररनामीर बख्याक्रिहेर भूरे कुरी मान्य مسيادت فاكن كانومشة पहुंचकरज़ाहिरकियाकिसिया فان کے نام اس مصنبون کابہونیا मादुलारनाकी निरवाहै م المه مفركوخواص خان قلدا किकागएगमुद्धिकोय्द्यासर्वं। ने فحدارسة قلعهشا وابيران كو के धार्का किला शाह ईरानके ربديا باوراوكس صوبرك दियाहै जीतजस للاع زمنیدا وط ورسبت وغیره بهریهی^{ستا} वस्तन्त्रीरज्ञमीनदावर पर نفر ہوگیا ہے۔ اور اسی کے کے ۱۰۰۰ مفہولا र्रगनियों इसके गजनीसे की का ग कासीरांञ्जीरजिलेदारांकेहाथ जिनकी जाफ़रखाँ ने बाद बिद्रमतमे नाकर ऋत्व किया किं शगहकी १ किसे के घरने श्रीप

ريه) شاه جهان إدشاه शाहजहांबादशाहर्स-१०•६ बगराबारबरदारीकेजानवरखरी दने ब्हेलिये १५दिनवहाँ ४६रना पड़ा फिर क्षूचकरके गज़नी पदुं *वातीयहाँघासका काल घारवास* खासञ्जादमियों के वास्ते अकासेर नरनाजन्त्रोर् श्येतरद्यासमिलता या जिससे जशका का बहुत पत <u>नाहालहागयात्रीरश्यहन्दिन</u> गदशाहको ऋरज़ी जिखीकिय *ारुपये सरनाजेहे श्रे*लघासनी इससवब मेलग्रकर ग्रह्भ बहुततंगञ्जागयदे बादशाह ने तिखा किसक्कगीरी में त्राराम नहीं होता है ऐसी बातों का खया स करके फ़ोरनकं धारकोरवाने हो नात्री-त्रीरकृतलबाशिकी किले में*नयाज़र*बीराजमांक्रुरेनेच्रीरह हरनेकीफुरमतनदेश्चीपुफसरन नोते*यारहे* उसको उनके राष्ट्रमें न **प्टनेदोस्तदका**टली श्रीरहम्की इसपर्शास्त्रादे रेवास्तरसद्लेलेवं ऋौर**श**दिनशह

शाहजहां बादशाहसं २७ - इ वरफ़रतनागिराहै कि जो फिरनी रेतो १ महीने में मुश्र किल सेरस्ता निकलसक्ताँहै इसीदरम्यानमें शाहको कंधारको घरने जीर फतह करनेकी सबबरश्रीर बाद्शाहकी नाकीदें जजदीरवानेहोनेकेवानी पहुंचीं भ्रीरफ़िरनुरतही शाहकेकू वसरनेकीनी खबरन्त्राई तबतीशा हजादे जोरकां प्रका क्रूब करना ही पड़ा श्रीर वेजसरसेकी कि जिष्ट रसेजानानंज्र्रथाक्चेड्क्र्२० गज्ञंचेपहाडी प्रसिपेदलमय फी जके*युन्*रिश्रोर्*जीकु*ल्लसामानश **ाब**साथयाउसको जहाँका त रांचो*ड्गपेश्सदेखे*मंबहुतलाग जाडे:सेढिडरकर्मरगयेश्रीरबडु तसेनाग्गयेखानादानाकुछप सनरहाजनइसहालसेजेठनदि काकानुलमें पहुंचे तो वहाइतगी महि गाईचीकि अकागेंद्र पसेर्जीर्घ स्रक्षेत्रचीहाथनहीं स्रातायात्र दमी श्रीरज्ञानवरकापेट अमें नी नहीं नरता थाच्या स्त्रारबादशाहकीत कीर कें *धारपहुंचनेके वास्तेहद*से ज़ियादाधी तेन्त्री शाह्नादिकापीडे

رع۳)شاه جهان إدشاه⁰ प्राहनहोबादशाह**से-५**•६ *बेगेराबारबरदारीकेजानवर*स्वर दने के लिये १५दिनवहां बहरना दिन पड़ा फिरक्वकरके गज़नी पद चातीयहोघासकाकासधारवास खासञ्जादमियोक्तेवास्ते ५कासेर नरनाजन्त्रीरश्यसरघासमिलता याजिससेलशकरका बहुतपत नाहाजहोगयात्री(रगहनादेने बादशाहको ऋस्त्री जिस्बी किय इंग्स्पये सर्गानहै श्रीष्रधासना मेद्दे**न्त्रागे**ङ्गखर्चाजन६)मिजती हे**इससवबसेल्याकर**ीन्थ्रीरसि गर्) बहुततंगञ्जागद्येहें बादशाह ने जिरवा किमुज्कगीरी में न्त्राराम नहीं हो ताहै ऐसी बातें। काखया ख नकरके फ़ीरनक धारकी रवाने ही नान्नो-न्त्रोर्कन्तनवाशोको क्रिले में*नयाज़र*वीराजमांकरनेन्त्रीर ह हरनेकी फुरमतनदेश क्रीरफ़सलं जोते*यार्द्देउसको* उनके हाथमें न *फ्नेदो*खदकाटली श्रीरहमकी नीपहुँचाजानी—इसपर्शास्ज़ादे श्रीरवज़ीरने लशक्रमें डोडी पिट टी किसवलोगगजनीनमेरस्ते रंथः रेवास्तरसदलेले*चे श्रीर १५दिनशी*ह

رس شاه جهان إدشاه صند शाहनहाबादशाहसं छ है. वरफ़रतनागिराहै कि जो फिरनगि नो १ महीने में सुश्रक्तिल सेरस्ता निकल**स**क्ताहै इसीदरम्यानमे शाहके कंधारको घेरने जीर फतह करनेकी ख़ब्बरश्रीरबाद्शाहकी किदिंजलदीरवानेहीनेकेवासे पहुंची जीर फ़िरनुरतही शाहकेक् चक्ररनेकी ची ख़बरच्याई तबतीशा हज़ादे जोरक्ज़ीरको कूच करना ही पड़ा श्रीर वेजसरस्तको कि डि र सेनानामंज्र्र षाखोड्कर २७ गज्ञञंचेपहाङों प्रसिपेदलमय फी *युन्रेरश्रीर्जीकुल्लसामान्श्र* **ाब्**साययाउसको जहाका त हा छोड़गये स्तरे छ में बहुत लोग जाडे.सेविवरकरमरगयेश्रीरबडु तसेनागगयेखानादानाकुछपा सनरहाजबङ्सहालसेजेऽबदि कीका*नु*लमें पहुंचे तोवहां इतनी महि गाईषी कि अकागेंद्र पसेर्गीर्घ स्रक्षेत्रचीहाष्ट्रनहीं त्रातायात्र दमीत्रीरजानवरकापेट अमेर्न नहीं जरता याच्यार्यास्वीता कीर के धारपहुंचनेके वास्तेहदसे नियादाषी तेन्त्री शाह्नांदेकेाघोडे

शाहनहां वादशाहमा-१०-६ बगराबारबरदारीके जानवरखरी रनेकेलिये (पदिनवहां बहरना पड़ा फिर कुनकर के गज़नी पर् चातायहोघासकाकालयाखास पासञ्जादमियों के वास्ते, ५कासेर **नरनाजन्त्रीर** श्यासर**घासमिल**ता था जिससे ल शकरका बहुत पत ताहालहोगयात्री(शहनादेने बादशाहको ऋस्त्री जिस्बी किय *रारुपये सर्गानहे श्री*रघासना दिहेन्त्रागेङ्गछचीजनहीं मिलती सिसवबसेलशकर/ऋोरिस गही बहुततंगभ्रागयेंहें बादशाह ने लिखा कि मुज्कगीरी में त्राराम नहीं हो ताहै ऐसी बातों काख्या स नकरके फ़ीरन कं धारकी रवाने ही नाजी-औरकन्लबाशोंको किले मेनयाज्ञुखीराजमांक्*र*नेच्चीरह हरनेकीकुरसतनदेश्चेरीकुसल जोते*पार्हे* उसको उनके रूपमें न **उनेदोखदकाटलो भी**पहमकी रसपरशस्त्रदे اادرس

90 الوسط المنادجيان إدشاد مندوس भगहजहां बादशाहमा - १३ क्चकरके ३दिनमेंकृजलवाशोके (किलेपरपृहंचेजिसको वेलोगस् जीकरगयेथे-رگ خالی کر बादशाहीलशकारुकोजहाकत र्रेन्ट्रां देश असादवदिश्कोक्छिकंधार्केपा مارجادي الأول توقلعة فناطر सप्हेंचाश्रीर्गंजश्रजीके बाग کے اِس پہوشجا ور کنج علی۔ नेंडतरातीसरेदिन नावसिंघवरें। हे प्रांतिकारी रा कई बहादुरसरदारोंने किलेकी 💯 (तर्फ़ सेज़ाबतेसरवाल) देख्व क्रिकें के प्रिकेट रशाहजादेसेमुळे निनावहामीर ग्रीनंदिष् वाजाजमाया किलेवालोंने खूब 🖑 रपाकर ऐसी ज्ञागवरसाई किव्हु तन्त्रादमी मारेगये न्त्रीर उहरनामु शक्तिलहोगया.सादुखाखाने राजासेकहलायाकि वंगेरहुका के ऐसी जुरन्प्रतकरनावेजांधी म गरत्रवनहीजंगजके करतांकीत्र डलेक्र जमेरहो नहीं तो क़िलेवारे जियादा रेगरही जावेंगे न्होंगरसत्तर :ब्रुगुरु किलोंसे बृहत जानेंख पाने के पीछे किलेका घेरारियागया द्रवारकाहाल-जनवादशाहकाकूचहसनथ्रद दालसेङ्ग्राताशाङ्ग्रद्धासके न्नदीत्नशाहवरदीरवंग्लेकख्टीरी

प्राह्मतावादशाहसं ५० ह त्र्यापीत के क्षेत्र संस्था है । अप्राह्मतावादशाहसं ५० ह

पुत्चनेकीर्ववरकाईबाद्शाहने उसकेलानेकोगुर्नवरदारनेजा- । -५%

बादशाहबेसाखसुदि **इकोनी** जाबसेउतरे ग्रीर४क्**चमें पिशोर**मे

पहुँचेवहानागफ्ररहवर्वशके सु कामपरशाहवेग्नीज्ञापहुँचामग्री कामपरशाहवेग्नीज्ञापहुँचामग्री

कामपरशाह्नेगुनी जापहुंचामगी रबादशाह्नेजसकी अपने स्वस्न जुलाया जो। राज्यस्तर्वां वजाक

वर्गाना आर्थानासा (व प्यान्ता प्रवासिफ्रमाया किञ्मकी त्रापनी हरीमें दहराक्रजमकी पाससे ख्ली क्षां

द्रश्तकहराक्त्रकक्षां प्रसम्बद्धाः हुन्। तानोनहीं होने इंग्रोश्हमारी तरफ़ सेनहैं कि हमने श्राहर्ट्सनकी प्रश

सकराकहमन् शाह्दरानकाषुरा तैनीदेग्सतीपरजरासाकरकेज्ञ एक्ट्रिक्ट्रां केसीवारीला १००० विकास

न्ते १ ख़वासकीकंधारके कितेने १ खेलूर्य होर्था अगरयहजानतिक उनकीत्रफ़ सेंपेसी दुरकतहागी | अनकीत्रफ़ सेंपेसी दुरकतहागी |

तो (तनकविकार्जगी) त्रमीरको विक्रिक्ट विकार्जगी। त्रमीरको विक्रिक्ट विकार्जगी। त्रमीरको विक्रिक्ट विक्रिक्ट विकार राज्येज पूर्व विक्रिक्ट विक्रिक विक्रिक विक्रिक्ट विक्रिक्ट विक्रिक्ट विक्रिक्ट विक्रिक्ट विक्रिक्ट विक्रिक विक्रिक विक्रिक विक्रिक विक्रिक विक्रिक विक्र विक्रिक विक्रिक विक्र विक्र विक्रिक विक्र विक्र विक्रिक विक्र वि

द्तके बद्देकाची श्रीतंचाच्य जिन्नि जिन्नि क्रिक्टिया है। हींदेनाचाहियेपहिले शाहकुली ने क्रिक्टिया क्रिक्टिया

१५१६।वादशाहस-१७·E دمهم بناه جهال إدشار من منهور الم तरहदोसतीकाचश्रमागदलाहोग याताखतः श्रीरवकी लके नेजनेमें क्यामज़ाँहै-फिरफरमायाकिशाहवररो वे रिंदुरेश के र्राष्ट्र गसेकहरो किजलालावादमेंजा कर्वहरे काखलमहुचकरहमतुम् मंग्रह द्रिय दोनोवकीलोको इजतके साथ-र वसतकरेंगे जीर शाह्वरदी बेग रि बीतकजी<u>फ़ काहाज़ सुनकर्</u>रु उसको इनायतफ़रमाये-शाहनादादाराशिकोहजीपहिले एक वर्षी है। रवानेहोगयाषा इसमंज़िलमें का चुलके स्बेदार न्त्रली मरदान खा वंगेरासमेत पेशवाईकोन्आया-م معیتوای کوایا-बादशाहजेठसुदिमेसाञ्चलके रेग्जतर्वानेमें पहुँचे चाथिदिनञ्ज जीमरदानखंकेमकानपरपधारे /;* और्उसकीपेशकशामें से **श्ला**ख्य 💤 पयेकीजिनसक्बूजकी-. बजरवमें ऋबफिरबहुतसे फ़सा द नजरमोहमादखांके वन्त्रबदुल -अ*जीनखां के जीम* भुबहानकुलीख़ैश के आपसमें हु वेतो ची नज़र मोह माद्र्वनि ऋपनी सलतनतपर का यमहोक्रबादशाहकोखनीताजिखा

واس وشاه جبال إدشاء शाहजहां*चादशाह्सं-१*७°६ जिसकोलेकस्वसकावकील मुरा वेग त्रप्रायाजसकेसाथयादगारख चौद्धाकस्रीपा-नज्रमोहमाद्र्यां के बेट सुबहान क्रजीखाने सेवनजंतकही अजीब तगान् भीरभोहमदंबगुद्धनाक. ोरा चागियों की कतल करके छ के सिरनजरमाहम्मदर्शके पास जिथेवेजी नज़रमोहंमदखाने बादशाहको दिखानेकेवास्तेशाह नादेदार शिकोहके पासचेजे श बबजर्न जीर्वदरवृष्टंगमेनज्ञरमी हम्मद्रवाकाप्रराक्तञ्जाहोगयाचा इसलियेउसनेन्त्रपनेबेटोन्त्रीर्क बीजोकोखुलायाश्रीरकुछुर्वर नीमागा **जनाटसुद्रिकोश्**रवाजल् सीवरसशुक्तञ्हन्त्राजिसकेदर गरमे बादशाह ने नज़र माहम्मदर्व **केनेटे अब्दुल**रहमानुसुलतान शेर रिक्टरेकर बलायज क्र**रन्**सत्रनायतकी ञीश्र गहरातध्यीरजङ्गक जेबरन्ध्र

*प्राह्महाबादशाहसे-*२०•६ दमाशिकोहनेनीवादशाहकेहुकासे दियेक्यें कि प्रबदुलरहमानकी सं नालउसके ज़िम्मेकी गई थी-नजरमोहमाद्खाको १००० तो पहिले काबुलके खनानेसे इनायत रूपिए। हुवेथे ज्यार १००० ज्यवित्र उसके वास्तेन्त्रीर् ५. " नाडा कतत्वार् समि तस्रबहानकुरनीरनोकेवास्तेत्रबद्धी नरहमान मुजनान के हाथ्येनेनेगये दूसरे असादकी सुदि ३ को नज़र नाहम्मदरवाकी श्रोरते श्रीरवेटिया नीजो लाहार्से काबुल में पहुंचगई। थीं बलख़कोरवाने हुई उनको नी क रेजारनरू पयेकी नक़रीजीर ज़िनस रतायतहुई इनवेगमाकोञ्जनतक **३लारनरुपया मदद रनरचकामिल** पुकाषा ग्रीर ना वादशाही बगमान दियाषाबहइसके ग्रंजावेषा नजर मोहम्मद्र्वाकेवास्ते इनके साथत्री **९लाखरुपयाञ्जी२ (हायी नेजागयाः** येलाग २ बरसन्त्रीर १॰ महीनेके करीबहिन्दुस्तानमें रहेथे-नजरमोहमाद्खांके २वर्डे बेटेख सरो सुलतान श्रीभगद्रगमसुलता है नहिंदुसामक्रमज़ेन छाउसके और प्रि

प्रग**हन्नहांबाद्या**हक्तं **ध•ह**् बादशाहीनोकरी पर्राज़ीहोकर बल खकोनहींगये-कंधारकीमोहिम-दूसरेअमादकीबदिश्कोसादुत्ता (नानेशाहज़ादे सेकहा कि कि लेदार ने मगुरूरी में र्वेज़र् स्त्रीरवेसकरने द्रवाजों को श्राजतक बंद नहीं किय है इसबात्से अपने जशकरकी सुं सती श्रोरच्यबत्रीज़ाह्ररहोतीहे-राह्नादादूसरेदिनकिलेकी तर्श **४ बटा किलेवालीने मरितोपों के** बहुतसे जादिमयोंकी गिरादिया किलेसे गाले मेहकी तरह हर री न्बरमाकरतेथे तीपीसादुस्तार्व नेकुछदिनपीछे ५-६ मलाभतकृते बनाकर र्थर गज़ज़मीनखोदी श्लीर किलेकी खाईतक सुरंग पहुंचाई

नी छेडिदिया= इसतरह्वादशगद्दीलशकर केला फतह करने के वाक्त के शिश हरने श्रीरज्ञानलङ्गिकोई बातना ५ कीनहीं छोड़ी मगर गोलाबास्त्र व गेरामामानपुरतियार् नहींया दी

मगर किलेबालीं नेउसके ऋंदर पा

رمهم اساه حبان بادشاه بنم शाहजहांबादशाहसं १५०१ जिल्लामीसमनी जागयाचा इस *लिये लोटचलने की मजा रुहरी* मगर इतने हीमें ख़बर पहुंची कि क नलवाष्ट्रों के २००० सवार नुरित्रन कु जीखावंगरा ३१वंद्रे २ऋमीरांकी त्रफ़ सरीमंचलेन्त्राते हैं शहनादे नेयह्सुनक्रसावणसुद् १७कोक्त तमःस्वान्त्रीर्ङ्गलीचर्वावग्रेराकाञ नके प्रकाविलेपरचेजानश्चिमसा नलड़ाई हुई दोनांतरफसेखूबकी श्रेशन्त्रीरमादानगीदिखलाई ग ई*न्मास्वि*रको*नादशाहीन्मादमी* ए कदमसेहस्त्राकर्केदुश्रमनों परज गिरेन्त्रीरबहादुरीसे उनके। नगा करहेरों की तरफ़ लीटे दूसरे दिन शाहजादेके पास पहुँचे साहजादा इसफ़तहकी कुंधार्की फ़तहरी बढ़ कर्त्तमभक्तरपीछास्त्रोटान्त्रोरकं धारकी फ्रांतह की ऋगले सालपर चोड्नाया-† तनाराख्यन्तरिवजनानुनावमे लिखाँहे किंद्येरेके पीछे ९ तरफ़ से सादुद्वाःखाने श्रीरद्सरीतरफसे हस्तम खान्त्रीरकासम्दर्भानगरने १ यहराजपुरममाहिदक्रबादशाह नामें से लिखाग

ده مهم الله جبال إدشار من المسمولي وي शास्त्रकांचारशाहर्मः ६ किलेके पासतक मौरचेवटाये श्री रसरंगेंनी खाई तक पहुँचाई लेकि मर्ररानके क्रिकेदारमहराबर्वाकी हो रायारी श्रीरतज्ञरुवाकारी से कि जिसने रूपकी जडाईयों में रह्व जड़ाईश्रीर किलेदारी केकाम दे रविधे कल्लेपेशनहीं गई वह विले में सेरातदिनंबरांबर एसी जगातार गोजिया स्रोरगोले बरसाताया कि शादिप्रयोको मास्त्रों में नी चलने फिरनेकी करसतनहीं मिलती थी औरवह अकसरतो सुरंगो को ही मारेगोलों **केउ**ड़ादेताचा**र्**धरसेह खेजी क्रियेजा<u>ति</u>थे उनमें सरदारी के सिर् और सिंहियों के बदन खाई कीनरती नरने केकाममंत्रातेषे तीनी ज छकामनहीं निकलताया उधरसेकजलवाशजी एउने: की बाह्रशनिक जतिथे ती जी बडीर ज्जाईयाहोतीषीं जोकेदीजनके १५ राषलगते थे उनकी वेकि लेमें ले जाते थे और जो बादशाही जश कर के हाथ जातेजनको वे ऋपने *उरोमें ले जातेथे-*ورس عآنے

رومه بمناه جهال الشاف ف शाहजहांबाद शाहसं १७०६ (दिनकुञ्चक्रज्ञलवाश इसीत्रस् पकडे जायेथे उनकी जबानी मार हुन्त्रा किशाह्त्रज्ञचासने हिरातप चकरर॰ ग्रामीर ग्रीर रूर र सव महराब्खाकी मददकी रवाने कि यहै उनमेंसे ३-४• "तोबहुतकरी वन्नापहुंचे हैं इसीतरहकी रबबर ९बादरगही बंदेने जीजी शाहके छ शक्रमेपकरागयायात्राकर्कु कीचर्वां की दी इसके सायही खुत वानों,फीलवानों,जीररस्त्रस्वाली नेन्त्राकरफरियादकी किकान श एकाएकी हमलाकरके बहुत के आदमीयों ऋोरजानवरां को पक्र जेगयेश्रीरश्रकसर जीगोकीर्न जर्बमीकरगयेहैं कस्तमस्वान ^{रुप्रपृते वक्तका कसतमधा} नकर्त्रगर्हुकाके हीक्रजलबा कापीछा किया ज्योर ४-५कोसंप *उनके*। नारिनया पहिले बंदकःश्री बानकी लडाई हुई ग्रोरफिरतः वारचलीदानोंतरफ़के बहुतर न्त्रादमीभारेगाये रूस्तमखंग्रापन् जीरउनके हाथी घोडे ऊंट बेलरी

ريهي ناه جيال إنا في المهام وع रगहनहांबादशाहसं: १७०ई (नच्रिनतनेकुल्लासकादीकरूश) **र्**जादेकेपासहाजिरहज्रान्त्रीरसब नैजसकी इसबहादुरीकी बडीतारी प्रकी दूसरेदिनतङ्केहीख्वसपृहंची °सनारकजल बाशोंके ननर-अलीरवाहाकिमअदिबेल गलीऊलीखां ग्रीरपुरतज्ञाखां वगराकईन्स्रमीरोकी ब्स्रफ़सरीमें न इनकरी ब पहुंच गयेहैं इधरसे वि ररुस्तमरवा ग्रीरकुली चलां वगे र कईष्प्रमीरदसद्ज्ञारसवार्श्री रबहुतसातोपरवानालेक्स्उनके पुकाबिलेपरगये जेंहिलनकी फी ज नज़र आईसेयदें पठानोसुगले श्रीरराजप्रतों ने घोड़े उडाये ईरानी ब्ह्र्रगयेमगरजबङ्धर सेगोलेबी रबानचलनेलगेतो उन्होंने ३तर फ़ से इद्याकरके हिन्दुस्तानियों के जपरहमलाकिया गौर कईबार्श्र पनेसामने की फ़्रीजकोहटा दिया मगरस्तमस्रोक्तलीवर्गामीर बहादुरराजों ने मस्तहाथियों की अ गेररवकर गोर अपनी सवारीकी हाथियों के पावों में जंजीरें डाज़कर

لدمهى شاوجهال باوشار *शास्त्रहावादशाहमे*:७°६ सब्दोगों के दिला सादिया श्रीरंश पनाकदमनी ग्रागेबढाया भीरजी नोगजिरहबकतरपहिनहवं छेनेदर मनो केदरमयानी लशकर सेजा जहांकनामी सरदारन्त्रीरंबहत गैरमशहरजादमीमारंगयन्त्रीरञ्ज कसरजरवमी जी हवे जारिवरक जल बाशो के पावडरबडगये श्रीरवेसाम नेसेनागतही नजरत्रायेवादशाही स्त्रमीरछनके वहतसे घोडे श्रीरक्डर पासकी उन्नाये । सेरुप्ने मुतारवरीनमें लिखाँहै कि शास्त्रज्ञासक पारफतस्करक सफ्रहासेन्द्री गयाहिएतमें उहरारहानबहिन्दसानकी फीनके पहेंचे की खंबर उसकी पहुंची लोजसने छापने सरदारों की प्राह जोद जीरंग जे सुका विजिपर नेता यामके बक्त खराताई यो ओरक जलबारों की र ठनें इहुई गतहाजाने से दोनों जाशकर प्राप्ते र उरों के हों ह गयस व तिश्रीशनिब्द्यन्तानकारावनाकरचलदिया सियावशासीनी बदरतक पीका किया ईरानी ऋमीर सरदरी किलोको मजबतंबरर शाहेकपासच जेगये और शाहमशहर में जियारत कर के जस फ विद्याद्रधरनादशाहनइसी नरासी खिटमती औरगनेवका मन व १ ५ हजारी १२'' सनायरी ग्रासे ग्रीपिसहज्जस्मेका ग्रीरसादरनारण ० हजारी ७ • • अवार उच्चस्या जोतिसहन्त्रस्य काळी। न्यूली न्यूरी रवोका पहुजारी पं : सर्वारदु जस्या और सिर् अस्पाको कर टिया है कीरामंत्रग्ना रिवताब बरव शा भीरफार**ा**

روسی شاه جیان مارشام शहज्जहांबादर्शहर्स ७०६ दरवारकाहाल-दसरे असादकी सुदि १॰ की कंधार केञ्जरववारसमान्त्महुञ्जाकिवहा दुरखोपवानमरगयाचादशगहनेउ सके इवेटोमें से बड़े दिलावर को इ आरी जातका मनसब दिया **और**ब कियोंकीचीपरवरिशकी-नादें।सदि भोवादशाहकावृत हेन्द्रस्तानकोरवाने हवे श्रोरशाह ज़ढ़ॆढ़य़ॎऻऻशकोहकोन्ऄऻरंगज़ेव केप्हुंचनेतफका खुलमें रहने का इका देग ये-नादें।सुद्भिको बाद्रग्राही सहक रके ईरानियों पर्फतह्यानेकी ख् रप्ढ़ंची बादशाहने रुवुशहोकर शा हजादेन्स्रोरंगज़ेबन्स्रोरत्रकसरध्य मीरोंको जिन्होंने उसलडाई में स्त्र **च्डाकामदियाया र्जाफ़ेजीर्**ज्ञा नसे**सर्**बलंद्किया-यन्तरिवजनजुबावमें निरवाँहेकि जजपहिलीफ़तह्कीख़बरवादशाह भेयासप**हुंचीतोजन्होंने**क्तिरकाह्य दीवगईरानकेवकीलक्षेक्टलायांक दंदेशाहञ्ज्ञास ३॰ वरसत्तरहम्देसाय

(ه)^{نا} بجبان إرثنا وكشفنا ومصانه शार् जहांचादशाह सं-१७०६ 40 माह्सतरावतेषे उनके पीछे जी । अध्यान के नहें हैं। मेद्हम् **उनके खानदानसे रखते** ध रस साल उसके ख़िलाफ़ जहूरेमें ظهور من أيا لسكا دويني शाया अवहमनी जो हम सेहोस केगाकमी नहीं करेंगे जीव १००० इनायतकाको उसको युर्जन्यरार के साथ शाहजादे श्रीरंगक्वके पा सरवाने किया ऋोर शगह ज़ाहेको निरगिक बहुनी इसीत्ररह युर्नेबर की साधकरके शाहके पांसपहुंचादेवे-लशक्रपश्चो ज्ञा मिर्नत्यो रतकलीफकंधारके घेरेमें गुजरती षी श्रीरिनससे कु खमत जबनई निकलतायां उसकी लगातार रक वार्शाहने सुनकर जान लिया कि धेराजियादा दिनोतकर हेने फ्रे न के नवाह होने के सिवाय और क छकामनहीं निकलेगां स्तालिये शाहजादे को लिखा कि अब लहतः सवक्तयहीहे कि कँधारक फतर्करना*द्सरेसालपरमोक्*फ रखकर किले के नीचेंसे उंड गाणी **्रोरशाहज़ोंददग्राश्चिकोईसेफर**म या भिन्त्रीरगज़ैनके ग़ज़नी पहुँचने कोंगिक आनेतक तुम कावल में

(۱۵)ساوجبان با دساوت باستات शाहज्ञहाबाटवाह सं १३ - ६ त्ता श्रीर श्रापनादों सदी में हि में کا بل ست کا بور کوردا نہوسے नुस्तानकीतर्फर्यानेडुवे मगर्-جون ي منزل اول من بيوسخ पहिलीमंज़िलमेंबादशाहीलशकर فنزىها منون كے بادمشا بى نشكر सेकजलवा शें। के राकिसारवाकर سے مغلوب ہوکر بھاگ جا سے नाग जानेकी खबरष्ट्राई इससे बाद-शाहको ब्हत्त्वुशीहई क्यें कि उन ما د مشاه مومیت خومشی को बत्त फिकर थी इस खुश ख़री موئ كيونكه اونكوميت تشويق के पृष्ट चतेही ३ दिनतक रगदियाना تنمى اورمتن روز تكب مثادمانه वजानेकाडुकादियासादुखार्वाः रसतमरतं श्रीर्क्तलीचरताँची। رستم خان اورتبلج خان وغيره تمام रातमामञ्जमीरों के मनसबमें इजा بردن شيمنصب من اضافدكها -काकसाया-قنداركاحال कंधारकाहाल-شاہزا د داد رنگ زیب بادشاہ शाहजादा औरंग जेवबाद शाहका हुकामहुवनेपर ४ महीनेवाद कंछा १००७ मुं कं न्र हें स् قذبا رك كه دومين بزاراً وفي اور रघरने के जबकि २तीन हज़ार्जा مارياخ سزارجا نودتلف بوجك दमी ग्रीर ४-५ हजार जानवर तस फ हो चुकेचे किलेके नीचेसे उठ:-तर्बादशाहकी रिवदमतमे रवाने रुत्री لى فدمت يمن ر دانوبوا-درماركاحال द्रबारकाहाल-आसोजबदिशकोबादशाहीय به م رمعنسان مویا دم بهيشو رببونميسكرباغ كلعنب शोरमें पहुंचकर बाग जफ़रमें वहरे औरवहां सेचलकर आमानबि ٢ أوحن والكراغ من شرك १२को हसन अबरालमें औरकाति कवदि ५को लाहोरं म पृष्टे साहु ला وشوال كالبورين واظر بوس

دور فاهجمان مادشا शाहजहांबादशाहसं १७०६ खंत्रीषदिनमेंकाबुलसेश्राया-कतिकसुद=कोशाहजादादारा शिकोहञ्<u>र</u>पनेबेटेस्लेमानशिकोह समेतहाजिरस्राया-गगसरसुदिश्कोन्त्रीरंगजेबन्नप नेबेटेमोहम्मद्भुलतान्ऋोरतमा पतइनातियों के साथ कुंधारकी में हेमसे हा जिरश्राद्या रूस्तर्वाने जा ईतोपें और निशान कर्जलबाओं ते छी नेथे वेबादशाहके नजर कि *धेबादशाहनेउसकोवहतशा*वा शीदी और अकसर अमीरों को गाफ़े इनामश्रीरिवतावबरवशे-शाहनिहानाबादकास्वेदार् म क्रमतर्शं जिसने ऋपनी उमरवही की र मारताके तमामकरने मेर् रचकी थी मरगया नांद्रशाहने उ सकी जगहजाफ़रख़ाको हजारस वारदुःत्रसाके इनाफेसेम्बक्रिकेया यज्तानका स्वातोपहिलेसे भीरगज़ेब केपासंधाओरअंब हे^नताराद्यात्री।सन्कार (वानप्रोतीने छसको इनायतहर्वे प्रंगसरस्रिद्शिको बादशाहर

(موده)شاه جهان إدشار الشويداع 43 शाहनहीवादशाहर्स-१७-६ شاه جبان آيا و लाहारसे शाहजहानाबादकी तर फ़ क्चिकिया ग्रलीमरहा नख़को नो पेर्ड क्षेप्रे काञ्चलसेहानिरन्त्रायाणाकशमी ५,८० रकी नी स्वेदारी मिली और हकाहें म्राकिखुदतोकाबुलमें जावें श्रीरुत्र बद्दानगनीको नायबक्तके कश मीरमेजनदेवे-२४वाब्रस पोससुदिश्संवंत १० १६से= पोस्सुदि २ संवत् १०७तक पोससुदि १२की बादशगह शाहज हानाबादके क़िलेमें दाखिल्हु है उसीदिनशाहजादा मुरादव्खश शिदक्रवनसे त्राया वयें कि वहां की उसको नहीं स शानहवा آ لَى مِنى اور و لإن धीयी श्रीरस्वका बंदो बस्त जी अञ्छीतरहनहीं जमाया-बादशाहने शाहजादासुरादके 🏰 मनसब में २६जारीजातका इज़ फाकरकेउसकामनसव**१**२इजा रीजातन्त्रीर १००० सवारदुन्त्रस्या जिल्ली **और सिह**न्प्रस्पाकाकर दियाग्रीर मार्**से**दिशकोकानुजकीस्नेद रीजसकीदी-الزاده داراشكوه جد भारमादा दाराशिको हजी-

(۱۹۷) تماه دبیان با دنتاه زنشنهٔ و مصلاع ۱۹۴ शहनहोबादशाह से १७०० नाह मुद् ११को लाहोरसेरवानेहुन्न था अपने बेटों समेत हन्सि पहुंचा सादुल्लार्वावनीर जिसका मन् अवन्य हान्या मार् सवउसकी लयाकृतन्त्रीर वाद्शाह्ये कुर्न् वर्षे वर्षे कीमहरवानीसेहरसालबयाकरता ने विकास بزارى سات ببزارسوا ركمنص या ७ हजारीजात जीर ७०० सवा रोंके मनसबकापहुंचा निसमें- ग्रंथिता है २०००सनार्डअस्यात्रीरिसहन्त्र स्माधे ज्रीर १९ किरोड्ट्म वरसाव १००१०० विकास रसी स्नामके उसके वास्ते मुकर्स प्राप्त हो है। हुवे त्रासिक्र्यां के पीछे कोई त्रुमी अर्थें गण रश्सदरजेको नहीं पहुंचायाश्री है की कि है के कि रनः इतना इनाम सिवाय बादशा हनादें। के और किसी की मिलताया-चेतविद २को निरोर्न यानी पहि

ला दिन नयसालको सोत्पद्यसे ग्रंगिय हो। देव था और शाहनहानाबाद में यह कि विकेश की की पहिलाही नोरोज्या स्मालये ब हत्रभूमधामसे कियागया जिस मं वादंशाहने १०० बडे रमनसब

हारों को रिवल अतवस्वरों जीर जड्तेक मनसविभेनी हजाफाहु आजीर वानों की रिवतावनी निसे स्तित्वाक्षाक्ष निमामनते जो हिन्दी हैं। प्राहरेगानक गवर्याम से था। प्राहरेगानक गवर्याम से था।

دههي شاهعيان بادشا برستنه وبنصينا بوبو ए।इज्रहेंनिद्गाहक्षेथक हानिरहोक्*र नप्रयंने बनाये हुचे*गीत ने।बाद शाहके नामपर बनाये थे स नाये बादशारने उसको खिलञ्जत إ اوران شركا गार प्पे देकर त्रपनी सरकारमें नोकररखिलया-स्मीदिन बाद्शाहने मेबा तिये के सज़ादेनेके वास्त्रे जिन्हें निजा गरेग्रीरदिल्लीके बीचमें के गांवें। कोल्द्रकरऊज्डकरदियापा-राजाजयसिंघकेदसरेबेटेकीर सिंघको सुकर्राक्रक,कामापहा दीका परगना बतन बनाने के व रते उसकी जागी रमें इनायत किर्य इसीदिन सादुद्धार्यावजीर के पेशकार कंघनाथ की लयाक रियमारी पसंदकरके रियंका रिस्तावतन दिवानीका ताम ग्रीर सोनेका कलमदान हनायतिक या-**एह्स्पतवारकी येश कश्रीसं** जतकताहरसंग के इनाममें स करेरहुई-नेवसुद्कार्भ्यावस्तवाद्रका केनत्स्रीसनकायुक्द्र्यः बीद शाहने रखानाका सिम

याहजहांबादपाहर्स-५०-० खतञ्जोर १त्नाखरूपयेकेजवाहर देकर नजरमोहम्मदर्शके पास नेना ग्रीर १***५ खानके स्रोटवेटे **त्रवद्धरहमानसद्धतानकेवा** स्तेन्त्री नेजे-व्यसादसुदि ४को नजरमीहम्। दरवाकावकीर्जमनकरवेंस्वतरने करञ्जाया जिसमें मदद मिलनेके वास्तेलिखाया-. सावनसुद्धिकोमीरसाजहरुवु शनवीसमरगयाबादशाहनेउस् क्रीजगहकितावखांनेकीदरागाई **सैयद्जलाजके बेटेसयद** ऋली بو کی . षो*इनायतक*ी-नादें।बदि३<u>कोबादशगहनेफ</u>रा सारवं। नाजिरको मक्केजनिकी रूस् सतदेकरहुकादियाकि १५ वहांके कंगाचों के वास्ते ऋहमद बादकेखनांनेसे लेतानावं-कीरतसिंधने नार्पाचहनार संवारत्रीरछःसातहजारबंद्कः ती न्त्रीरतीरं दाजनीकररखकर मनातियोंको मारा श्रीस्त्रनकेश्री रतबचोंकेंक्ट्रिक्तक बाकियां की از و کے سع*نافات می*ن निकातान्त्रीम्त्रूपनेन्नाद् व्ययोक्

دي*دي شاه جهان* باون^ن शाहजहांबाद रगहसं: ५०७ वहांबसादियानिससेदिह्वीग्रीर भाग्रेकीतलहटीमें भ्रमनचेनहोग या श्रोरबादशाहने खुशहोकर उस केमनसवमें र••• सवारों का इजाफा फ़रमाया-**ग्रबबादशाहकी उमर ६॰ वरस** की हो गई थी इस लिये माल वियोग फतवादियाकिजोबादशाहत्रहापे की कमजोरीसेरोजानः रखसकेंती E••• ५ हरेक रमज़ानके महीन तीरांकोदेतरहेंबादशाहने साव्नियाना तापहिले सेही सकरर यात्रीरः •• १ही इनरो नो के इनरे वायश्वित)में जोच्लच्कसेयाजान वूभकरनहींरक्वेगये**चेगरीबे**न्त्री रमोहताजों को इनायतफरमाया **अक्रवरांवादीमहत्तनेजी कि**वे शाहनहानाबादसेश्वाकोसंकेफी सिलेपसागयबावली के पासलाई रत्रीरकशमीरकेफेनंबखशञ्जी **फरहवरवश**नागोंके सनिद्ञीरबाग् र लाख्रमयेर् लागतसे धनरस ने तैयार करा या घा वादशाह उस बेगमकी

تناه حبيان بإدشاه مشنئه रणहजहां नादशाहेस १००० ग्रार्नसंजसमस्तिद्रमेनमाज्ञ पढनकारायेवेगमने १८ रहानसी भ्रीप्रज्ञवाहरातकेजडाक जैव रोक्टे नज़रभ्रो।रिनल्लावर्कीतीर गरपेश किये। **स्रितजार्शाञ्चटाहो गया**था जिससे उसका मनसंबद्दरहो क र लाखदामसालाना की पैन निसंक्रिस्होगई-मगस्सुद्रिश्कोमुङ्गाराफी आययनदीने स्रतसेहानिर् ग्राकर् वादरगह्से सलामकिया बादशाहनेहनारीनातन्त्रीरश्॰ सवार का मनसब सकरर करके ना कर रखिया क्रमके सुलतान महमद्रशके नाद शाहर रद्याजा रे।शन्यजे वरदार खिसभातके ने जा भीर

روه) نادجهان إدشاه النناد ين عنه शास्त्रेतहायादशाहसे १७०८ २५वाव्यस पासमुदि २से १००० से पोससुदि३सं-१७-प्तक फागए।बदि ५ को शाइजादान्रे रंगजेंबञ्जपने बेटो समेतशुलत नसेहा ज़िरञ्जाया वादशाह नेवुलायाया-फागरासुर ३को बादशाहक शमीर को खानेह्वे और शह ज़ादे श्रीरंगजेवंको मुलतान لمنان مائے کی رفعت کی नानेकीसीखदी ज़फरसोकीपटनेजानेकी भौरत्वली चुढाहर्ताको शाह नानाबादकीस्वेदारीमिली सिर्द्राजफ्रजंगपटने से ब दलागया-

चेतसुदि १ को बादशाहला रि होरपहुंचकर नाग फेजबुखरा में वस्रे भ्योर्ड्स ون کی غیرا کم مُناشنيها شەكود-

ارد) شارحهان إو نشاه المنظام ا शाहजहांचा द्रशाहसं-१३, प तारीफ़ सुनकर कुछ महीने पहिले ५०० रवरचके नेजकर ग्रयनेपास बुलाजियाथा श्रीरहोने। बक्तमु जरा करने के वास्ते हाज़िरहोने افرون كاحكريباتها काह्कादेदियाथा-بهربع الثافي توادشاه चेत्सुदि५को बादशाहजाहोत् के किले में दारिवल हुवे-حدلامورمين احل موام वंगाजेकेञ्चख्वारसमाजूम हुत्राक्तिह्रगलीकाकिलाशाहज देशुजाञ्जेकेनोकरजानवंग ने नीस् वेजडीसेकाकाम्करता *षावहां के ज़मीदारों से लेक्त् बाद* शाहीसलतनतमें शामिलकिया-अबदुलरहमानका बरन्यसं अग्रानाः श्रबदुलरहमानजी बज्रव कीरवाने हुन्त्राया जबन्त्रपने बाप अर्थे हुन्। नज़रमाहमादखांके पासपहुंच ती नन्रमोहम्मदर्बा ने अपने *जादमी* साथकरके **उ**सके। गो रबंदकी हक्षमत पर्नेजाद्स रेनाईसुवहानकुलीरगृनिवापके पास्पीजकमरहजानेकी ख़बर प्तक्त बल्ख पर हमस्माक रहे كواس تدروايا के स्मुकटर तगकियांकि

प्राह महोबादशाह स्त्र- 🐯 🛰 उसने ऋबदुलरहमान्कीरस्ते सेपीछाञ्जलायामगरसुबहा नक्षती खां के कलमां कवी चमें सेदीउसको पकड़ लेग ये सब्हानक्रजी खोने त्राब **दुजरहमानको केंद्रकरिया** मगरवह पहरेवां सो मिला वटसे निकलकर्चादशाह केपासनागन्त्राया वाद्शाह नेउसको ४ इजारी जातपः स वार्कामनसब्जीर्यः पयहाची छोडा जीतक छन-ड्राऊ नेवर इनायतिकयाश्रीर हिर्म उसके साथियों को जी उसके कह ने के मांफिक तजवीज त-न्याहकी करकेनी करस्वित्या او می ندی ف دره كيا जेवसुदि १ को बादशाहने ता होरसे कशमीर की तरफ़क्क्स ५---रके रावी नदी के पास डेराकिया र जन्म श्रीर शाहज़ादे श्रीरंग ज़े**व को**म्। लंबे की संबदारी परजानेका एं । द्रकालिखा-इससालमें नाज़की महें गाई श्रोर मेह केन ही बरस ने से लो गोको बहुततकली फ़होरही

ر) مارجان بادش*ا و البنار و هسار* EZ शाहजरांबारशाहं सं-१७•४ चीमगर्जिसदिन कि बादशाह ने-مشروع بوااوراشقة क्चकिया मेर्बर्सना गुरुहुत्र بر*ساکه* ما وست *مر*رما ग्रीरशतनाबरसाकि बादशाहकी برالك سفتة تك تهرنا يرا रस्तेमे ९६फतेतक उहरनापडा ت زیادمشن پینے रस मेहसे रेयतका ची उकसान فاياكا بمي نقنسان بيواكداول हुम्माकियहिलेती वीनेकामीका وكالشيتكارس كاموقع نملا नहीं मिला और फुळबोयानी पा وونوباه دباني من مهدكما तोवहपानीमें बहुगया इसवास्त नमाबंदी के बक्त खाल से के पर لناشفا لصدى رهايا فريادي गनोंसी रैयत उक्तां स्त्राईबादश الى إومشاه شفيسعى العدخان ह्नेसादु ह्याखानजी नकी हुका وحكروما كرخود حندرو زمموجهم दिया कि कई दिनतक भानज गाकर्रेयतकी शिकायत्रवद्तुं فادل فان श्रादिलखंकी पेशकश् इल्लाम खाका बेटा माद्र अद الملام فالن كابشا محصقي عادلخاد सफी ऋदिलखोकेपास से मीक ले संनोक्तीबाकीपेशकशंला नेकेवासे जेजागया था सेनी वे सिखमाफ़िकलेफरहाज़िस्हुन्ना १ वरिशाहकेवास्तेपेशकशः न क़दल्त्रोनजिन्सजिसमें ४०हाणी ओरनडा**क**चीने ४ लासस्य للأحهان بإ دمشاه مبكم

एदनराबादशाहरू ७०० जिनस पंसास्वरूपयेकी-३ शाहजादेदारा शिकोहकीवास्ती १ अंधिक पेशकशमकद् श्रीरिननस्थ हुँ विकास يندره لاكحه رومير साखरुपयेकी-इसके मिवायन्त्रादिल्खाने डेट अरवरुपयारोक्ड जोर्जनबहरा ट्र तमोदमादसफीको ग्रीर इलाख रुपर्येनैकद्श्रीरमालशाइजादा दाराशिकोहं के नोकर सैयदबाक़ باقركو دياتهاوه بعي بادشاه रकोदियाणावह सी बाद शगहर्न नज़रसेगुजरा-وربار كاحال दरवारकाहाल-जेबसदिर को २५वेंबररा के नी रोजमें १मश्ह्रकविनेजी बाद शाहकामुसाहिदयीषा १कविते ७४ बाद्शाह्कीतारीफ़मेंकहकरसु नायानिसके इनाममें वाद्णा हने उसको ९६थनी और२••७कपे इनायतिकये-शाहजादेदाराशिकोहकोवेरे समेतला होस्जानेकाहुकाहुन्नाः न्प्रसाढबदि १॰कोबादशगहक श्मीरमेंपहुँचेरस्तमें बर्फ़्सेब इततकलॉफ़्हुईमगरकश्रम (में वडी बहार धी बादशाहरातें

(۱۷) ناه جان إد شاه الناد الوصطليم عاج शाहमहाबादशाहसं ७-० बेगमोसमेतनावों में बैठकर्रातें। होतलावडलकी सेरकियाकरते थेयेनावेरंगरके जरीके परदेखी रलाजवर्दकेकामकी चोबैंासेस-जीहर्इथीं श्रीरकप्रसोनेकेजड़ा ऊकलसलगेहुवेथे इसीतरह वागोंमें जाकर वहां की बहार दे रवते थे श्रीरभोत्नी जर २ करहम यामहाहिंग्ग्रीरवागवानों केदि याकरतेथ एकदिन ऋली मरदानखाँ की ऋरजसे उसके बाग श्रीरम हलके देखनेको पधारे ऋलीम रदानखोने जो पेशकशनज़ररे यजरानी उसमें से १२ ल कृष्ल फरमायागया ९दिन मुह्वा रगह बदरवशी बाद शाहसैमिलने सुरे मंबिगमञ्जतक म जोबेगमन् ४••• वादियाचा ऋीर २ मकानात फकीरों के बास्ते उस केपासतीयार करायेथे न्त्रसाढसुदि १को आरमस्य مأرى بالثاني

(٧٥) شابهان إرضا والشناء والمصادع الم शाहजहां वादशाहक्षे १७०८ तिब्तीकी ऋससेमाव्यमहुन्स कि मिरज्ञायतिबतीचीनोहज्रूऐ। सेंनागकर तिब्तकामा लिक**न**न् बैठाषान्त्रबवाद्शाह्के रक्तबाल् एणेंग्री गिर्गा ग्री से जागगयाहै बादशाहने स्नाद म ख़ाका मनसव असल और है। जिल इज़ाफ़ेसे हज़ारीज़ात जीर प्रविष्य । देश سے تبت کا طک جوا सवारका करके तिव्रत का मुख्य 🗸 नीनो द लारवदाम (रानारवरा प्रेम्प्या में ४ में १) ये)काषावतनकतीरपरउसकी एउंटर्म के ज्रीर्*जसकेन्त्रद्योकीजागीरमेंदेदिय*ि इससाल्में पहिलेतो पानी न में द्वारी ही बरसा जीरफिरबरसातो जि यादाबर्सा जिससे कश्मी रके अकुसरमकातीं जीरबागोंकी है रगेनाजातीरही थी इस जियेवा उँ एग्रेंग्रेंग्रे व्याहयहां की सेरसे पहिलेके मा जिल्ली के के अर्थ हैं हैं। फ़िक् ख़रानहीं हु वे जीरफ़रमा या किं लाहोर और आगरे के जैसे की मती मका नै। ज़ीरवा गांकी छो। डकरभ्रपनेदिजकी खुशीकेवास्त्रे^{टि।} रतनी दूरग्राना कि जिसमें खुदा की खलकतको बहुततकली फ़ पुरंचतीहै खुदासेनहीं उदनकी वात ⁷ **श्चीर-महीनेरहनेकेपी** छेशाहबाद नि

دود) شاه جهان إدشاه शाहजराबादशाहको छ र्ध केरसेसेसशकरकासीधरस्तरवा करके कहा किन्त्रबमें इसतरफ़फ़िर रीं त्राकंगा भीरसादुलाखां बज़ीरकी हुकादियाकि*सन्*कामोका*न्दीन्* स्तक्ररकेजलदी लाहोरमें ऋजाने ज्यासिफानादमें दरयासे उत्रति ए वक्त आदिमयों की जियादा जी डहाजाने से पुलजो पुरानाहोग षाट्टगया २५० आदमी श्रोरं व ४ ७ तसेजानेवरमालञ्जसवाबसमित नौडनपर जदाहु श्राधादरयामें गिरपंड मासोनवदि ५ की वादशाह कीसवारी जंबरगे पहुंची द्सरे दि नक्चके वक्तशाइजादे दाराष्ट्री हो हने अपने वेटी समेत लाहार में त्रांकर सुनरा किया श्रीरनज़र मोहम्मद्रां के वेटे अबदुजरूह मान और खुसरो नी पेश्वाईमें हाजिर्ह् जबबादशाह लाहोरके पास पहुँचेतासादुखार्गावजीरनीक रामीरसैत्राकरहाजिरहागया-वाद्रशाहने जाहार रहेंच्कर रसतमर्वा स्थार राजीय समीरी क्रोजो हानिरग्रीरगर अनिरय ميرن ولاجون

शाहनहांबादशाहसं-१७-८ द्कानेजा कि कंधारकी मोहिमके वास्ते सामान ओरतोपर्वानेसमे तहानिरहोजावें श्रोरशाहज़ोद्यु राद्वर्वशक्वुलानेकेवास्तेत्रप नेहाथसे,फरमानलिखा-मुज्ञानक्षमके एकचीमोही *उद्दीननेलाहोर्मे पहुँचकरञ्जूष* मालिकका खतपेश कियां जिसके साय २घोडे जडाऊ जीनके ग्रीर पोशाक मोतियों की चीची छीर। घोडे,ऋपनीतरफसेनज़रकिये बादशाहन उसकी १५०० भी हारिव लग्नतन्त्रीरतज्ञवारन्त्रीरएक कि लंगीइनायतकी~ बलखसे नज्ञरमोहम्मद्र्यांबे मरनेकी खबर पहुंची यह हजकर नेको जाताचा ग्रसादसुदि १को शिगनानक क्रीवपहुंचकरमर्ग याचादरगहने खुसरो बहरामञ्जा **अ्ब्डुलरहमान्जसकेवेटांको** मातमीके ख़िलञ्जतदिये . क्रेसरक्रमके*र्वत*काजवाबस दुः ह्वार्वावकीरने ऋरबीमें लिख *जीरवादशाहने* उसके साथ्रदा रक्षप्रयेकी जागतकी रक्षिजगित्रीर

(۴) تام ان ارتاه النايرو पाह्नहानाद्याह्सं ६० छ जिड़ाकतलवार्यस्तलेसमेत के राष्ट्री सरकेवास्ते नेजी मा ही उद्दिनको र्१२२ गेंद्र १०४५ हैं। एए अपये श्रीत घोरासुनहरी सा मानकादेकरबिदाकिया जीतहा थाएगा शहर नी अहमदसईदमीर अदलको जिल्ला है। त्रपनीतर्**फ सेउसके साथकै**स 🖐 रकेपासनेना १२०० खसकानी रिजि दिये जीर १००० र पयेन कद्त्रीर मूर्ग्या दी में विटिया 'अकामाल उसके साध्यके श्रीरमदीनेके ग्रुविकिंगस्तनी नेनार्न मीरन्प्रदरनकी जगहश्रीर्वञ्जव रेथ्यं अर्थे दुलसमदको ऋदासतकी खिद मतर्गायत्हर्-केंसरकेवकीलकोन्प्रानेकेहि*णे५र्ग्री*णं(४०) नसे बिदाहोने तक इ००० कीते में हैं । हैं हैं हैं हैं बर ग्रीरजिनसमिली थी-पोसबदि १५ को नगरज्ञ हुई कि राजा विद्वलदासगोङ्ग्रपने व तनमें भरगयाबादशाहने बहुत-**अपूरीमिक्याउसके बेडे**बॅटेझ निरुष्कोडेद्रनारीनातथीर २००१मवारको स्नाफीसे शहना रीज़ातन्त्रीरशः सबार्कामन सब्देकर्राग्यद्वी जोगर्रण यनोरकी किलेबारी इनायतफरमाई

(49) شابجهان إدشام للشا शाहनहा बादशाहसं ५०४ ऋजुन श्रीरनीमके रणफेहवेशी रविद्वान्यम् केवडेलाईकामा मकी-बेटेशिवरामञ्जेम्छोटेचाईगिरधव वगेराके**मनस्वमेनी**इज्ञाकादुशान राजाविहलदास (श्लास्त्रेरूपया रोक्ड प्रतास्त्ररूपयेके जवाहरहाषी **ज्रीरदूसरामाल छोड्मरा**था बहस्रव बादशाहने उसके ने टेरंकी बस्तु यादिया सादुह्मास्त्राने ऋपने खशक्तकामी हत्त्वावादशाहकेनन्**रक्तायायानी** । फोज़कीहाज़**रीदी जिसमें ४… स**्रिश सवार१॰••चरकुंदान् ५॰•बेरनदाः श्रीरतवरदार गिनेगये श्रीर उसके वे देंालुत**फ़ु**र्बाह्ग्रीर्**रनाय**लुह्नाद्सी चीनज्ञरहर्रे मापहिलीद्फ्रेसजान कीहा ज़िर्हु विषयादशाहने सादु छो र्वाकोब*हृतशाबासीदी* श्रे**उ**सके वेटल्तफुझाहकोंमोतियोंकीमाना वरव्शी ग्रीरह्नायतुर्ह्योक्षीनम्पेवदियाः वरसर्धवां पोससुदिइसंबत*्*० दसे पोससुदि**२संनत** १०-५ तक सर्दर्शजफ़रजंगकाञ्चलंभेम रगयानो॰ह्नारीज़ातश्री५५ स*वार*क्षेत्रश्च**कामनग्र**बदारया

درى ثاه جهان باد شاه शाहजहाबादशाहसः १७.४ महाबतखांकेवेटे जो स्रास्यके महानतरनाकाखितान ५६जारीजा तपह्नार्सवारका मनसब्ग्रीरका ل صور ارمی سر مبهار ञ्चलकास्त्वाइनायत्हुञ्जा-निजाबतरवा भागरेक खनाने से वम् ज़िब्हुकाबादशाहक १५ रोड्रुपयालाहोरमेलाया– फागए।बदि५को जनमपत्रीकेहि साबसे ह्रवाबरम् शुक्तऋहुआ सदिनकेतुलादानकी सन्गमें बाद्र 💯 शाहनेबडे.रत्रमीरोंसे जेकरह्योंहे मनसब्दारीतक कि जिनकीव दशाहपहिचानतेथेसबकेमनसव वदायः और १०० विकासत्यर्ज बरदारी वंगेरा की मिले-पत्युए।सुदिश कोबाद्शाहने सोनेकेमीनाकार्जङ्कतख्तप् रजीर्धमहीनेमें ५ अखरवरपंये केख र्चनेतेयारहुजाषानव्त्सकियात्री *र्शाहज़ादेजीशंगजेबकोजिख*कि चेतवदि २कोक्खुल्जानेकामह्र तहेतुमनी उमीदिन युजतानसे हैं कुंधारकारवाने होजानाजीयनव फागुरासुदि १४ को उसके र**ना**ने होना بالنح لأكهدر ونبدلقا क्रिसी खबर जाईती ५

JR 4. 1901 وا2) شاه جيان! دشا ۾ منت زام शाहनहां बादशाहमं १७-४ नकद्ग्रेएपः कानेवरश्नारीरिक्स अतब्दियाकीमतकीकिलंगी खोडे रहाष्ट्री सोनेचांदी के साज़ों से उसके पासचेनेकुलीचर्वाञ्जीरराजापही इसिंघवग्रेग्रभः अभीर २ • • • सवारे सेउसके पास तर्इनात किये**इन**२॰ अमीरों में से हरेक लड़ाई के मेदि^{म्}रूपे नका शेर कहत्त्वाताष्ट्रा बहुतसा रवज्ञाना और किलेफतहकरने कासामान ची शाहजादेकेपास नेजकर जिरवाकि कंधार पहुंचक दूसरेबैसाख़कीसुदि५कोइतवार केदिन जो दर बार के ज्योतिषियों कामुकारेरे कियाहुन्त्रामहूर्तहै वि लेकोधरलेवें-चेतवदिश्कोबादशगहर्वद्नीः तर्वतरवापरवैष्करकाञ्चलकोरवा नेह्वे उसीदिनसांदु ह्याखावजीर कोची ५••• सवार्४-• प्याद्-वरकदाज श्रीरबहुतसे वेजदारीस मेतक्धारकी तरफ रुखसतकि या उसके साथ २° तोपे बडी २°म भोजी २॰ हथनाल १॰ मस्तजंगी हाथी (* अतरनाल र किरोड़ रू प्रये नकद् श्रीरमहृतसासामानं 🖓

था हमझंबादशहर्म**्**०र्थ किलाफ़तहकरनेकाची नेजाई रउसी मह्रतपर्उसकेन्द्री क्रिलेकं थारपरघेरादेनेहीताकीदकरहेस रंगलगानेदमदमाचनाने श्रीरंभीत वेबदानेप्रशिशकी हिस्यतकी राजा जबसिंछकासम्स्रोकस्तमस्त्राश **।सान्तराज्ञाराजन्दपञ्जीरमहाव**त रगंकोराचंडेचंडे ऋगीर नी उसके माथक स्वसत्ह्वे इसमोहिममेंसर्वामेः यतरेनातहबैजिनकेसाधह मीर्न्मीरवाकी मनसब्दार्घ कि*जिनकोषादशग*हपहिचानते **रुस्तमखंबग़ेरातमामञ्जमी** ऐकीहाथी घोडे बिक्स स्रतस्त्री जवाहरात मिले श्रीप्रवन्ती सबोमेनीश्जाफ़ाष्ट्रजा९क्रोड रूपयापेश्रागीतनखाहेंभेंदिया वालीको काबलमेरहर्न रमाजीरजनकीयहनीहुकाथा किपहिलेक्स बीप्ज़मीनदावरकी किलोको **फतहकरनेकी की**शिश केरे जिससे कंधारके किले वालेडर नार्वे

والماشانجان إدنيا والماسير والماء राह्जहाबादशाहरें। न्त्रोरंग्जबकामनसव्यसत्नः हर्गहरू श्रीर्द्र नाफिसे १ हनारी जात श्रीर् दिणी देश हैं जाती १५००सवारीकाहोगया-महिलेबेसारवकीस्विद्धिकाबाद्या र्रिश्रीहर्णा ١٨ حادالاول وإدشاكال من وتو हकानुलमप्दुंचे-द्सरवेसाख्वकीवदिषकोष्ट्राह्ना ध्रह्मार्भेर्पणादिन दाख्रजास्त्रनीबेगालेसिस्त्रागचा - १ विकिश्वीया ब्राद्शाह्ने उसका मनसंबनी होरंग र्र्या हैंगे विकास जैवके बरावरकरिया ग्रीर २०० घोरी के किए के *डे*नी घनायत्रोकेये — दूसरवेसाखकीसुदिइको रहवा । एक राजिएकार् जल्मीबरसरास्त्रहुआजिसकीत्व धार्मिन टिप्ने शीमें अकसरनामी अमीरों के मन सबबदे श्रीर्उनको इनामनी मिले - दे हैं जिल्ला मिले जेहबदिशको ३६००० की पेश विकास के प्राप्त है। करारमहज्ञदेशुज्ञान्त्रकीबादशाह् विश्वविद्यान्त्रकीबादशाह् सीनज़रसेयुज़री जिसमें बंगालेकी ^{अध्या}र्रेड हैं। तुहफाचीजेंची-नज्रमाह्माद्रवांके बेटे अव्यक्तिमार्थिय युलरहमानकादगंबादशाहकः ८५ वर्षः अर्थः प्संदन त्राया इसतिये उसकी व गालेमेतर्नातिकया-कधारकीमोहिम-श्रीरंगज्ञ**ब्**श्रीरसादुत्तारवाने

۱۹۲۱ شا بجان بارشاه الم<u>ن المصلة</u> शाहजहोबादशाहसै-१७५५ सुदि पक्तो किलेको घेराजी रलशक र्रिंग है। जहांगोलानहीं पृह्ंचता घासुरंगें श्रीरमारचांकावंदीबस्तकरतेल विश्वपिकार् गा सबसे ज़ियादा सां दुव्चारवाव नीरनेश्रीपराजधुतोने इसकाम मेंकोशिशकी किलेदार किलेमें कईदिनोतक चपवैठारहा कि सीको अंद्रसे किसी आदमीकी एटिए ये दिना गिर्ण ग्राहर**न्त्री**खीलीनीनहींसुनाई रीहिन्दुस्तानी लोग क्लिके नी वेजाजाकर किलेदारकी वृहत **बुरा**नलासुनातेष्यमगुर्वहस्र नीञ्जनसुनीकर्जाताया-*जवरुस्तम्खिञ्चीरसाद्*स्त्र रगके मोरचेरवाईतकपहुंचगृद तोराजाराजस्त्रपनेजोशमशहर यहादुरुपा शाह्लादेकेपासना करकहाकिरवाईकेपास खर्जके नीचेकुछऐमीजगहँ६किजहाँमे *ऊपर् चड्नेकार्न्*यमी,काँहे श्रे र्किलवाले विलक्त वेरवंपर माल्मझेतिहंन्रगर्भुभन्केह का हेग्ता कमंद्रश्रीरनसीनी

ددى شاجمان إدشار ملك والتاج يون रगहजहाबादरगहसे ७०५ تنارزسيع جنوقت كحرة فايجا तमामतियाररहे जबनेरी वजैती تكاكر حره آوس नसीनीलगाकरअपरचढेत्रावे शाहजोदन्त्रीवजीरने यहसून करतसकोहकादेदियात्रवनहरू ईन्प्रादिमयां सेना किलाफतह-करनेकेकामोमें बहुतमशहूरश्रीर क्र्रांग्राहरी अञ्चलवी येअपरचढ्गया स्त्रीपनी प्रेंड हुए के कि रीयजादीजिसको सनतिही बाद शाहित्रादमी कमंदन्त्रीवनसीनि अउउदीक्र यां लेलेकर ऋगि बंदे उधर किले चातीने जो ऐसी ही ऋषि जान सुने ने क्रवास्त्वपंचापंवेदेशहरतरफस् एन्यापंवेदेशहरातरफस् महत्रविरोशनकरके तापजीर व दूकचलानी शुक्तकी जाग पत्य ^{दुर्ग प्र} रगमतल्जीय दूसरमसासिएसी तेजी सेपैके किजे लिए सुराके **ऊपरजाप्रुचेथे श्रीर्जाप्**हेंचरहे ^४७१ देर्जी चेसवनज्ञर्निगरपंडेश्रीरम रगयेश्रीरजोक्तिलेकेश्रंदरगिर उनकाकुछपतानलगाहरतरफः 👾 १ मुरदेकेंदरलगगयेमुंसलमान रिंट्रें के चौरराजपूत्र ज़ियादामरेजा मु-शक्तिपहिचानेजातेथेकियु 🖂 सलमानहैयाराजपूत-ः उसदिनसेश्महीनेश्रीरण्दिन

*१६जहाबाद्शाह्स-५*० **।कवरावर्नाचेऊपर्जडाईहोती ोजोन्त्रादमीमार्चेसे सिर्गिकाला** गथाउसीदममाराजाताथाराते हो बज्जानवाश कि ले से निकल रहे मोर्चांपरह्लेक्रतेथे ग्रीरब्हुत ने ऋदिमियां और जानवरां की मार् गतेषे (रातकी सादु ह्वाखी औरस तम्बंबोक्सेमीर्चेपरलङ्करकर् गेपोक्तेकी लग्ये बादशाही लोगे नेउनकापीछाची कियालेकिनक **ञ्जनकरसकेको कि किलेसे ने**तर ्वरसती थी तो पंतो इधर से जीव इतेचलतीथी*ले किन* हिन्दुस्तानी गेलंदान स्त्री श्रीरकन्लबाश गेलंदाज़ों के युक्ताबिलेमें कुछ **नहीं बनासकते थे जिनके बेरव** गानिशानों सेहिन्दुस्तानके सरद र्तिकी सारी मिहनत न्त्रीर को शिशाद टिंडिजींट. ञ्जकारख जातीची इसीतरहबुस्त **जोरज़मीनदावरकेकिलेजीनह**त सीकोशिशहोनेपरनी ऋफ्सरे। 🕬 कीरायनामलनेसेफ़तहनहुवे जवयरवरं वादशाहकाम्ह्रची द्रिन्नि है किकिलेकांघरा विगडागया जीर

(٤٤) شاجمان إدشاء للشارفيا हनहोबाद्शाद्से १४:४ |परवानेकासामानहो:चुकाती**ल** तर्न्ह्न्य्रान्त्रोरइसके साथ्हीयह ोनकी तरफलूटमार्करने लगेहैं। ादशाहने अपनेहाधसे और गजेब ोहुका लिसा किन्त्र नेति च गन्त्रीफ़िरदेखानायगान दरवारकाहाल *ञ्जबबंदेशगह*जादे*दार्गाशकी* नेम्मोल्नया बादशगहर न्त्रीर्ड्जाफेसे ३॰हजारी जातर्जी १२॰॰॰सवारकामनसवन्त्रीर३कि डिदामइनामके लाहेरान्त्रीर मु नतानकी सायरसे युक्से कर् गुजरात के बदरने मुखता **रनायते** किया श्रीर काबुलका उसके बेटेसुलेमान) श्राकोह का रेकर पहजारी जात श्रीर ४ रका मनसञ्जारलालंडरा च सेरुएछताऱ्यरीनभं लिखाई। र्रान्के शाहत्रद्वासव नमेक्रचकिया

» خام مان إو خاد النار و البارع عند नायतकारदियाजोग्ज्ञजतक कि सी शाहजादे के बेटे की नहीं मिलाया स्बेयुलतानकेबद्दे जोरंग नेवकादिक्तके चारोस्तवाकास्य १०५८ छ ५८ ७७५ बेदारीदीगई-गुजरातकी स्वदारी शायस्त एक प्राथम् रग की इनायतहुई-सावनविश्वित्राशाहजाता श्राणितिक राष्ट्र जान्त्रको बादशाहने वंगालेजा मीन्त्रस्मतद्री श्रीर् उसके वास्ते या प्रान्तिकारिया एक किरोड़ दामडनामंक उड़ीका विकित्त है। श्रीर मेळरगीवदरसम्बक्तरिंडुवे-مان كانتست بوي सावनसुदिर की साद्दाला रवा अमीकल्यमराञ्चलीमरदान्त्वी राज्ये था था भूगी राजान्य सिंघ सीर्क लिचरनां को है। है के हैं के स्थान रहरूरमहानिरहागये-जोञ्रसा فعبان كوتوند فاستنت روايه टसुदि १३ को कंधारसे खाने हुने थे श्रीवसावनस्दि १३को बादशाह रहे १५०० । अंगा नी कावुल में लाहीरको रवाने हुवे-दाराशिको इको न्यमीकत्न व्यक्ति। वर्षे ११ उमरा राजाजयसिंघ श्रीरकुली की गुर्गा कर की चर्वा समेत वहीं छोड़ आये-معكدا ورائي عال محدوين وموثرآسية المريضان ونهزاد دا ورياضيب ما नादींवदि र को शाहजादा

ده د، تناه جان اوشام کاندا و کاه ۲۰۱۹ ઝઈ शाहनहाबादशाहसं-५४-६ **ओरंगज़ेवञ्जपनेबेटोसंमेतकुंधार** सेहाज़िरजाया जीरनादें बदिण कोदिक्यनको क्षमत हुआ उस को ५क्टिरोइड्सम इनामके बंगा ले मेदिलायेगये-मादासदि र की बाद शाहिपशी (मेपुहंचे ज्यासी जबदि ४को अटक **म**ञ्जोरञासोजसुदिश्कीन्द्रसेखते ञासोजसुदि॰ के चिनाबसे युज्रकर्कातिक बदि ३ कोलाही रकेवाग्रेफेज़बरव्यमेदास्वित ह्वे रस्तिमें कुछ जादमी महत्रीर पानी कीरलीं में बहुगये -मिरज़ारुस्तमसफ्वीकाबीमा रीश्रीरखुढापेसे १००१ रुपयसालां नामुकररें हुआ इसीतरहनज्से हम्मद्रवाकाबेटाखुनराजीमन सबसेद्रहोकर लाखरूपयासा लयाना पाने लगा-कातिकंबदि की बादशाहल हेग्से क्लंकरके मंगसरवदि ३ की सरहिन्दमें पहुंचे वहां तन श्री रेखालिसेकेदफतरका कामगुज



وريشاجهان بارشا بخلاله १४१२ नहाँ नाद्शाहमें १००६ टर ने सारवसुदिण्कोनिकलाँदेसोजाँ की इजाजतिमें ले बादशाहने मुल तानकेरसेसेजानेकीइजाज़तदे क्रउसकेवास्तवदृतसेखिलग्र तज्ञनाहरातहाषीघोडे (जारनरु पया रोक्ड स्त्रीर (लाखकी स्त्रशर फ़ीनर्ददफ़ेकर**के जेजी छो। य**ह सब२• जारबरूपयेकामालयात्री रलड़ाईक्रेवास्त्र≥तोपेंएकएक मनकागोलाखानेवाली जीर तोषेद्वाईमभोजीजी१३॰तोषे छोटी१•••गोले५••मनबास्त्र मनसीसा१४•••वान३•••ऊंटख नाने श्रीरसिलहरपानेके ‡श्रीर। किरोड रूपयेनकद जेजे जीरहस्त मर्गा,राजाजयमिध्कुली निजा*वतर्ग्*रमहावतर्**ग्राजाराय** य स्पसिंघ रामसिंह रना ताहराना किवादरना बाकीरना राजान्त्रमर्सिधनरक्रीफीराज्या ७७ रपोफ़ीरगेनेअपनीकिताव्यन्तिरिव अजजुबां**नमें** जिखाहे कि यह सनसामा नयादेशाहनपिछलेनरसमें श्नहाने धीद नतकलाहरूमें रहकर तथार करायाणा رمن من श्रीरसार प्रदेशकेंद्र एक के 1-11-11-1-1

...हमहाबादशाहसं १० % वरमञ्ज्वा मंगसरमुदि रसंबत १० - धेर्ने मंगसर्भुद्रिश्सन्त (अर् तक मंगस्तुदि । को बादशाह शाह जहांनाबादके कि जोमेंदाखिनाहुने सुलेमानशिको हकामन सबहुना रीजातन्त्रीर १०० सनार्षे इजामें विका मे ॰ हजारीजात श्रीरथ • मवारं अ काहोगया-जस्तरतांकी अक बराबादी मह लकाइलाज़कलेके इनाम्भें रोकड्ग्रीर्मनस्व सादेतीनह तारीज़ात भीर १००० सवारका इं

ومراشاتهان إدشا بركنا لايطاليا **५**श्रतस्वादस्यह्सं ५०.६ च्हे येभाख्सुद्रिकोनिकलाँद्रेसोजाने र्का इनाजतमिले बादशाहने **यु**ज तानकेरलेसेजानेकीइजाज़तदे क्रउसकेवास्तवहृतसेखिलग्र तज्ञवाह्रातहाषीघोडे । जारतक पयारोक्ड स्त्री२ (लाखकी ग्रशर फीकइदफेक**रके** जनी ज्ये**।रय**ह-ك اورد وتوس إكساكم सब२• जारवरुपयकामाजयात्री रलडाईकेवास्तरतीपेएकएक मनकागोलारवानेवाली छीर् તૈવિદ્વાદેમમોલી ઐીર3•તોવે छोटी^१•••गोले५**•••मनवा**स्त्र५ मनसीसा१४•••यान३•••ऊंटख नाने श्रीरसिलहरूपोनके‡श्रीर। क्रिरेंड रूपयेनकदनेने श्रोर्स्स मर्ग,राजाजयसिंध्कुलीचर्गा निजायतर्गे महावतर्गे राजाराय सिध्रवश्वसाल्यजापहाडास य द्भारति घुरामसिघु इक्तर्वार र्ग ताहर्रमं। विवादर्गानाकीसी राजान्त्रमर्सिधनस्वरीफीरोजस्य 🕬 रपापीर्वानेअपनीकितावपुन्तरिवय अजल्**बांन**में लिखाईकि <mark>यहसनसाम</mark>ा नयादे आर्दनिपिछ लेबरसमें श्रेमहीने पेदि नतकलाहारमें रहकर तयार करायाथा आररसर्पहुंचानेक वाले चनजारों के हि **लासादेकरमुकार कियाणा**



(مردى شارجبان بادشاوسنند प्राह्महां वादशाह से १७०६ ومرطروما وبالنا के किनारे पहुंचा वहां १हफते में **४॰ नावांकापुल्तेयारह्**त्राषा*जिस*र तमामुलशकरकायुजरतास्य लथाश्रारघेरकामहरतपामञ्जा षा इसलिये शाहजादे ने कातम् खा बहादुर्रवंगिजाबतस्वामीरकास् मीरस्रातिरास्रबदुद्धार्वस्यशिम श्रपनेमीरश्रातिश्मीरजाफरको न हिलेरवानेकर्दियाये खोग १२°° सवारा से धावाकर के बैसारव सद्ध हो कथार पहुँ चे श्री रक्ति के सामने गोलेकीमारवचाक्रुब्ह्रे उजवक किले**कीतर**फ़द्रीहेउधर्सक्जलव शनीनिकलेरोनेामेलडाई हईश्री होनो तर्फ के आदमी मारेगये दूसरेदिनरुस्तम् यो ज्यानर्सन बर किलेके गिर्देमो स्वेलगानिकी ना*जमें पिता* श्रीर इसतरहः तक फिरतारहा-फिर**बाद्**शाहञादाची विकटपुर डोन्ग्रोरसकडीघाटियों सेउत्रकर ने ४बदि । को किसे के पासपह चार्ची महरतकेवास्तकिलेसेद्रयहरकर दिनत्र मोर्खेकी जगह जाचने के नातारहाफिर्मिस्ताकामगंकेदागेर्भ-८८८!

र''हमहाबाद्याद्विन १३१० जाकरञतराजोकिः जैसेश्राधकोस | المالم المالية المالية المعالمة वाञ्चेत्रहरूत्वेण हरूत्वेण हरूत्वाम् विकास्त विकास मारोको मोरचे तो परणाने समतबाद हर्ग्य र देवी पर्वापर्व पर إلىلاقدوار الموسي दियेराजानयसिंधना मारचा बुने नेपट निर्मा है। भावदुन्दं के और बदन सिंधकार किंग्रीर बदन सिंधकार किंग्रीर बदन सिंधकार किंग्रीर बदन सिंधकार किंग्रीर के सामनेथा-दरवाजेचावा केसामनेथा-हरिएक सम्बारमीर चोंके बढाने मेहदसीनियादाकोशियाकरताया / ८७१,१५०५५ मोहम्मद्नाम्बसीन्त्रातिस्रात्ते स् वाट्याप्रात्र्यक्षे वसे जियाहण्यानमार्ताया वह विक्रिक्टि विकास सिरके जनर विहा पर त्र गाने रह क्रिका विद्या के के ताष्ट्रा हिन्जमाने असाहने न्याना है। नोबहुत्र इंहलगाहु आषाष्ट्राकः टार्ग्यू क्रिके क्रिके रतनाबडापरत्नगानेमेकााकास द्रार्थण्य है। वाहेजसने कहाकि जिस्तित्वधावा है । १००० विदेश होगा भें इसी प्रसे उडकर किरने-भेषह्चमाऊंगा-ابى بى اۇرىسى बाद्शाह्काह्कास्त्रधारम्ला के के कि जे बुक्त बोराकोषिरें टेंट कि वार्षिक्र بون جاويكا-फारकरनेकाषाइस स्नियेकारको देश्रादेश हर्टी १८४८ देनेक्त्स्तम् खाञीरानेमानताता व्यक्तिः। १८४० १ वंगतार अमीने जीर वह दूर रा निर्देश कर कार्या नोको १५ - समारे से बस्तिका दिलाद अंटिक जाकारपः भवारा तु सायः। किलाकतह करनेको नेनाउन्हां जिल्ह्या । नेक्रापहुंचकर किलेको ३ तरफुक्ते । प्रांट अ

. ۵ مرت بجهان دونها واستهوا प्राहनहाबादशाइमे १०१० चेरा*ञीरहरताफ़ स*सुरंगेंदेखान १°दिनतकगीलेमोरे औरएकतर طرف کی دیوار گراوی تمب تو फकीदीवारउडादीतोवहांकेकि लेदारमहंदीकुलीनेक्स्तमसांके विद्या पासहाजिरहोक्र किले की के चि यासोपदी जो। किलेमंत्राउसके बाजब्रेचेयउनकामाजञ्जसनाः नाहरर्नाशाहज़ीद्केपा-मगर्उसकेवैटेनेगरश क्रिजाञ्जपनेवापकेलिख ब्रोडाञ्जीपकर्रोज़त कवादशाही फ़ीजसेलाइकरिनक एर्न्स्य हो हो है लगयातवरुस्तमर्गेनेद्सरेकि धैन्द्रीदेशिष्टमर्द्नो। लों को घरामग्रक सकामन निकली वर्ष भारती है। वादशाहकीताकीदेकंधारका= किरनाफतहकरनेकेवास्तेबराबर يتي يزعفها ورياب داجروبيط जाफ فخاجراده وارافتكوه शाहजादेके **१वडाट्मदमाबनानाशुरू** क्तियात्रीरवाजेसर्वारानिसरगेनीखोदी एउन् रगहजादामामीरोकीबुला२ ताथाकिसभ्रे औरंगज़ेबमत 'रेफतहकियोबि

शाहनहां चाद्शाह्मं १७१० (١٧) تباه جبان بادتياه سناد المحصوري عن एककोजीजीतानहोडुंगा-المدور ولكا मोहमादजाफ़रसवसैज़ियादाः किलोफतह करनेमें जी खपाताथा त्रीर शाहजादेसे कहतायाकि कि लाफ़तहह्वेपीछेमें १कोचीकि बालोंमें से जीतान छोड़ंगा ऐसा नहो कि जापजनके करूणा करने श्रीपगिड्गिड्गनेपर्तरसरवाकर उनकी जानवरवश्रदेवें-रगहजादा जवाबदेताथाकित हुर्निं रेजिंग म बादशाहोंको रहमतकादरियाक ने हतेहैं दुशमनके हानिरहाजानेप ररहमकरनाज़क्त्रहै-सुरंगें औरमोरचें के बदाने में कोशिशतोबहुतहीकी जाती थी मग्र किलेवालेमारेगोलोंकेवा र नहीं जैने देते थे आखिर मोहमाव नाफरने शाहज़ादेकें हुकासे १द मदमा ७५गजलंबा ५५गजबीटा-त्रीर२७ गज्ञञ्चा १ लाख्नम्यकी खरचसे ४॰दिनमें बनाया श्रीर सकेअभर (॰ तोपें नडी वडी चढाई जिनके गोले सीधे किले में गिर् लगे इसी तरइदूसरेदमदमाँके रनाई गोलेओर्यन ४४वरसर्न

(١٨٤) مشابجيان بادشار شناء من المساء ١٠٥٥ भारजहांबाद शाहसे था। **शरू इवेजवड्नगोगोसे किले**न लोबीजान श्रीरमालकानकसान كانتصان موسف تناتما تهون ب होनेल्गातोउन्होंने १ऐसी तोपज गाईकिजिससेगोलेशम्हनादेके दोलतर्वानेपरंवरसनेलगे जिन सेघोडे भोग्याटमी बहतमाते थे तब (बादशाहीगोर्जदाजनेनिश नांबाधकर उसतोपका महिगोले सेउडादियाञ्जीरवहतापकऽदि नतकबंदरहीमगरफिर्किलेवा लेनिउसजगह रनयारमदमाव नाकरतापकाष्ट्रसमे छुपारि या श्रीर फिरुक्सी तरह गोलेमार् *जगेञाब*सिवायत्रावा<u>ज्</u>रेशोध्वे के और कुछ सनने श्रारदेखने में न ह्। ज्ञाताचा जीरहरराज्यमञ्जीर सबह ९०१९ फैरउस तोमके हुआ करते घे-दमदमोकेसिवायदूसरान्डाका मबादशाहीलशक्रनेयहनीकि याकिरवाईकामानीतमाम् युरासि यात्रीरहवाईगोलासिकलेका १ वास्त्तरवानानी उड़ादियां श्रीरवर येमगर्ऋछफ़ायदान्हु आ

शाहनहांबादशाहकं ५०५ विषमें १दफ़ैकिलेवालेकिर्चप चापहोगयेतीमीहमादनाफुरने ९ 🥍 दिनशाहजादेसेन्त्ररज़कीकिश्रंदरांगीर्डिज़ेन्द्रगाहीं से न ग्रादिमयोंकी त्रावक ग्रातीहै र्व की अधिर त्रीरनकुछन्त्राहटसुनाईदेतीहै उर्ट ६ ५ एँ एँ ५ बल्कि ऐसी बासन्त्रातीहै किजेसे 🚧 🚧 मुदिसङ्गयेहोमाल्समहाताहे ट्यां कि कि लेदारबहुतसञ्जादमियास् द्रिन्द्र मेतमरीसेमरगयाहे इसपरलश्र करनेबडेमज़ेसेकिलेपरचढाई। कीमगरज्योहींदीवारकेनी चेपहें 20 वकरतोगों नेकमेदीं श्रीरनसेनि योक्तेअपरचढ़नाशुक्क्षियाकि एकदमसे किले कातीपरवाना- प्रेम्प्येन हिली चत्रात्रीरश्तनेसवार्त्रीर्पेदल ४०५८चे १६ विदेश मरिगये कि जिनके बारिस कई क्षेत्रिक दिनतक वनकी लाशेमारेगाली र क्रिकेश देविती केनजढानेपायरमध्तत्वोगका (१३५०) है। *जबत्ता बडी महनतसे रातों* की ऋपने मुरदें। केळपर स्तकाउँगी भेक **भेंककर**न्त्रागदेदेतेथ श्रसाद्सुद्धि प्रकानविक्यों के प्रदिन्यानरेषेक्तनी बर्ग अव दुःचार्वाश्रीरकासमर्वाकामीर इन्हर् या। गज्यसम्बद्धाः तस्यहेचा

شاهجهان إدشاه سنا रग**द**नहां बाद्याहसं १७१• र ए **उध्र राजा राजरूप के ऋाद मियों ने** र्नेबह्लनीनें,कोकिनिसकेफ़तह करनेकाज़िमाराजागुजक्रानेकि याषानीचेसे खोदकरञस्कीरि दीनिकालडांची ग्रौर फिरउस मेंकु ज्ञानीकर जिया मग्र किले बालोंने तोषों और बंद के के वि कप्*डेजला*जलाकर इतने फैं कि ज़िनके मारेचे नऋगिवरस के श्रोरन ब्हरसके पी खेलाटश्राटे **९दिनमोहमादजाफ्राने २फ्** कीरोंको शाहजादेके पासहाजिर कर्केकहाकिये दुनियाकाहारन तग्तेंहें शाहजादेनेवडीखातिरसेउनको च पर्ने पासबेठाक रहेरानका हालपूछ तोउन्होंनेसमाधिलगासरकुं छेदेर पीछेकहाकिअअीहमचलते**्ना** असमहानमेप्**र**चेतोक्यादेखतेही कि शाहञ्रह्यासकामातमहोरहाँहे न्नीरउसकोदफनकरदियाहै-इसी तरह ५दिन एगिएत विद्या ानेवालेको लाकर⁻अरजर्की

प्रदेव जिन्छात् स्तानेतों के बुलाने हिंद कर् روي فاه جران المحالة المعالمة काइलमजानाहै श्रीर बहबोलाकि दि जो (रंडी ऐसी स्मान्स तंत्रीत्राक्त र्रेडिए) लकामिलमावेता भेजमके खुनश्रीहरू हैं अर्थ है अर्थ रशरानसेक ईह्नारजंतरिनरंकर निनोकालशकर जम्हारीमस्ट्यर जिलादूं यह सुनकर्त्त्रशकरकों ले । ए.ए. मामराँडेयां छुपगई जाखिरवहुत साट्ट ने श्रीरखोन लगानेरो १रहा गुरु ५५८ उसरंग रूपकी मिली जोबहुतसी च्रात्वक्तसाय्यसकोसीयोगईनत् १०४७। कु दिनो का की तन कर के उसके साथ विस्तार भेजिङ्गातारहा भ्रीर जबदेखाकि अनेकी जयुराही नेकी आयाती जो जुः औ गमर किलेमें चलागयावहाना/ निचला नहीं बैठाकोटपर चढ़कर टीज़र जशकरवाकों से बातें कियाकरता षानिससे कृजलवाशाने प्रालाव टसम्भःकर्उसकोमार्खाला-मोहम्मद्जाफरनेकिरकहना सुक्त्र्य किया कित्र्य जक्लमें किला مسكولم وكالأ फतहहोजानेगा स्रोर किले सम्स्रप नेसािष्योत्समेनमकडाग्रावेणात्र द्वार्ट्या पतरसन करके सबको मेरेहवाले करदेना सीभेउनके करतोतीकी UUIS,

دروى شاه جهان إدشار سنار وسالم وي शाहजहो बादशाहुसं-५०९ सज़।देकरमास्त्रबादशाहज़ादेनेक^{[//2} हा कि हमजोगनादशाहहै हमें अपरा ^{७५} र्र धियों की मारनेसे बर्बश ने में ज़िया ^{१५:८८} दामजाश्रातांहे जबकिरेंनके धेरेको ४ महीनेहोग् येतो क्रलीचरवाराजा जयसिंघ स्टि शक्ररवाईरचरवा कासमरवा अव दुह्याखाञ्चोरजाफर बगेरा सरदारी किलाफतहनहोने मे अपनी व डीशरमिंदगीसमभकरनादव सुद्दि १॰ कोजब५घडीरातवादी थी ऋपने २ मीरचें से हुन्ना किया उनके साथव्ड्तसे आद्मीनसे नियोंकोकंधेपर्उठाकरलेगयेथे जिनके जपर से किले के को टपर जा**च्ढेउधरदमदमें।**परसेगोले **ीख़्वबरसायेगयेदीवारें**जी गिरपड्ती यीजनका श्रीरदिनता रक्तके बक्त फिलेबालेखरा लिया क्रतेथे नगरइसरातकोवहनी न हरसके मोहम्मदजाफरने सिवाई योंकोक्रिलेपरचढजानेकॅलिये **पुकारते २५४मना गलानी वैद्यादि** या मगर ज्यों ही सुबहदु है क़िले वा लोंनेएकदमसे इतने गेलेगिएवर्

دسرو) شاه جهان إ دنتا مست زامش و ۹ शम्हजहोबादशाहसः ५७९० बाद्शाहीऋादमीमारेजातेथे-यहहात्नदेखकरईरान श्रोर हिं न्दुस्तानकेकारीगरोनेलकडियां परतरवतेजङ्कररसोमेवाधेश्रीर सिपाही उनमें वैठ कर किले के नीचे किजहां गोलेंका बचाव<u>याजाप</u>हुं चेकिलेवालें ने उक्तके तेलसे में राकेंजर२कर्उनतखतोकेऊपर उतारी फिर्जनमें है रों से छेदकर केवहतेजतरवतोयः गराया श्रीर जलेहुके पड़िश्रीर प्रहें फैक्फेस क्खनमे आगलगः । इस्तर्ह उनस्यतस्वतां के इस्सां श्रीर्मि पाहियों समेतजजादिया और बांट **हेमेसेसुरंगेंदोड़ाक्तरदमदमाकेनी** देकीतमाममिटी चुराजी श्रीर्जं नकीरवाजीक्ष्योंके माफ़िक्बनादिया जबधेरेको भमहान्युन्ररगय गोलाबास्तज्जोरमीसाहो चुका लशकर में नात छी। जंगलमें घा सनहीरहावरफवरसनेलगालय **म्**(के आदमी ओरनानवर्जाड़े श्रे न्सरी मरने लगे ज्यमी रोमें फूट पष्टगई एकसजाहनहीरहीतीव दशाहने अपने खासदस्त अताहे

शास्त्रहाबादशाहमः १०१० والمنطقة إن المتاوية والمتصلط बॅरिनोहेक्टुकडेनुककतेलम्न निहुने कपडे भीर छोटे बडे पत्य (वरसायेकिजिनसे वहुतकेसेयर नो गांवबारे के रहनेवा ले थे मुगल् रजवत्रुत्रोरमहानुमारमधेन्त्रीर जो बचे वे ध्यराक्र पांछे लोहेश्य डै २ अमीर ब्रीररजयुत्त समस्र मारे 🗸 गयेजिनमे जहिंदयोंकान्तरशीजिन् याजदीन जीर राजामानसिंघनी था इसपरची कुछदिलचले ब्राह्मी इज़ाफ़ामानेकेलालवसेसुरंगीमेण्डु हो करखाईमें उत्तरे से किन केत्री इ वकरमरगद्य-उसदिनसबमिलाकर२•••ग्रा दमी केंकरी बरवेतरहे-शाहज़ादेनेरुस्तमस्वावग्रेराञ्ज भीरों की बुजाक्त् नाराज़ी से कहा कि हम किरफरमातेहैं किहमकों श्री गड़ेब नाई मतसम्भना कि फ़तह किये बिनाचलेजावें ऋमीरोंने ऋ ज़कीफिन्त्रापजैसाहुकादेंगे हम तामी जन्तेरंगे यह बहक्तु उन्होंने नये सिरेसेसुरंगे चनाने मारचे न दाने ग्रीरदमदमे उतने शुरु किये जिनके अपर किरेनचो गोतो सहररिक

رسروى شاەجبان! دىشاستىندانىشىنىدە ؟؟ शहनहोबादशाहसं ५०९० बादशाही बादभी मारेज़ाते थे 💛 💯 यहहारनंदेरवकर रेशन और हिं विदेश न्दुस्तानकेकारीगरोंनेलकडियां परतर्वतेजडकर्रसोमेंबाधेश्रीर सिपाह्। उनमें बैठकर किले के नी चै किजहां गोलेंका बचावधाजापहुं चेकिलेवालाने उसके तेलसे म राक्षेत्रर२कर्जनतखतोक्रेक्रपर उतारी फिरउनमें है रिसेखेट कर केवहतेत्नतखतीयः गरायाञ्जीर अलेहुवेक प**े**ग्रीर ग्द्ड फेंकफेंक कर्जनमें आगलगा । इस्तरह विधार उत्स्थतखतां के प्रसां और मि पाहियों समितजलादिया ग्रीरबा ७ रेनेन सरगेदोड़ा करदमदमा केनी ५% वेकीतमामिमहीचुराली श्रीर्जं धेरें हैं है। नकोरवादीक्षेत्रं नामिकवर्गादेश अवधेरेको पमहाने युज्ररगये द गोला बास्त्त्र और मीमाहे चुका तराकर में नाज ग्रीएजंगलमं घा 🗸 🖑 अ सनहीं रहां बरफ़ बरसने लगा लग ब्द् के आदमी ओरनाव्य्जाड़ेश्री न्कसे मरनेलगे ज्यमीरोमें फूट एंद पड़गई एकसलाहनहीं रहीती बर्टिं दशाहने अपने खासदस्त खतासे जिल्ली

शाह्जहांबादशाहसं ७१॰ روى ناه جهان إد شاه مندوست و مندورا रगह्जादेकोलिखा किञ्चबचेन त्राह्मे रुत्तमस्त्रोको नब्द्रसङ्क्रमकी ^{हुन्} ^{लबर पहुंची तो उसने बस्तकां के} जािमादियाञीप् खुराकका जी وزيل كاسامان تهاوه أوسيو ^{सामान्}यावहःनीगोकोवाटिद كے نوسخانه كامصالحه थाश्रीरजोमसालातोपखानेः का धावहञ्जपनेसाथ जेकरशाह ज़ादेसे स्त्रामिलातव शाहज़ादे नेकातिकबदि में किलेके नाचे | से क्च किया वहीरके जारमियों ए की कज़ज़बाशेंग्बीर पढाशोंकी ल्र्टमारके खयाजसे पहिलेही नोष्रवानेके साथ गेरतस्वा के चा रजमेंरवाने करियाजिससेबाद इचकरनेके विछली फोनको उ नेजोगोंकेहाथसे बहुतस्कृता لى قورج न पहुंचा-मंगसरवदि।को दोकी में डोर पिश हुने वहांसे शाहजादा डबल क्र्च करके धीदनमें मुजतान पहुंचामि रकस्तमखानी २९ दिनमें बहा प हुंचगया शाहजादेने । दिस मु जतानमें रहकर मंगसरबदि की लाहीनकी तरफ़ क्षेचकिया

ده4) شاه جهان باد شاه مسلوط ص शाहजहांबादशाहुसं १७९९ दरबारकाहाल-श्रसादसुदि १३ मंगलवारकी-शाहज़ादे श्रीरंगजेबकी ऋरज़ी से ^हु *जड्कापैदाहानेकीखुशख़बसी 👸* पहुंची वादशाहने उसका नामसन् तानमोहम्मद्त्राज्ञमरक्तायह प्रिंग शाहनवाज्ञर्गास्फ्वीकी जडे की से पैदाहुन्त्राया-*ज्यासॉन्जवदिश्होबाद्याह* कीबहनवहारवानू वेगमध्य बरसे *रिप्रैरि* की उमरमें हो कर मेरगई जीरम **र**यममकानीकेमकवेरेमेंद्रजन्ह मोहम्मद्इञाहीमन्त्रखतावेर्ग कोश्रसद्खांकार्विताविभेजा-कातिकसुदि १०को वादशाह गवों में बैठकर दिल्लीसे आगरेके !-र्रें!-रवानेह्वे वरसभ्रवा मंगसर्सुद्रिसंवत्० १से-कातिकसुदिश्संवत्। ११तक पोसनदि२ को मादशाहजा गरेमेंदारिवल्ह्वे और्रामकोड सजुमा मसजिदके देखनेकोग येजो किलेमें ध लाखरूपयेकी سوتى تېي-जागतसे अ्वरस में तैयारह ईथी

शाहनहोनादुशाहंम ५। स्तमसजिदको जंबाई ४६ ग्रन् १०० १००० १००० भीरनीहाई समाने जिसमें से एंग्रीं हैं में हैं। एंग वशमं इकतारों भेहें जिनवर रे एंड एम्प यंनद्बनहैयहनमोनसे ।(गनने टिट्रें विहे स्मकाचीक ६० गजसम्बोर्ण जन्मकार्णहरू सया बीचमें दसग्जारंतवा होत्रत्ते एन एन हिन नाही बोहा १ हो ज मकराने काषा (८०००) नेसमें (फ्रहाराचलताथा-बादशाहने बहानमान् पदकर रिज्यु समोगरकी शिकारगाहकी इमा त्वसनी होगाई थी इसिल्ये वे (४०) है ससेन्त्राध्कीस जमना के किना रूप रेइमाद्युरमें बादशाह्में नईइम् टेप्टुट रतननवाईयो वहनी हुन्स की दें नागतसे तैयारहोगईथी बादशा/ हवहाशिकारस्वेजनेकोगयेश्री गेमसीदेर कोलोटकरशाह्नि प्रिट |हानाबादकी तस्परवानाही गये रारणानगतिनधकानाईगति है बदासकारे हु का के अपने वतन कीचलधुराष्ट्रा इसप्रजसके मार्टी नसबन्त्रीरजागीरकी बरतरफ़ी ४ छे बाहुकाहुआ माहबदि रसोबादशाहरगहनहान्

ره4)شاه جبان إدشاه سندوس و دوره ताहजहां**बादशाहसं ५५**९ वाद के किलेमें दाखिल्डुवेदूसरेदि नशास्त्रादादाराशिकोह् मुलेमा, निशकोह्समेतमुखतानसेहानि । रत्रायासादुद्दारंगजीरजसरंगिः पेशवाईकरकंदरबारमें सेगये-माह्बदि१४को वादशाहनेनडा **ऊमीनाकारतर्वतके ऊपर्नो ५** लाखरपयेकं खुर्वसेतैयार्ह्य 🛱 🗷 थां जल्द्रस करके सेत्र सालग्रह का तुलादान किया ईर्नुप्री में शा हजादादाराधिकोहको ४लाख फपयेके जबाह्र जड़ां ज जेवरहा ची और घेड़े ऱ्नायत हुवे श्रीर **सुलेमानशिकोहकामनसव्दे** ده مبرار می **دات ا**ور حبه مبرار سوار و सहनारी गातःशीर ६०० सवार काहीगया-राजाजसवतिमंघ को महार टिम्रिटिंग् कं كاخطاب الااوراف يسكيمن صبين नकारिवताविमला श्रोरमनस बमेंनी इनाफाहुन्या-फागएरस्टिन्द्रमास् نودريحالنان كومشر के*हिसाबसे ने* ातुलादानजन्म देनकाहुन्त्राउसकेद्रवारमंग्रम रनादेदाराशिकोहके ऋगले रनाम प किरोड़ दाम के सिवाय **।** किरोड्यामग्रीरइनामकेमकर्राह

र्गाराबादआह स-१०१. روي الموجال إدفاء *शाह्जादामुराद्वस्वस्*राभयने बिटे रोज द तर्वशको लेकरहाति । हिन्ना जमीवक्त जंसको अहमत् ए टार्डा प्रिश्चार्थं, बाद की स्ववेदारी शायरते रवासे वे दें हुन के लिंह ने एं हुन के लिंह ने एं हैं के लिंह ने एं हैं के लिंह ने एं हैं ल्बकर भित्नी श्रीर प्रचारवरूप (धार्माः य इनामको मिले अप्रेसमनसब्दा गंधार १५०० क्लाकाहोक्र १४ हजारीजाता है एका हिला है। १००० मवायोकाहोगया जिसमें देश कर्ण प्रमुं एक कर्ण ५०० सवार दु असमा और ति असमें घे उसिंद् और जी अमीरों के मने दें छूट सववदेश-जसस्म मेड्रितया जी वादश् ही नोवह या तलनार केचकरचे के ए के माहित र्गेकेत्ररहरेको नाहरसेवादशाह-कीतरफ्रदोड्गतरवतकीयहिस्ती हिं दि। पर पहुंचाछा कि नोबतरवा । १६ ५ कीटवालवरीता र आदिमियों के एंड र्रिकेट एंड चैतन/दिर्धको बादसगढ्वडे साह नादेके मकानपुरगये और ७ ला ربيح النان كوإدشاه (बहमयेकी पेश कश्राकृत्वाकी-मोहम्मद्नाफ़रको जिसनेब्रं धारके घेरेने बहुतमहनतका छ।। ८८५ रगह्नादेकी निकारिशमे मीर्यः प्रातिशका रिवतान्यिनाः

رو4) شاه جبان بادشاه مستناد ميم ميم التياريم रगहजहाबादशाहर्स-९७९॰ द्सरेदिनशाहजादेदाराशिको हके<u>ञ</u>्जादानकामहूरतधाबीद परगनोंघें जुक़र्र करदिये १२ किंगे उ*दाम के ३*॰ लालरुपयेहोतेषे-वंदरस्रतके मुत्सही की ऋड़ी प्रंची किन्त्म के सलतान ने रि **पद्याका एलची जुलिसकार** ग्राकार्यत श्रीरक्तीगारे लेदन्त्रा त्रीहे*चादशाहनेगुज़ैबरदार्*जेहा*च* के वास्ते स्तत का हत्सही ५५५५ न इरनार कें रहासतान्य इस्तारी इसरोसिवायस्**वेदार**का **गपने २ इला**जे में मूखती टर्ज़से तवाज़ें करें-वैसारवसुदि ३६ते २५ दं जत्हर ননপ্তার্বসন্তুস্নাক্তমহিনকুভ*্*ন क्रारमाकाकी सरहर महोद्रां क कीलराकर खांबरवरी श्रीरताहर

रेरेले स्थादे आध्ये रलं मेशानाई अपने हं तर में लायेड एक कर के हार है। से किस के किस के लिए के किस के कि मने केसरकारकतादिया श्रीतरवी कार्यका एक के विमिनक् साजकीने जीरमोता विकारां के कार्या के विकारां के विकार के व के श्रेमहाक तलनार और महाल की पां कि एक रिल यमं जीरवासह विद्यार्जसमुल्क र ४००० ६००० में बादशाहीकाहिषशक्तियां और कर्म ब आए रधं छोडे अपनीतरफ़ सेनज़रिकेरी मियलस्वस्थालका स्वलास्य विद्यालकाता नारी रहम्या भानहान कोनेका अपित इ वियाने अवग्रेन द्वार पात्रशा त्रिकें और श्वाद्शाही महत्त्र — ज्यादिक केंद्रिक में कि जहां सब ज़स्ती सामान दि परित्रा एक वियार् कर्गदियागयाष्ट्राव्हरा काडिकमिदिया-ととしゃとい क्ति जुलनान सुलेमानशिको विधि एए एएए हरी शादी में ३००० वादशाही सुर्वित ए दे ए दि स्मारमे अपवर्गाहमादा दासा कार्यां है। शिकोहको सरकारसी प्राप्त वर्गा रिनमें दोराम् नवावुक्त द्सियाक् सरकारसेन्त्रीर्पः स्वेमान शिक्रीहक्षीसरकार नेजसक्रीमिर्गार क चि भ्रीरमयाहरात ३००० नारसके

رورن شاه جهان إد شاهٔ शाहनद्वांचादशाहस्-१०९९ मिवायया न्त्रोर १५०० भादु छा सं वजीरनेछोडे श्रोरिवलश्रतवग्रेर केसाथदिये मायाया उसदिनसे लेकर विदाहों नेके वक्ततक कुल २०५५५७ सक्रीमिलाष्ट्रा कायम्बर्ग कोजोग्नर्वी भौरतुरकी बोली च्य साध्कैसरऋनके दरबारमें जानेका हुका हुन्त्रा खतका जवाव सादुत्त्राः की जिसमें मोती और पद्मेकी छटि तकी,वंगाले अहमदावाद श्रोर बुर हानपुर के सादाजीएजरीके कपड़े के १००० धान, जो १००० भेरे चे छी र ५•तोलाञ्चतरजहागीरी४••५६ी कीमतकाजो १ शीशी में था काय मबेगकेस्वाछेकियागया और व कीजके विदाकरतवसावकील की जवामी इस्तबोल मेहे जाफ़ैल नेकानिकरसुनकर वाद्रशाहनेज

नाहरातके (॰॰ दानों की मात्नाजी नीर्धे होंगी के प्राप्त के शिक्षेत्र क

करिये मावेंगे राणाने जनाव में सर एटा २०० المادول المالية जकराई कि जो सरकारकारीवान जी कि रेख अवदु ज करीज आजावेती में रेड्डिंट एंडे छेड़िंडिंड अवने वेट की उसके साथहजरमें ८७ र्ड के के रेड कायदेके माफिक दरवनकी चेनं-कातिक बदि १३ की बादशाह अन चिर पंहल कर जागानासागरताताव हिन्दु हिंदी किलार होत्ततर वाने में जते और ए ए प्राप्त प्रेश उसी दिन शामको ज़ियारत करनेगर्ने 🚬 इसीहिनसादुह्नार्वाकितेनीते क्रिकीटीकार्थान इसे पालपुडंचा और १४ हिन में बहा ए हैं हैं आर अहिन मून के पुरम श्रीरवंखर गिराक्त्यीवातीव दिल्लं के शिर्व राणांनेस्मनेवहवेदेकोजो ह्वर १९९८ हुं देश समाया कई बढ़े बढ़े भरदारों से श्रीधारिक पंपापित बडुलकरीम औरसरकारी अनुसार देश देश देश है। चंद्रचानके साथहज़रमेंचेमा- हिर्णू कंक कर् हाजी इत्रहमद सईद क्ससे वा पसम्प्राया-कातिकसिद्धिको अमीकलसम् राञ्चलीमरदानरवाने अपने वेटां ह मेत करामीर से ज्ञाकरमुनराकिया श्रीनग्रकानमीद्गरश्रपनेवि कर पहाडोक नती में जलकर अव टिंग् प्रेस टिंग के प्रमान

सिलियेबादशगद्देनखलीलुछ सवारों से उसके पर्यानेकिया-२६वावरस कातिकस्मदिश्संबत्।भासे-कातिकसुदि असंवत १०१२तक कातिकसुदि १९ की बादशगहनेख नासाहिबकी दरगाहमें जाकरद वारा नियारत की · कातिकं सुदि।१को वाद्शाइने बनमेर्से कुचकियामंगमरवरि होमांलाउरेमें मुकामहुन्नावहांन्त्र बद्जकरीमराणां केवेटे की लेकर हान्रिश्यायाउसलड्के का अव तक नाभ नहीं रखागया था रसिल ये वादश्ग६ने उसका नाम ज्ञोनाग सिंध्ररवा श्रीर्उसकी मीतियोंका सर्भेच्जडा़क उर्वसी वग़ेरा इना अर्ध यत फरमाया उसके साथियों में एउँ मेरामचंदर वंगरा प्लादमियांकी घोडु श्रीरिवलग्त्रतङ्नायतिकये मंगसर्वदिर्धं क्रोसादुद्धार्वाल् राकरसमेतचीतोउसेहभ्जिरश्राया मंगसरबदि १३कोराएगके बेटेके राषीञ्जोरधीखाइनायतहञ्जाञ्जोर।

الماريان الم धरजानेकीक्त्रंबसत्हरू-मंगसरमुदिरको शाहजादे श्रो मोहम्मद्गुलतान किंद्रेज्या दरवन से घाटीचांदा के रसते हा : ञ्जाकरञ्जपनेबापकेचेजेहुवे भीर**जहा**जज़ेवर ३८ के नज़र किये वादशाहने रिवल-अतदेकर नीनाञ्चरालञ्जीर इजाके से २० काक्रिहिया-मोसन्वदि (सोवास्त्राहरू कार्रवेजकर्फतह् उरमें मृहुं त्रे नीसबाद अक्रोबादसगहिक्ते रित्रलहोकर शाहजाते हिं मिकोह के मकानवर जी है श्रीह श्रीरशामके वक्तवहादर उउँ। नानेडुवेक्यों क्रिट्डिंगी बहां छावनीडाली गईथी योसबदिई को बाद रागह ने दिल्ली स्वामीसे मीहमद स्वतान की प्राप्ति वेतर बरहा दिएए जानेकीक्स्वसतदी जीत १ - राजाप शाह्मादेशीतम् । हिम्मादेशीतम् । शाह्मादेशीतम् । हान्पुर के ख़नाने से इना — ३७ यतिस्या

دیه بیشاه جبان بادشاه रगर जहां बाट शंगह से - १०९९

शाह ईरान के बज़ीर ख़लीफ़ास्तर

तानका चानजाभीरजाफरनोक रीकीउमेदपर ऋपनेवतनसे हा

जिर**न्त्राया बादशाह** ने उसको १ *इनाम* के देकरहेट हजारी जातथ्री

''सवारके मनसबपरनीक रखिनया-पोससुदि९१ की बादशाह रहा

नारिवजर के छाटे से नावमें विरा नकर शाहजहां नाबाद के कि ऐ

में दाखिलहुवे-माह् सदि १०११को चांद्रमास के

हेसावसे ६६वा वरस बादशगह केलगाउसदिन के*तुलादान*क

महाफेल में रगहज़ादे दाराशि की हकी दाई खाख रुपयेका खासा रिवलग्रत सीनेके कामकी नार रीसमेत कि जिसके

श्रीर किनारों में मोती उके दुवध श्रीरश्लारबरूपयेकाजडाऊसर पेच **त्रोर्श्ला**ख्र पया इनाय तफ़रमाया तर्बतके पासश्सो कीचाकीपरबैढनेकाहुकाञ्जीरका

हबुलंद् इक्बालंका ख़ितावबर

शा शाहज़दिसुलेमानशिकाहक

मनसब से हजारीज़ात और (1108-44 स्माक्षित्वे १२हमारी भीर ७००० स - १५ ८८ वारोकाहोगया-शायनतारवाकोमात्नवेकी स्त्रुवे विक्री कार्य क्रिकी दार्गा इलायतहर् इसीतरह सेहस न्यार केर एक रेश्रमीरों की ची इनाम विवताविश्री र र जाफोसे सरफराजी बरबर्श में ईअमीरुल्जमराकोकशमीरजाँ कीकरवसतिमनी ब्यू तातकेरीवानमोहम्मरमा दिए। शर्थां जहको मोतमहर्शकारिकताव (८) हजारी ३००० समारोकामनसम् मी क्रीकान्त्रलमदानशीर शाहबलेर प्र इक्न बालकी दीवानी का जोहदा मिला जीरशेरन्त्रम्बद्धानस्रम् नी अगलाही नान याञ्चनकी थू जारबदाम परगने घानेस्त्रसे इ नायतहुवे नासतहन-मास्निदि (४ को नादशास्त्रेश) दिन्हिन्छ। र बुलद्द्रक्नालराराशिकोहकी मकानपरमधारकर २ जारबक्रम् ८ मेकी मेशकराक ब्रावको सावुद्धा न्यान व्यान कांश्रीरमहाराजा जेसक्त सिंध रा०० नगरापधन्दे र अमिराकी दस्ते किंग्रिक बार रनाम और रिकन सत्यार कह है जिल्ह

ر ۱۰۹) شاه جهان إدشاء शाहजहोबादशाहसं १०११ **भीरफरनावगेरासमेत्रशाह्युलंदरह** वाज़कीसरकारसे इनायतहुर्य-इसी मजिसमें सिरोही के राव अखेराजनेहा*जि*रहोकर छनर। कियाबाद्शाहने उसके भरपेन नडाऊ कडे ग्रीर घोडे इनायतिकरे इस्नीबाहरे के धन्मरबी छोड़िवा दशाह्मी तज्ञर सेयुज़रे छीरउस होबादशाह् की तरफ से हाथी इ ग्रयुतङ्ग्रा सूरतमें इसके बराव (कोई धनवान नहीं छा-नादाबिर की पर घोड़े शाहरा नाञ्चके नेजेड्वेवादशाहकी नज़र् मेयजर-श्रीरंगज्ञवकेनेदेसुलतानमाह मदको १किरोड दाम बंगाले और रहीसेकेस्वेसहनायतह्य-संख्यासुकी स्त्रायकी दानिशामंद र्राकोखिताबश्रीरदूसरेबर्वशी काश्रीहरा प्राप्ताकरखा सेउतर करमिला-नदि।सुदि भक्तोतमाम जरेजेन रकीम् सालहको इनायतहुन्ना-नेरेनेन रखींनचेकामाम्याजी

रहताथा जिसमें तिर्याक् द्वाउल वशकः नोशारासः कम्मनी नहरमोह राम्याई और महवारखताई. नैमादवाइटो १॰ ४५ पये और १०० माहरें रखीरहीं छी-नारों सुदिरप को स्मवीरवाकी दिन्द्रक*दीनकुलीकोहुकाहुन्त्रा* कि सोनेकीतर्वता जिसम्रवाद (५.५) रगहो फरमान ज्ञाहिल्स्वांकी क्रार्थि किं नसे खोदागयाचा कुः छसीगात भीरजड़ाज खंजर के साथ जेजा रचीजागुरमें पहुंचाजाने-श्रासाजसुद्धि संगमनारकी ग दशाह इंदेकी नमान् पढनेके बाहेर् याहजिहानाबादकी शहरमनाह डिएं ५ क्रेवाहर ईदगाह में तथारी फ़ ने ग येजोडेद्बर्समें प्राप्तिवस्त मेतियारहुई था-कायमं नेगकी अस्ती जहें है। किंची उसमें लिखाया कि क्यानी नकील जुलिं केन आका स्टाल मेमदम्न रमाई के अपर सभार की र गांचकनक्षत्रं के बंदर में पहुंचा विमहासेम् कारमाम्बरहमा ताहैतो उनाने जपना छे अस्ताना कृत

नहाजुमें रहने दिया ग्रीरणाप ३॰ रबाहीमी(रूपया) ग्रीरजवाहरातक है संदुकचालेकरखराकी केरस्तेम हिनमें नहे पहुंचगया वह नहान नहीं पहुंचा बेंगे किरसी में ही ड्व गयाया जलिकार जाका बीम रतोपद्विसहीया अबनो जहान क एव ना सनातो असवाव खाजा नेकदेखसेमरगया-वरसञ्जा कातिकसुदिश्संवतभारसे-कातिकसुदि२संयत१०१३तकः मंगसरबद्धिं। १० की ६ लावस पये दखनकेखनानेसेशाहजो श्रीरंगजेवकोहनायतहवे-मीख्रमलाञेषु तुबुलपुल्क कानोक्तयाक्त्रनाटककामुल्क नो ५५ की सलंबान्त्री १३ की स बोडायागोर्जिसमेंबहृतसी 🗗 रनाने हीरे बंगेरे की घी जेंगहासि जनी ४• जार्व ह्रपया से बमनथा फतहन्त्र के बृह्त जोरप्कड गया षा प्रोपर्सम्बन् मे उसके दुश मनेनिकृतुबुलसुल्ककादिल रसकी तर्फ से फेर दिया था-

وبهان شاوجهان إدشاء كتعتلي गाहमहाचादशाहमा भग इनायतहोचुकेथे ग्रीर ए॰ घेडे उ सके बाप शाह सुजा ऋ के वास्ति नी उसके)दियेगछे-नवारका जमीदार श्रीपत नि सकी उत्तरसीमा बगलाएं। से श्रीर दक्षणसीमा कोकन सेमिलीधी भीरचोलका वंदर नी उसके कब जेमें या हुकानहीं माना करताया इसिनियेवहां की ज़मी दारी शाह नादे जीरंगज़ेब की अरज़ से राव करणको रनायतहुई-चेतसदिर सनी चरवारकी ३॰ यांजल्सीसन शुक्तलङ्खा जि तके दरबार मास्लकेमाप्रिक्डुवे सादलाखावजीरका मरना चेतसुदि १४को सादुङ्गाखा वजीरजोञ्जकल श्रीरतद्बीर में अपने वक्त का रकार्था की ल र्ज की बी प्रारी से मरगया इससे बादशाहको इतना (जहुआ श्रालांसे श्रांस्ट्रनिकलप को बड़ाबेटा जुत कु ह्या हु १५ सकाया उसको तो उसदी जात त्रीर १९ सवारकामनसंबंधिता

शह जहांबाद श्राहसं १७१३ वाकी इवेंगे उसे टियों और ४ औरते कामुनासबरोजीनामुक्तररहोगर उसके नोकर ग्रबद्दननबीको ह जारीजातन्त्रीर ४००सवारकामन सब मय फोजदारी श्रामश्यबादन इनायत्हुन्त्रा इस्रोतरहमेउस दूसरे नाकरों की जी परवरिशहर्द ध**िरोड दाम उसकी जागीर** मेंसे रगहब्लद इकवाल दारा शिंके को इनायत्ह्वेजो मथरावग्रे रगनोके ये श्रीरउनपरगने व फोजदारी ख़ारराहदार) न जद्दकवारन के नो कर शेख दा जद्वे जिम्मे की गई रुघनाथजी तन दफतरक कतरदारथा श्रीरसाद्ञा सांकाद नायाह्त्रायाउनकोवादशाहन हजारीजातंध श्रीररायरायाका यहह्काभरमाया ((दर्गाहर्च) कामोक्षी नांचक्रते छो बंद नानको जी श्रफ जलरबा

काबदायाहुत्रा (जायक्र सनस्रो या श्रीरवारात्राकोह नेबादशाह ० अन्धं जाद्र ४० ७ । رولا) غادجان إدنياه تعدار ह नेदाराशिको हुसे लेकर्युनशी गरीम्र सक्तरिक्याओर रायवं एए गंद्र धारी दमानकारिवतानदेकर दूसरे हिं। द् उनिशयोकाञ्चफकर बनाया-सिद्धारनान्ति तनेक आदम्। धरिन्या या इसर से डरकर ईमानदारीने ज्योजना कामकरनाष्ट्राउसने अपनी बना उं नतमेरेयतम्त्रवीईनईलागल श्रींडं वेद्राष्ट्राच्याः गानेकी बदनामी नहीं जी सक्त है। जी सक्त रीबोर्क उक्तमान क्वाकर के से क्ट्रीट हैं ए ए जिल्हें जनरताया गहिजेयह कायदा एजीट प्रिक्षां के हिंदी याकि आमिली यानी तहसी जहा (६ १६) गिकोतहसीलकेरुपवेगिकेष् सेंकडासुनरादियाजाताथा या ना १०० में से ४५) सर कार में जांगी शिक्त ५) ब्रूटहोजातेथे सादुह्या खाने (हिन किसी आमिलके हि हि साबका फ्रेस्लाकर्ते हुने सरकार केफ़ायदेकी नजरसे यह हु काजी शिक्राया कि आमिल लीगर औ हसील करकरे १०५ सरकार मेंनम्

शाहनरीवादशाहन-१०१३ - १९०% नरं श्रीर अपने हक्क के लेले वे म गरिकरवृहतपछतायात्रीरमुहत तकः अभसोसं करकर के कहताया कि जिसदिन में ने इस जुज्म का का जिरबा मेरा हाथकों नहीं सूरवग शाहजादा दाराशिको हसादस्त खाँ से नाराज़ रहाकरता था १दिव उसने बादशाह से अरजदी किस द्छारवं ने वैरान ग्रीर कमहासि ल परानिती हमारी जागीर में दि येहें भ्रीर जियादा पेदा बार के ख दले जियेहें साद्खारताने यह **अनकर शांहजांदेके वकी** जंकी बलाया जीरजीपरगने कि शाह जादेके जामिलीके जल्मसे उन गयेथे नेती अपनीजागीरमें है निये औरउनके बदले ज्ञपन नागीरमें से नी परगनेकि बकीर मांगे शाहजादेकी तनखाहर लिखदिये मगरदे। एक साल पी यादा वेरान होगर साद्धारवाके दस्तरवतो भे सेजोउसने मस्तोफी की बदर्न वीसी(परताल) कीफर दोंपरकिये.

والفديان إدخارس والمواد शाह महावादशाहर्म १७१३ *धे२द्द्रेयहां लिखेजाते* हैं-१ राजाहोडरमलने श्रक वर नादशाहकेराजमें यहजाबत युकर्रिकियाथा किञ्जामिलों शोर किरोडि**यों** की फ़ाज़िल नो १९५ सेकमहोतामुस्ताफ़ी हेसाब में मुजरानदेवे जीरिज़ देदेवेमगरशाह नहाके ज़माने में मस्ताफी है गवदनीयती से जामिरनें। की फाजिलमुनरा देनेमें दिखते डालतेषे जब्ऐसे (हिसाबकी फर्दसाद्द्वार्गके सामने चे राहुईतोज़्सने यहदस्तरस्त कियेकि अयमस्त्रोक्ती हिंदी म सलमशहूर्द्धकि लेनालेनाः ५ औरदेनादेना जबकि सरकार का नाबताय करोहें चकारे कि <u>। ए</u> में अपर का ज़ित्र मृत्य होत गविताव्यान्द्रीनद्रीनागनग रशापने ऑस्मेरवास्तराक प्रसन्दोनेकीबद्दुशक्षित्र^ह् २ एकदिनसालंगरे नितेष्ठि क्षेत्रे बद्दानवीची (स्ट्रास्वर्था) इंस्टर्स्स इंदर्ड केर्ड्स यसराजा

دوار) شارجهان بارشار وت शाहजहांबादरगहर्से ५०१३ वास्ते फर्दे पेशाहु ईतो यह दस्तर्वत किये कि इस वर्फ के मीनारे की ध पमें रखदेवें पिंगलजाने के बाद नो बाकी रहे बह नरा लेवे-آن با بی ماند بازیافت द्रवारकाहाल न्नादिलरवा**की**पेशकश्*नज*र रेपुन्री उसमें १ बडाहा घी सोने सजाई सेथा जिसकी कीमत **ट्वादशाहने**ची ऋ तरनाकैवास्ते (जड़ाक पेरी ४ रुपये की नेजी-ः इसीत*रह्*कृतुबुल्युल्ककोपे राकश ४ हाषी २ हथनी सी२ कुछ जवाहर्*ञ्जबद्दलसम*द्खांकीमा त्ह्वे शोर्कृत्व्रत्युष्क के नाम महरवानी काफरमान जिखागया कमाञके जमीदार बहादुरचं दनेरवली जुलारवा के साथद रगाहमेहाज़िरहोकर२हाथीञ्चीर **યુન્સીવનકતત્ત્વના હમેં ક્લિપનો**ફી कि किउसको मरेहुदेउष जिन्दी सोत्नार छा सहगी हैं

ووا تاهجان إوشار تنزو وصواير ووج रणह्म हो बादसाहर्स- १०९३ वाजीचीजेन्त्रपेनमुल्ककीनज़र की वाद्याहने १०० घोडे तुर्किक जमधर तलवार दांनुमीनाकार है जै गडाऊसरपेच मोतियोंकी माला त्रीरकडे वंगेरा इनायत करके क माऊं की वरनायतनी उसकी बरवे केंद्री केंद्री कार्यता रादी बल्कि र परगने जीरची कि ७२ ५५०। जिनकी जमां १२ जार्व दामकी है। रनायत किये ज्ञीर घरजानेकी किंग्राई र्वसत्र हो ह्यात्रवाको जिसकी उमर्व रस से गुज़र गई थी (नक्वें की रज़ बीमारी हों जाने से गुसल्खाने की दारो गाई नामदार्याकोइन यत्इ३ं श्रीरस्यातखांकेवास्त र जाखदाम स्वेली आगरे से नागीरकेतीर्परसुक्रररेहुवे-दरवनका रन्तजाम् बाला घाटकादीवानसरशाट कलीरनादकरनके बारो सके कांमस्तिकल(पक्तोधीवानसुकर ह्यान्नीरजसकी उसपुरक्क अवादनुरनेकी बहुतताकी द्रशिनंदै-दर्शनमंजभीनके।पेमायुराजीः र्बीघेके जपरनमानाधकरः

وبرينا ببحبان باوخا بالنهاميجري لنصاليم शाहजहोबादशाहसं १७१२ हासिललेन्कादस्त्र्रनहीं या हिंदिहें गुज्य ही खें काशतकार ५वेल और २हला में जोजिनस पैदाक्त्तायाञ्चक र्गे व्यवहर्णा है। ऊपरचाड़ासाहासिल लेलिया विश्वासाहासिल जाताषाकम्जियादापैदावार 🛶 🗸 होनेकी कु खप्खता खनहीं की भून के पी में प्राप्त में नातीयी नबउस मुल्क में मुग्न ग्री प्रिंग होंग लोका अम्बहुआतो तरहर्की । ।। = तक्ली फ़ेरेयत के। हुई जिससे पह तबाह हो कर निकल गई गांव श्रीरपरगने सव*उज*ङ्गये <u>मु</u>रश् दकलीरवातकेष्णतोनीष्ठतः **द्भिराश्रोरसमभदार**याहिर्सा वंकितावज्ञानताथा जिसतरह किन्त्रकबरबादशाहके राजमेरा जा तोडरमंलने हिन्दुस्थानके इ न्तजामकादस्त्रवलन्त्रमल(का और ने चन्) बनायाथावसीतरहरूसने प्रिर्ण **नीरेयतको जगह** ५ से बुलाकर सल्क में ईमानदार जामीन(तह्सी ७ लदार) नेने पहिले जमीन मांपक " हैं। हैं। हैं। रख़बा निकाला और खेती के का कार्य हैं। है हैं। बिल ज़मीन को नाका बिलसे जुर्री दाकरको रेयतको खेतीबाढी छए 🖫 🗸 लागयानहामुक्दम(परेख)

शाहजहांबादशाहमं १४१२ فابهان ارشاه لاتنابيري للصوير وعراق थे वहातायक त्राद्मियोको सुक दमबनाया श्रीर्जनकी वेली बेग्रेर केवारत तकार्वी (पेशागीकपया)देक र उसकी खंदियां करली जीर जमा पुक्तर्र करनेके वास्त इतरीके जारीकिय सर्वस्ता(मुकाता) ने।कर्रीम्जूमाने भेजारीचा २ बटाई वाहासिल ३ बीघोडी याजमाबंदी बटाई में बारानी जमीनकान्त्र धा श्रीरचाही (क्वेकीजमीन)का तीसरा वाटा सकररे किया मगरह रसाठा केला खशाखश हलटी श्रीरजीरेजोरा का हिस्सा:वेथिस नेवेंतंकरक्रवा क्यों कियन्वीजेंबह ठरवरंच से जियादां ऋरसे में येदा होती थी और नहर से जो पदावार ती उसंका हिस्सा जैसासूना होतालियानाताष्ट्रा बीघोडीके वास्ते ख़दमुरशदः कुलीरवाजरीवेपकडकरखे को अपने हाथसे नापताथा रवीघे पीछेजमा मुक्रारेकरता था।नेसमेकोईकुछग़बनन्ही करसक्तापा इस इन्तजाम त्राबादी और ज्ञामदनी दिनदिन

الناليجي الدينية ١٩٦ शाहनहां बादशाहसं- १७५३ رُنِهِ عِنْ عِنْ مِنْ عِنْ الْمِنْ عِنْ الْمِنْ عِنْ الْمِنْ عِنْ الْمِنْ عِنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ مفنسده افغانان बटतीजातीषी-पग्नानांकागुदर-अज़ीज़रना बदखरीजागीरना है देवी हैं और के अंग्रेस रहलाकं मिशानर की वहां के फर्नें सादी ब्राट्मियों ने १५मनस बटारों श्री¹² र्थं जसके नो करों समेत नारंडा गर्में नाथा इसिनिये बादशाहने पिशा वरके हा किम बहा दुरखा की वहां के फसादियों की सजादेनका हुका •• सनार नेने= लिखा उसने २° मसादियोंने नी चार्पाच मही। जा नेतक् मुकाविसा किया बहतसे बादफाही जादमी मारे गये ५०० फसादी नी कतल हवे बाजे प फडेगचे उनके घर*जलादिये* ग येवकरिया श्रोरे कंट वह तसे त्हरमें आये गोज्कंडेकी मोहिम उत्वल्मक ने वेसमभीने गीर्जुमलाकेवेरे मीह्याद्युमी नको उसके ज्ञादिमिया समितके द् कर दिया श्रीर घरवार नी उसा काज़ब्रतक्र(हिनयाया इसिनिये ا و برگ زم नादशाहने शाहज़ार्माहमादश्री रगज़ेन् बहादुरको लिररामि खर्र १९९८। ३

श्वहजहांबाद्रश्राहसं-ध्यार् ابجان ارخاه تسلاجري منصلاء علي गोलकुंदे जाकर जैसे बने माहम शब्दे प्रार्थित शिर्थ दञ्जगीनको कैदसे खुडावे मा जनेके स्बदार शायस्तरवा इफ् तर्वारखां श्रीर तुरतरवं। बरोसकी नी हुक्म पहुंचा कि जलदी रगह हिंद है जादे के पास हाजिरहो जावें-श्रीरंगजीबने ऋपनेवेटे मोह म्मद्मुजतानको शाहजादेशुजा अकी बेटी केसाच शादी करने (एं) ह के वहानसे पोसस्रिदि धकी ऋप ने बहुतसे ऋादिमयों क्रीरवादशा विक्तंसाथ्रवानेकियान्त्रीरपिछे ५ उपिकार्यान से स्नापनी माहसुद्दिभ की शिक्ता रकोवहाना करके रवानेहन्ना-जबसुजतानमाहमागोजकुं उसे पास पहुँचातो म्मन्द्र स्त्रासु ृ । के न्वे में श्री हुं श्री हुं श्री हुं श्री हुं श्री हुं हुं हुं हुं हु तव्शाह मिजमानी की तैयारी रि-धि थे । है । है । है । करने जगमगर जबस्नाकि वि एए। हैं के किल ज़मान तो लड़ाई के सामान से ग्रायाहैतो सिंछान्।रीकी ग्रर जी अजीज बेग गुर्जी बरदार के हायनेजकरपी छैसे मोहम्मद्श्र मीनकोचीउसकी मांके साथ र विनिकियावह हैदराबादसे १२ गरी द्वारी १६ ही क्रोत्तपर्सुजतानमोहमाद्के

رون اجهان بارشاه لا المجيئة الجري تصالعها शाहनहोचादशाहर्स-१०१३ पास पहुंचा उसने होर ज़ियार। शिकायतकतवुल्मुक्ककीकी १० ८ री मार्थि आर क तबुल्मुल्क नेमाल नम् । १८४०। १८५०। संबावनी उसका ननेजाया क्रें भी में भी सिलिय सुलतान मोहमाद हैरे हैं अधी मान्यान मोहमाद हैरे राबादको बढ़ाजो गोलंकुहेमें ३ ८०० हैं देखे कोसइधर माहममद्कुली कुत کا آیا وکیا ہو اسےروار वशाहकावसायादुत्राहेन्त्रीर ہوا۔اوریا دست ہی فوج . बाद्रशाही फीजने कुतबुल्मुल्क فطب الملك كالأ*كبي لوثنا شرع* नामुल्क नीरन्दरनाशस्त्रिया تحطب الملك يخبرمس कृतवुल्यलकं यहस्रनेकर ۵-ربیع الثانی کو چید رآ नाह्मुदि॰कोहैदराबाद्ने गा लकुडेमें नागगयासीर जितना र्वज्ञाना वजवाह्रातसाथ्नेज्ञ يجاسكا كيا-باقيال اور सकालगयाश्रीर्वाकीमालश्री بيوباربون كى حفاظت كيواسط रमोपारियों के असवावकी हि يوسي جله واربه ا ورتو بحي سكّ फाजतके लिये*म्साम*स्खदार لومعه بالنج جهد بنرار **औरतोलफ़चीबेगकोपांच छः** ह्ज़ारसवार ऋोर बृह्त से पया हें से छोड़गया – दूसरेदिन् सुरनतान मोहम्पद गि हेंद्रराबाद पृहुच कर हुसेन सागर तलाव पर्जतरा कृत बुल्मु स्केन मोहम्मद्नासिरकेहाथ (संदूर्भ नाजवाहरातसे नराहु आनक्ते हे

रगहमहादाराहसं १०१३ के वास्तिने जा मगस्उसके पहुंचने ليلے اوشاہی آ ومی सिपहिले वाद्रशही त्रादमी शहर मिंघुसनेजातो कुत्तबुल्मुङ्कवे गादिमयोने रोका इसपर लंडाई **ड्रिशाह्जादेने हुसेन सागर** से जहानहरहरा हुआ था माहमादेश वेगको जुन्न ज्ञादिमयो से लूट बंदकरने के बास्तेनेनान्त्रीरमें हम्मदनासिरकोजो इसके पीछे हुचाथा केंद्रक्र ितया मगर शहर मोहम्मद्वेगके प्रह्मने से पार्ने जुटगयाथाः ऋीरक्रीरंग^{्रि।} जेबका ब्रोदीदार जागोल कुछेने रहताथा हुमाक हाथी और दूस **्ञ सवाव लेकर आया छोत्।** मद्कचा जवाहर का २ हाथी औ रश्होद्देसोनेके साजा समेत अपनी तुरुफ़ से नज़र किये दसरेदिन शाहजादे में हिम्म सुजतानने शहर है अमेज के हादी दादरना वगेराको हुन दिया कि शहरकी इमारती की नातमाम जकडी की है जराक रियोकी ट्रंट मार् और त्रागसे क्यां कोर्कत बुट्यु ल्क् जोमा

اسرانا الجان بادناه كتنابحي كالفااء وجع शाहजहां बादशाह सं १७१३ भिन्दोदगयाँ जिरहो कर जवा ह रातश्रीरजंडांज बीजें। की २ संदुकें २ हाथी ऋी २ ४ घोडेजोसोनेचाँदीकेगहने।स सजेह्वेथे सुलतानमोहम्यदर्भ तज्ञर किये ११हायी श्रीर ह॰ घोडें। मीरत्रमलेके चीक्रबद्दारेश्रत वाबसमित जाकरदिये अतबुलमुल्क जाहिरमेताइस तरहशिष्टाचारी करताष्ट्रा जीरेजे दर२लडाइंकीतेयारीकरकेश्रा दिलखाओर्द्सवनकेन्सीदा रोकेपासमद्द्मगान केवास्त खतनेजनाया शग्रजाद गजेब यहस्तनका १६ दिन राबाद्पह्चामगर् ४६रान्ही स धागोल्डिडेक्रागयाउस खतेही जत्बुल्युल्क की नेजीलडाईबीतयारीकी تاری ک **जोरंगनेबने सुलतानुमा**ह **म**द्कोनीऋपनीफ़ोजसमेत[ी] सनारहोनेकेवास्ते कहलायाराष्ट्र تام ک بطانی ہوئی۔ उस दिनशामतकलदार्देहु३

155 शाहजही बादशाह सं-१०१३ दूसरिदनशाहज़ादेने किलेको घेरे लिया श्रीर मिरनारनां न के सरसिंघ वंगराने सुरंगें लगाक र कृत्वुल्मुल्कको इसक्दरतंग किया कि उसने फागए। बदि १॰ की ४संद्कचेजनाहर औरजड़ा ००० वर्ण कचीत्ने में यो को मीन कचीत्ने ऊचीजासें जो हुवे मीर फसीहके केहा चननकर अरज़कराईकि रेंग् हैं। पूर्ण हैंगे में जयनी माको कस्तरमां करा क्षां कर् नेके वास्त नज़राने समितनेजता हूं मगर प्राहज़ादेने खंफगीसे मीरिं र फ़सीहं के ऋबरूनहीं बुलाया-श्रीरजवाहरातची नहीं लियारे किन अपनी फीजको गोलंदाज़ी किर्टिस तेमने करदियां-कुतबुद्युट्कनेनोशाहनादे कायहस्त्रवापन्मारत्मिकसाठींहैर्ड ७५० वास्त तो अपने बह्तसे आदिमयों के विरगीगरीकेतरीकेसे नगकरने मिल्यां है। को जेजाजोदखिनयों कापेशा विश्व क्रिये क्रिये क्रिये थाउनकालड़नेकीन्त्रानाकुळ ए ५५० हिन्द्री द्रवा कर नागजाना औरिक प्रेम हा कि है रम्माकरलंडनाविरगीगरीकह दे लाताथावेलाग मिस्त्रा खंकिमोर्चेपरश्राये इधर से

माल्इजीद्खनी फ़ीज**लेकर मद्द** طرون سکے آ ومی مارے گئے ज्जादमी*मारे गये* जोर १ हाथी बादशाहीतशकरमेंपकडात्राया ध ك كريس يكزاآيا -शाहजादेनेमीरजुमजाके *जानेकोञ्जादमी नेजे जोकरन दक्षमें या इतने में अन्ह*ज़ारस वारञ्जोर२••• वरकंदाजकरना रकी*लड़नेकोञ्चायेची*प्रगंजेब उनकेमुकाविलेकोखुदगया-दरवनी १वडीनारी लडाई ५नड करपीछे के। इंटद्सरेदिनचांदाक ज़मीदारमददकेवास्तेहाज़िरुहुत्रा .कुतबुल्मुक्ककानमाईमिर जान्त्रहमदनीसुजतानमीहम्। ५९,५५।५५० दक्षपासकसूरमाफकरानेके वास्तेहाजिरहोगया-रगयस्तार्व) इफ़तरवारखी थे।रनसी रखानी पहुचकर शाह

रायस्तार्वा इस्तंत्वारखा श्रोरनसी ररवाची पहुंचकर शाह नादिके शामिलहुवे श्रीरञ्जव न येसिर्से मेरचे लगायगये-फागशसुदिश् कोबादशाह काफ्रसान जिल्लास्त्रश्ली काफ्रसान विल्लास्त

ا جهان بادننا ولات البحري تصوياء الم *शाहजहांबादशाह*सं ७१२ लायेजीकव्लह्वे ग्रोरकत्बुल्म् ० धीर देः देशा ज्क के क स्तर ९ किरोड की पेश है के देखा कशमयपिछली बाकी के रखंदि यों मेंदारिवलकरने के इक्तरार्पें हैं। वरवशेगये श्रीरशादीकी तारीरको वहूतमीदली जो केबाद मुक्र र्राहुई ९लाखरुपयमीरजुमलाकी ७-५ नेशकशासिनी क ब्ल हुवजीउस रेशिंट होरी के व्यान नेकरनाटकसेनेजीथीं-فظب الملك كى مال جسب कुतबुल्युल्ककीमांजबयेस-बबातें तयकरके वापमगईताद विनयोसिन्नीरबादशाहीन्त्राद् रिंग्नीर् भेयों से जी घासचारे के वास्ते जंग लमें गयेषे लड़ाई हो पड़ी बादशा है। ये के के किए हीरनशकरची मददको जापहुंचा १५७% चेंद्रा छ १५५३% रिद्नतक लड़ाईहोतीरही जिसमें 🔱 🏸 🕏 १००० १५५५० बहुतसेन्त्रादमीदोनोतरफकेमा ७० विन्तर १००० १९० छैर د ونوطرت کے مارسے سیجئے۔ रेगये-مهرجمأدى انثانى كوسشا مزاوه चेतसुदि १४ को मीरञ्जमला ने याह्ज़ोदका डोटीदारमीरस्त्रब

शाहनहाबाद्शाद्सं १०१२ **१३३** इमेन सागरतलाव परशाङ्जादे खिदमतमें हाजिरहोकर मोनेकी इच्चाहीमी(मोहर) श्रीरदू सरीचीजें ननर्की श्रगहजादेने उसको खिलन्त्रत जडाऊजीगा सर्पेच्रेन्डाक नमधर रघीडेश्रे २२ हाथी जिनके साजचांदीसीन के थे स्नायतकरके बैहनेका हू क्म फ़रमाया श्रोर इकंतमें कुछ द्रिंदिए होंगे فنأتا كالهيثة اركهها وسكى جأكيزعال كرع सत्नाह् कर्के विदाकिया-दुसरेदिन किले से मोरचेउर लियेगयेश्रीरशादीकामहूर्ती मुक्रर्रहोकर काज़ी श्रीरमीर अदल निकाह से वास्ते किलेमें गयेउनके साथ शाह्ज़ादेने कुत् **बुल्मल्क केवास्त खिलञ्चत** ज डा़ऊ जीग़ा(सर्पेच)मोतियोंकी मातान्त्रीर रहाष्ट्रीसोनेचांदीको تفطب الملك فلدب साजगीर्जरीकीभूलकेनेने-१५०८ कृतनुल्मुल्क किलेकेदावाँ -191-17 तक खिल्त्र्यत लेनेको ग्राया ग्रीर

शाहजहांबादशाहसं,७१२ लायेजी सब्दाहुचे ग्रीर कुत्रब्दार्गण्य जिसे के सूर १ किरोड़ की वेश ए¹⁶ कशमयपिछली नाकी के रखंदि -यों मेंदारिक्टाकरने के इकरारपर वखरोगये श्रीरशादीकी तारीरकर्न बहुतसीदली*जें* के बादमुक्ररीहर्डी *९लाखरूपयेमीरजुमलाकी* पेशकश*मेची क बूल हुवेजीउस* नेकरनाटकसेनेजीषीं-कुत्रबुद्युद्ककीमांजबयेस बबातें तयकरके वापसगई ताट खनियों री श्रीरबादशाही स्राद (अ^{एं}) मियों से जो घासचारे के वास्ते जंग तमें गयेथे जड़ाई हो पड़ी बादशा ही त्रशंकरनी मददकी जापृहंचा २दिनतक लड़ाईहोतीरही जिसमे बहुतसेन्द्रादमीदोनोतरफकेमा ७०१ रेगये-चेतसुदि (४ को मीर्जुमला ने शाहज़ादेकाडोटीदारमीरस्रब दुल्नतीफ़केसाथुक्रनाटकसे

शाहनहांबाद्यपद्वसं १७१२ १३३ वीजें नजर की प्रगहजादेर २ हार्थ) जिनके साजचांदी सीने थे इनायतकरके बेढनका ह क्म,फ़रमाया ग्रोर इकंतमें कुछ सप्नाह करके विदाकिया-दूसरेहिन किले से मोरचेउर लियेगयेश्रीर शादीकामहत अदल निकाह के वास्ते किरे डाक जीगा(मरपेच)मीतियोर्न माला श्रीप रहाषीसोने चांदी के कुतनुल्मुल्क किलेकेदावा तक ख़िलञ्जत लेनेको जाया औ

- १३४ रगृहज्ञहांबात्याहमं ५५१८ श्रीर इन लोगों की वदीं ९ रविली में बहिदागया-वैसारवबदि ६को सुबहके व क्तमहूर्तपर निकाह पदा गयाक तबुत्मुरन्भ ने १४ लाख रुपये के जवाहरात बेगरा स्रीर रामगढ काइलाका जोचराड श्रोरविद्रश की सरहदपरहै ऋपनी लड़की को देहन में दिया . बेसाखबदि १२को मीरशमशु दीन श्रीरमीरताहर नोगर कृत्यु *खुरु*कवीं वेटीकाडोला बुंडेमान सनमानसेलायेश्ःजालरुपयेजीव ामेरोक्ड ऋथियेवह प्राह्जा वैसारवसदिर कोशाहनादार्छे रराजेन्मीरजयस्माके एकानपरम् १हीरा विनातरा शहुआ। ६•मोतीश्नीलम् بالمان طسساليتي .जिनके साजसोने

إجهان باد نذاد تمت في ويشك إليا शाहनहोचादशाहर्तः १०५३ चादीके हो रगहजादेके नज़रिक येग्रोरइसके सिवायशाहजादे के वेटे मोहम्मदमी अञ्जमञ्जार मोहममद् सुलतानको नीवह-त्कुछदिया-वैसारवसुदि १॰ कोशाहज़ादे ने गोलकुंडे से श्रोरंगवा दकी हैं है । है । है । है । तर्फ क्चकरकेशायस्ताखाव गेरा त्रमीरों को वाद इनायतक रनेरिवलग्रतजवाह्य जीपहार्य घेडों के अपनी अपनी जगहजा नेकीरुखसतदी-يهيول كثاره نقاره نشان मीरजुमलाके बास्ते बादश्रां हकाफरमान् प्रवस्वतन्त्रतस्य मा जंडाऊजमध्र फुलकरार नकारा निशानना श्रव्यानरंवी कारियतावञ्जीरहन्र्येबुला नेका्ह्रकागुर्न्वयदांर्कहाय हिंचा वहशाहजादेकेसाथ्रथ रगह्नादेने उसको वेसवचीने रेकरजेठवदिश्कोकाजीगारप

हेसाथहजूर्मेरबानेकिया-

शाह्नादा श्रीरंग जेब कंधार

त्रीर अद्गिरके कि सो के देख ताहुस्राजेढसुद् ५को स्रोरगाब् । وركيك قلعول كوويكت

दमें पहुंचा जनयहर्नन्शनादशाहकोप

हुंची तोबाद शाहने उसके श्रीर *उसकेसाथ केम्प्रकसर्त्रमीरों*

के वास्तेरिवलग्रतग्रीर इनाम नेजा जीरबाज़ों के मनसबनि विवासी के प्राणी के प

बढ़ाये जैसे शायस्तरवाकाम नसव असल स्रोर इजाफ़िसी प्रिम्था प्रांति हो।

स्रोर् उसको खान जहां बहा दुर कार्विताबन्नीमिला-कुत्रबुल्मुल्ककी ऋरती वा द्रशाहकेहज्र्समंपृह्चीनसमे

उसने न्त्रपनी गरीबी स्त्री२परे शानी काहाल जिखाया बादश हुने २० लाखंक पंथवाबत तफ़ा

کے ہمراہ بارگا ہی باوشاہی یں رواز کیا۔

موارهشیان کو اورنگ آ یا و میں پوہنجا۔

جب په خبر با دست اه کو ملی داوسكے اوراكٹر امرا كے واسطے

ب اصل اور اضافه سسے ह ह्नारी ५ • • सवारों का हो गया है अ خطاب *بمی* مل*ا*-قلب الملك كى عرضى بإلجاء حال فرومين ويركيناني بادشاه

बतीनरत्वचगेराकेमाफ़फ़्रगाये

د ۱۱ اترا مجان اوترا ولا ۱۰ ام ۱۳۵۴ و श्गहजहांबादशाहसं-१०११ 130 باندبون كؤه كازميث إد वांधों गढकाज़मीदारऋनीप ب سسنگمه صلابت خان सिंघ इजहाबादके सूवेदार के فاظم صوبة آلدا بادست بمساه साथबादशाइकेहजूरमेंहाजि ورگاه میں حاضر جوا بادمشاہ रहून्त्राञ्जीर् वाद्शाहने उसकी ३ इज़ारीजातञ्जोन्२*** सवारका فات اوردونبإرسواريت سرفرازفرا **मन**सब्दनायतफरमाया-باوشاه كأانفيات बादशाकाइनसाफ-موم امن متعدي بر मोहम्पर्ऋमीनजी स्त्रतबंदर ورت رنابسکے ا ویرطب का मृत्सदीयारैयतपरज्ञलाक كرتا نتغا باونتاه سيؤأ سكومف रताषाजिसपरबादशाइनेउस कोमनसबन्त्रीरजागीरसेवरतर फ़करके हनूरमें बुलायाजब्यु जे*बरदास्त्रसक्रापक*ङ्कर*लाया* तोहुकाहुन्त्राकि दरवारकेवका-دیں آ مسکے و کیل ن*حا* उसकी ग्रासी नों में मांपछोड़ देवें उसके वकी छन्यानके वास्त बहतदोडे मगर्कु छफ़ायदा न **हु**श्रातबवेगमसाहिबींमुत्सदि كمعامه كالقدام كي جان بمشي योंसेमिलंकर बेगमसाहिवका रुकाउसकीनानचरवशीके वा तिलायेक्यां किस्त्रतवंदर्विगम

۲۸ شاسجان باد شاه کتان ای<u>ن کتا</u>ع रगहजहोबादशाहसं १७१३ ः १३ए لَ بِالْمِن بِمَا إوشَاهِ سن رقعه بِلْرِكِم साहिबकीजांगीरमेंथाबादशाह تدكام مرا أور नेरुकाकोपदक्रकेटकाहका दियाच्योरनाराजीके साधमह گرماحد کو بلایا. اور *लमें जाकर वेगम के बुलायाँ श्रे* ذالك تمسنذر بنورت रफरमायाक्षिस्ततबंदरतुम्हा-تہاری ماکب رنین سے रीजागीरमें हैमुस्ककीत्राबादी, ادرعیت کی مالگذار سے रेयतसहातीहेओरखनानाजी لكأباد موناسيه اورحزانا उसकीमालगुजारीसेनरताहै-وك رمي نزتي ياتاب يرتا ऋोरलशकरनी उसी मैबदता لواره أس في لرسك ظاروں हैफिर<u>त</u>ुमकिसतरहुसमुत्स-ही केज़्लमंकी बदनामी सेराजी ہوجس سنے جمع پڑھنا سنے سکے होतीहो जिसने जमां बढ़ाने के-لم سے اس قدرسنے नामसे इसकदरसखतीकी है-نیوں مین کی سیسے کہ ریایا किरेयतने ऋपने बादन बचे ईसाई यों की बेचकरहासिल जराहे स्र لئ برمجبوری استینے سنیے ميسايوں كو خ كر محصوا रतकाबंदरसातोवलायते केला दमियोके चलने फिरने की जगह ولامتور مسحة دمسون है जो यहर्ववरद्सरेबादरगहेंकी مرب اكر فيرد وسريادة पृह्ंची ताइसमें हं मोरेवा स्तिकित नीवदनामी होगी श्रीर्खुदाकी انفردى يم وك ميا فيرس खंफगी होगीवहतात्रलगर्ही-

والشانجان بادشادكن وكالموالية शाहजहांबादशाहमं ५५१ \$3<u>(ō</u> اطلاع ياني توسفارتسس يحموردي बेगम कीजवयहहालमीहम्म केजुल्याकामान्ह महुत्रातोउसकी सिफ़ारिश हो डदी दसरेदिनबादशाहनेफिर मोहम्मद्श्रमीन जोरसापवाले कोहानिरकरने काहुकादिया **अबमाहमाद्यमीनकेवकील** वेगमसाहिवकीसिफारिशसे नाउनेदहोकर्राजारुघनाथके पासगये जो बजीरायत काकार्म करतायां ग्रीरजसमेवहुतग्ररज्ञ विनती इसबला के याजने के बा स्तेकी राजारुखनाधनेमीका देरनकरवादशाहसे अरजकिया 🗷 किऐसैबदबरवतजािलमके 🎾 वास्तेजोकोई-अरनकरेवहइस लायक है पहिलेसज़ा उसके मिले ले किन इसके ऊपररैयतका बहुत सारुपया बाकी निकलताहै जि मकी नाजिराहो रही है इसीतर हबहुतसाबादशाही खेनात्रीहै. 🗸

शाहजहोबादशाहके ७३३ मोजवतक रेयतका जीरसरका रकारुपयावसूर्जुहोजावेउसके मारनेमेंदेर करनावाजिबहै अगरहका*हीतीबादवस्तृलहें* जानेदोनो रकमोके उसको सज दीजावे-बाद्याइनेयर्ऋरज़मंज़्र करके हुकादिया कि इसकी के द*त्तरवतमे रखकर राजा*रुघना الدكر بن "اكرخوق थकोसोपदेवें सोरैयतकादावा بعابا بعد تحقیفات و لاو बादतहकीकातकेदिलादेवे-ہیں طرح اکس بدکروار इसतरहंबडी मुशक्तिलों से उ मजालिमकी जानक्वी जीरदूस آزارکی جاین بچی اور रेजाजिम्बिलमेंडरगये-भीरजुमलाकावजीरहोना-जब मोध्यलमस्वा मिरग्रमला दिल्लीकेकरीबप्हंचातीबादशा के हुकासे कासमखंग श्रीरदानि श्रामदर्वा पेशवाई करके उसकी शहरके बाहरसे हज़्र्से लेगये يا د ڪاه سائي آم बादशाहने उसी वक्तं उसकी-

دا۱۱۱ شاه جهان باوشاه ک^{ون} بار و موادار 988 प्रगहजहाँबाद्रगहमे ५०१३ दह्जारीजात द्•••सवारकामन मब*न्त्रोप्लड्*ऊकुल**मदानवज़ी** रायतकादेकर २••घोडेखासाञ्री **र**पंजारकरुपयेनकदर्मायत्फ रमाथे-शाहजादेमुराद्वख्याका کے شاہ نواز خان کی بیتی ہے शाहनबाजरबांकी वेटीसे श्रीज ا ولا دینوی تمی استلئے بادشا दन:हुई इस सियेबाद्शाहने मी ہے میرفاں کی لڑکی र्ख़ांकी वेटी से शादी उहराकर् १ رسے ایک لاک लाखरुपयेदहेज़के सरकारसे दिला**ये** श्रोरञसको ऋहमदावा दमेनेनानहां शाहजांदेसेनि भाह्हुन्ना न्त्रीर्*सार्वरूप*येदना कि रगहनादेकीनी सर्तबंदर *चेराजाने* से दिलाये श्रीरउस क्ता*मनसबनीञासज्ञी*रङ्गा फेनो १५ हजारीजात च्योत् १२ ^{सवार्}द्र ऋस्पे श्रोरति श्रसेकाकर्दयाः **बरस३**९वा وان برس कातिकसदि ३ संनत ७१३ से जासोजसुद्दितंत्रमत*्***१**४तकः



۱۲۲ شابجان با دشاه لانار لاه لاا भाहजहां बाद्रशह सं १५९३ مل نام سے ایک شخف کو آس کا अलीनाम (ग्राद्मीकोउसका वेटाउद्राकरगद्भपरवैदादिया है इसवास्तेमाह बदि४कोउ र्गाण्डराव सकेनामहुक्मित्रियागयाकिः दीधिर्वे दिवि नो जशकरदरवनमें तर्ननातंहैं جأكراس ملك اورقلعهو فع كرب उसको जेकर जावे और उस स ا*ورخان جمان کو ہی حکم* ल्कग्रीर किलेकोफतहकरेखां नजहों कोहुक्त्रहुआकि दोत्नता ए के जुन बादपहुंचकर शाहज़ादेके बीजा کے بیجا پورسسے اورنگ **५२से वापंसन्त्राने** तकन्त्रीरंगा آ با و بین رسیے۔ वादमे रहे-माञ्ज्ञजमर्वा निजावतखामि रजासुज़तानञ्जोरएरचुखांवरे د خیره کوبهی باد ش*نا ه سلن* انغاه राकीची घोडे खिलग्रंततज्ञवा रेश्रीरतुररिदेक्र्वहुतस्रीफ़ानस रसमोहिमंपर्खानेकिया-نان كواس تاريخ मोग्रज्ञमखांको इसतारीख بأنيح لاكبه رويبي نغذا وردو तक ५लाखकपयेत्रीर२लाख لاكهدويه كاجواهروعيره काजवाह्रमिल्चुकाथाञ्जीर مل حيكاتها بروقت رخه विदाहोतेवक्तवादशाहनेउस से,फरमायाकिवजीरायतकी

शाहनहोवाद्शाहसं- १३१३ १४४ द्वार्षा मोहरस्रपनेवेटे मोहमादस्रमीन रंगकोरेजावेजीर उससे कहरे ८०५० ८०५० कि रायरायांकी शामिलातमें विंगा है। युन्त्र औरमालकाकामकर द्रिए दिए प्राप्त ग्रीरमनसबनीमोहमादन्म राष्ट्रीय मीनखोकान्त्रसंस्क्तिरहता निर्वे हिल्ली फ़ेसेतीनहजारीजातन्त्रीत्र ३००० ४०१० ग्रां संवार का करदिया-महाबतरवाराजारायसिंघ राज्य भेष इक्तरवारत्वा, इरवं जासत्वा नुस्त रतरना दिनरना स्त्रीर राजासुजा निसंध्वंदेत्नावोताकईनाम यं १ थं १ थं भी वर अमीरोकी ची हुका स्निर्बाग या कि अपनी र नागीरों से जाक रेम्ट्रें ५ वर्ष है। हो हो है। रशास्त्रादेकेपासहानितहेजाने ए १५५५ ५० १ ८५ १ ५ अल्यान्त्राम्बर् कंदाजशाह्नादिकेसायतर्गतहुर्वे अर्गाः कृ २ क्र्रयहों के १रामि पर साजा एं उर्रेश के ससेहररोज़बहुतसेन्त्रादमीमरते पाउन हिन्दू मुन्दू येवाद्शगहनेमी लवियों सेनाहर

ده ۱۲ اشابهان بادشاوسند و مهر الموهاي रगहजहां बादशाहर्स छ १३ नानेकेवास्ते प्रज्ञातो उनकी रा यमित्नीनहीं इसपरधोड़े दिनों केवास्तेशिकारकेनामसेगंगा केकिनारेपरजानेकी सलाहर हरीइसलिये पोससुदि ५ को बा بإرشاه مهرسيج الاول كو दशाहशाहजहाना नादकी किले रारी सियादतर्वा की देकर गंगा है। कीतरफरवानहवेश्रीर४लगा किरीपूर्व तारक्रचों में गढ़े मकते ऋरपर पहुँचे पीससुदि १॰ की नूर्युरेमें जीट **आयेवहायहरव्**बर्पहंच किन्त्रागहरवाजीतानवीवीके تولى اور فو مبدار रोज़ें कास्तव हमी श्रीरश्रागरे **की**तलहटीकाफ़ोजदारथा मरगयाहै इसन्तिये वादशाह गिरधरकंबरकी २हजारीज़ात सवारकामनसब ज्यागरे की किलेदारी, ऋोरफोनदारी; करीबदाकिया त्रीरमहरमरवा केषुतवङ्गीकरकेनेजा-माह्बदि३कीबादशाहनूरपूर

शाहजहांबादशाहमं १७१३ १४६०० १५६०० १५० १६०० १५० मे क्षकाके पहिनमें जमनाने द्रापटिएटी हिंदी किनारे पहुँ में श्रीर वहासे नाव दुंदे के लेक मिनिराजकर पोसनिर शको िएडिए के राजिता किलेमें हा विचलह वे-माहसारे हको कि उतारी व हिए र एएं एक है महीनेकी खाबादगाहने हह वे ين والحل إلوالي वासायुक्तरोनेकात्वारामकार्र ४०६३ ६० १४ ८८३ १ वान्हु आजिसमें प्रकिरीह दाम (१९०५) है। ज्यानिक वान ह्वातको लसे शहजादेवारा देखा हुम् के अंदर्भ शिकोह की इनायतहर्ने अवन देशिक कि कि विश्विति जितन्त्वहिन्सनी ह्र किरोड़्स् में के के के किरोड़िस् मनाहोगई था जिसके हैं कि रेड रेंट जर्ड में जिस के कि गेड्ड प्यहाने छे-स्वतानास्त्वहरशिकोहकीम् प्रांटिकिन्या नसन् दल्लारी ४००० सनास्त्रा की काका की की कार्या के किया है किया है की मोहम्मदश्रमीनं स्वांकातीनहन्ता शृंदाहर् शृंदाहर् शिविद्धार्थ री देंग्या मार्सिकाहीग्या श्रीतिक स्ट्रीतिक स् को हुकाहुना कि अपनेवापकाना ४४ वान्या देश यबी मेंदीवानगीकाकामकरे-कांबुलकी मुनेदारी वहां दुसर्वा ए हैं अपट के नावुलका स्वर्राक्ष्याः । नेवतरकर्षकत्मस्नं नोयाह्नादे । एक्ट्रेन्ट्रां क्रिक्ट्रेन्ट्रां क्रिक्ट्रेन्ट्रां क्रिक्ट्रेन्ट्रां

(۱۲۷) شاہجان بارشار سالی ایشا शाहनहोबादशादसं ७१३ दाराशिकोहकीञ्चरत्रसेइनायत हुई त्रीरशाहज़ादे की काब्ल की जागीरों केबदले लाहोरके परग गर्भ ट नेइनायतुहुवे ग्री२बहादुररनां ला १९१ मा होरकासूवेदार हुन्त्रा-फागए।बदिह्को ह्ण्वांबस्स चांद्रमासकेहिसाबसेश्ररुष्ट्र-नीव्द्तसीव्यविप्रोशेंहर्द् इनदे। नोतुलादानोंके दरवारोंमें जो ६ ० ५५% दिनतक बराबरहोतेरहे देनात्व रुपयंकी पेशकश जवाहरातन्त्रीर कंपडेकी किसमसे कृ ब्लुर्ड्स्य कसर्त्रमीरोकेमनसवबढे जीर वाजोकाइनामन्त्रीरखिताबमिले पुष्ठा इसअरसेमें मरी बहुतफ़ैलग- हैं। ई यी इसे लिये बादरंगह फिरफा विष्यु के अंगिर के कि गएएसदि इको सख़िस प्रको है हैं है। रबानेहुवे ऋगे चेतवदिशका व हैं। हापहुंचे यहगांवशाहज़हानावा 144 दसे ४७ फोमजमनाके किन्रोरम् ८००

ودين شاجيان إدشار والمراث والمراح الم शाहनहो वादशाहमें ५५१ हिमालयमहाङ्क्रेनीचेसरमोर् के पाससहारनपुरके गानामसिथाना कृतेल वर्गिकर्तुः बह्वायहांकीत्रच्छीयीत्रीरद्म।एँएएँएएं।मून्नि राज्यागमयह्याकि दिह्नीसेवहंगतंगीरीगर्गाः क्र नावें १ हफ़तमें आतीजाती खीं में क्यांगिक के री पी नादशाहने पिछलेसालमेइस हिंगेशहाँ होंग जगह (बर्ड) ईमात्तवनाना गुरुत्र की घी न्त्रीरवह अवतयारहे चुकी घी अँ ए कुण है। है। वाद्रगाह्ने इसज़गहकी आब। ह्वाञ्चपनीतवीञ्चतकेमाफ़िक् देखकर्षुस्विक्सपुर्कानाम्भूष्ट जानादर्वान्त्रीरन्त्रासपासके पर्विशेषां के प्रतिकारिक गनोंसे २॰ जारबदामकी जमांकी एंग्रेंग्रिट ए। ए। ।।।। गाव ऋलगकरके उसके नीचे उालिंदेयेजैसेदिली श्रीरद्सरे बंदेबंदे राहरों में बादशाही हो ल राखाने घे वैसाही दोलतखाना यहामी जमनाके किन्रिवनव या जिसमें रह्नाबगाह महल्युस ज्ञानां रवासन्त्रामवग्रेगस्व براوبتا جساس फ़**ड़घेदें**ग्लतर्वानेके पञ्चिम

وومهاا فناجيان إوشاؤك فدوصة اع عادا शाहनहां**वाद** प्रगहसं-१७१४ में (सहावना पहाड़ संत्री से छाया بنردوگر چۇرى بىناسىيە كاپ ك ह्यायाओर। नहर दगज़नीड़ी این نمام عارت اور اس کے जमनासेकाटकर इसतमा**मइ**म عِيون مِن مِارِي كِي كُنُ مِنْي جو रतस्रोएउसके बग़ीचों में जारीकी गईथी जाहरतरफ़ बनायेगयेथे الاين يام لا अवतक इनमें पलारवरूपये २ बरसन्त्रीर्रमहीनें।केन्नंदर्खर ندرصرف بهوجكا نتفا اور बहोचुके थे जीर (लाखकपंये काकामञ्जीरवाक्रीया-बादशाहनेयहाम्हुंचकर> जारवकपये दारात्रिकोहकी छी। पी मंगी क्षेत्र विकास ५॰••्र सुलेमानशिकोहको वि ये कि वेजी इस जगह अपने अपने 🚈 ग्रेंग अर्थ اسييخ مكان بنوا دين मकानबनावे-नईदिली(शाहजहानाबाद)फ कोट च्बरसपहिन्ते मिद्दी औरप **ॐ**केरवरचंसेवनवा यागयाथामगुबद्बरसातमेंज गह्र सेगिरपद्रवाचा इसदिवेध त्रसपहि*द्धे-चुने* ऋोनपत्थरकाके كأخضار فتروع كرايا كما ننسا टबनवाना श्रुरूञ्जिक्तयागयाथा

शाहनहोबीदशाह में १०१७ दीवानमोहमादस्त्रीम् स्तान ए हे गेण वह विश्वास्त्रीम् स्तान برونا عال شاه مندوسیاری درونا عال دشاه विगु खाजाडसमाचील् जीररस् / क्रिक्ट हो सामुनासबमन टिंट एकं एउठ है। 7 केरी जीए का जिल्ला किर्मा किर्म किर्म रवां मीर सामानको हुका दिया र र र र १० ६० छ।। कि सबको दिलासादैकरनाहो दिए = 24 में र्य - 10 रसे शाह जहानाबादमें जिल्लावेसी रूं ८३ ८ ० १ ८ ० १ १ वह सावणवाद ४ को त्वेक्त हानि रेड श्रातववादशाहने किर इला दिंगीत्र थे विशेषात्री वीमनेगके सवारोंमें १००० सवार कार्माकाकरके उसकी महेंडा र्रिंग है। भीरनकारामी बरवस्य नेतिर नम् नेतिर के के के नी म्रद्रानरबाकी मालक्स्सबा १८ र्र्टिण एक वमेंसे जो १०००००० के करीवसी में के के ले रकारभेजनरहञ्जाषा ३••• रबाही मर्वाकी और २००० अवस्टिंग ४१ - ५०७ فارمين فسيديو ارتما سرالك केतीन छोटे नाईसोजीतरनड निर्ण अंग्रेश कियों को मिलाओर बाकी सर र्था कर है। जारिए कारी लेने में जमाहन्या-बीजापुरकीमोहिम عوض داخل خزانه موا-मोञ्जलमात्वाह्नुरस्रेक्तुवसर्त

رم هن شاجهان بارشا ته المستاثث होकरफागएगचदि धकोफीजमाने हैक्क्रेक्रिक्शिए हा,गवर्रक्र वान्त्रीरशह्जादाजीतमामसा दिंग्या देश मानताप्रवानेकातेयारकरन्तु- एः ।११ काषाउसीदिनकुचक्रके १४ दनमचादीरपहुंचाद्सरेदिनिह र्णं म्रि लेन्द्रिकं करीवउतरावहां काक़ि जेदार्र शिक्षीमरजानँ जोबीजापुर्द्धाः ए क्ते अगलेशंग्ह इब्राहीम ऋदिल खाकायुलामयाभ्रीर ३॰ वरससे 🖖 उस क़िलेमें रहताया क़िलासज ज्डिनकोतेयारहन्त्राउसकेपा १००० सवार ज्योराष्ट्रण वंदूक्चीये यह किता है ५ ॰ गज़के छेरे में पात्रीर १२गज़े ऊंचा या इसके गिर्द २५ गजनोडी खाईषीजी १५गज शाहजादेने वहा पहुंचतिही कि जाफ़तहकरनेकाहकादियाओं हैं रमोन्त्रज्ञमर्गनेवर्स्तेहुवेगी रिटिंग जों में कि जे के गिर्द फिरकरतमाम

. शाहजहांबादशाहसं १०१४ ॥ श्रागेबदा गुनीमहररोज जाईदेनायामगर वैसारतस्रि १० दिएए हे क्या है एए क काबेडाइसतम्बोरः र्नुः एउन र कारी से चंदकर त्रायेमहा निर्णा करिए के निर्णा जानसिंह्बंदेलेकोडेरें अन्तर्रिक्र व्यानिक हिसामतपरखोडकरणवश्च द्रां के विकास साल ज्योरहानेर प्वावगराके १ - कंपी है कि लंडनकोगयाद्रलिनयोने एउँग्रंग्राणि मं لزان كي اور إ فلاص خاك والحاق र्वामस्वामीरद्वे भूष्ट्री रखाकीवनातियातनतामहावतः र्णार्ट्यात्रम्थात्मात्रम् लाकरकी जनको जगादि. " تا يتي اوروكوس كا श्रीर न जीसतक पाछाकरके भागी कि एक हिन्दू मियोंकामाराष्ट्रीर को देश है एक है। करं १दिनतो वहारहा क्रोरद्कारे- धरी १८१८ ना ११८१ दिनपीं छानीटा - स्टिन् बीजापुरवाजीनेसेवाजीरम । المروالان ال नजी नोताल को अहमदनगर के - ७० दीका अध्याद्ध **ज्दमारकरनेको जेना** لوٹ ارکیا کی اسلے سیجا اور انہون रोंने रायम् चमारमोदेसे देशकी एक रिश्वार है।

श्गहजहांबादशाहके १०५४ गद्भक्र प्तृटमारश्रक्तञ्जकी शाह श्री२*रावकरनवगेरा*को ३**॰**॰ हज् सवारों सेउनके ऊपर विदाकिया त्रीर*शाहजादेमोहम्मदमो* त्रज्ञ ि २फतरवार खास मेत्र बिदर के केलेमे छोड़ करवेसाखबदिशके कल्याणीकाक्रिलाफ्रतस्करनेकेनासे र्र रूचिक्या श्रीतिवसुदि। की वहां पृहंचक रिकेलेक्सेयरादियाकिलेवालानेतापुबंट रुश्रोप्वाणवरसाक्र्यहतसे व (रगही न्त्रादिमयोंको मार दियाते नीमोञ्जमखाँनेजेरसदि १९की र्वार्रतक मारचे पहुंचाकर किलेवा त्रोकोतंगकियामग्नदुश**मनो**की ^{क्री}न**र्**हत्रजियादाची इसलियम् शबतरवाञ्जोरनिजावतरवादस २ जारसवारोंसे बारी मारी जाकर नराक्र मेधासचानालाते येत्रोर् रिगिनवरी : लड़ाईयाहोतीची जिं- ५ بوركي فوت كا में वर प्रराणजी की फ़ेंज**का सर**ार

शास्त्रहानाद्द्रशाहमं-१०१४- १५५ १०१० १०५० १५५ शिवराममारागवाराजारावासिं| घञ्जीरस्रजानसिंघकोरानीज्ञ द्वार्यस्थातुः रतमी हुने जीर जनके जाक सरजा गृहिंदि हु 2 दमीकामणाचे शहनादेकोकि एंग्रां के हिंदू जाफतहनरनेकी धुनजगीडु रेषी उत्तिथेशनीमने फित्तरी रिंग्स्टिस्ति के सहररोजनादमबदायेषाने जा विदेश द्वा एक ताथायहोतकाकि ३००० सवार - माद्र जमाहोकरवाद्याहीलयाकर विकित्तर कार्ने मेरकोसपर आवहरे तवतो शाह व्यक्ति हार कार्य नादेने असाद बादे ११ की कुलाने के दें के दें हैं। ल हैं के जमीवश्रीमें छोड़करग्नीमक्तेका एट्ड्रक्र एडिस्ट्राज्या पर चटाईकी वहनी रू०००० स्त्वा - ११-१८ र्पाट - १५०% रों से सामने आया बहु जीत की प्रान्त है। बेटोने जो हिरोला घेरत्बला डाई मार्ट्स १८ है. सी इसी नरते दूसरे दरवनी सरवा अंगू एट एक अंगर्ज रोंने नी हरतरफ़सें जमंड कर बोहें 402 हाले मगरवादशाही लगकर ने ब निर्ण पर हिला है। डीमज़र्ती से उनके हमते केतिक के की कि प्रांत्र श्रीप्राप्तर इक्रबारगीहमला करकी श्राराष्ट्रर इक् बारगाहमला करणा वहुत संदुरमनों को माराक्षीरवाकी रेंछे । आणार्र प्रज्ञेन हों

रेमाना देशाह्नाह्न पासप्तर्जाय नुस्य । रेमहीश्रेर्वमीरनेजाकर्ज्यकी ५७५ नुस्टिंड न्य

णीके किलेमें कवजाकियाजिसके श्री क्रिकेट हैं।

किलेकल्पाणीकी खाई योहरकी कुर्य है के जक्र दियोंसेपाटी गईथी उसपर्किली लेवालींनेघासन्त्रीखास्त्रहाल 🖘 🎝 मरन्मागलगादीनिससेवाद्शार्धःं ग्रीत्रीत्रा ही न्त्रादमियोंनेपृत्यर न्त्रीरमिद्दी*डा प्रृं*८७ लक्त्रफिखसकोज्तरक्रीरनमे-ॐ नियानगाका किलेकी दी वारिगरा ५५०५ और १५०० नैस्त्रो क़िलेवालोंने ऊपरसेन्त्रा 🗠 गजलाश्करबहुतसेवास्त्रवहेहु ए श्रीरत्रफ़तकेतेल(चासलेट)भे गेहवेग्रदरेवगेराफेके मगरचे तेर्केछप्रवानकर्केद्सरेसाव एंकीबदि (४को संदरकृद् पड़ेतब दे जावरहंबशी जीन्त्रादिलखंग क्षीतरक्रसे*ट्राई*हज़ारक्षेज़केसा यक्रितेमं या दूसरसाननकी सुदि! हो शहज़देसे जान प्रारमालकी यमान जेक्स्द्र्सोरिन सुदिश्को हानिरदेगथा चीर किलेकी देनि <u>यादेस्स्चीनाः पुरकोचलानाः न</u>्य 11/21/11

साहग्रहानाः साहसंग्रह الإيمان المان المستروعية मोहिममें जच्छी ज़िद्मत बज़ाला येथे न्यपने २ दरने के माफ़िक़रना दिंग कि। मन्त्रीर इज्ञाफ़ोंसेसरफ़राज़िक्यायू-षादिललानेशाद्भारकान्त्र स्त्रीलिसक्तं १क्तिरेड्**ग• लास्क**्रि पर्येकीपेशकरारीकड् औरजवाह रकी किसमसे मये।केलेपंदे ग्रीन ५५८० उप्मकोकनक्रेदेनाक्यूलकी-शाहजादेने वहन्त्ररजी वादशाह्याहै। धी. कु. कु. कु. कु. कु. केपासचेजीवादशाहने५॰ तास रूपयेमाफ़क्रके वाकी पेशकश लानेके वास्त्रकाज़ी निज्ञामकाचे जा भीर शांह्ज़ांदे की वापसन्त्राने कादुकाजारीकरके में।ऋजमखं। केवास्त्रानिखाकिप्रंडे श्रीरकीक د اندكوكن من नकें क़िलों में क़िजेदारवैठाकर स्जरभेन्यतात्राने-. नादनाबदिधको शुजाञ्जतर्*ना* काञ्चल की क़िलेदारी प्रश्नेजागया كابل كى ظعارى بيرسيحاً बादशगहकाबीमारहोनाः بادشاه كابهارميونا चादोस्रिद्धको जानानकबादशाह ४०८ ينوى كوكيووفعة بأوس

(١٧١٧) شاه جائ في الكنار وهالم रगहजहांबार शाहनां १७१४ कापेश्रान्बंदहाकर नुखारन्त्रानाशु रुःश्रदुः आ अदिनत्तक बीमारीदिन दिन बढती रही खाना कुछ गही खायागया किससेकमज़ोरी नि यादाहोगईभगरफिरतकुर्रुवर्वे ' की तजबीज़ से पोदीने और शीर दिवरतंकां सीरबाँ दियागवा उससे र्रं है। १००१ १००० १००० व कछतची जतहरूरी क्रीर जामीज एं एं रें रें रें बीर रक्तीबादशाहने लोगोंकीत ए हैं। है कि मुहर् मझीकेलियेखाब्गाइकेअसे نثا وببنها لمال برام केमें बैडकरतमा**मनोकरों** का स *जामिसयान्त्रीरशाद्*बुलंदश्कृ षाजदाराशिकोहकामनसब् १०५% दुअस्पासवारे।के इजाफ़ैसे ५ रह नारी ४॰ •• * सवारोंका करदियाजि समें ३॰॰॰ सवारदञ्जस्पाधिन्त्रीर ९किरोड*द्*गमकीर*षटाकर*स्माम केक्स-२ क्रिस्ट्रदामकरदिखें औ २७५•••• क**पये जफ़ातके** शाहज हानाबादकीसायरसेमाफकर हेयहदूकादियाकि जहीं हमहींवही

हजहाबादशाहमं छ १४ 8ER 1 नकातमाफ़रहै-इक्कारके में नादोस्रीदश्वको ईंडिंगा एं एं। हनादेश्रीरंगनेबकी ऋजी لونا برا د ه ا ور^یک زیب کی عزی वेटापैदाहोनेकी खुशीमें पहुंची दशाहने उसका नाम सुलता नमोहम्मद अकबर क्वाजीर गेष्णजम्याको बज़ी रायतसे द्रकरके उसकी ग्रीर महांबत (गेवगेरान्त्रमीरोकोजीबीजापुर्१५०८ **कीमोहिममैतईनातह्वेथे** ज लदीहाज़िरहोनेका<u>इ</u>काजिखा ^{चित्र} रदूसरावज़ीरमुक्ररहोनेत करायरायांकोदीवानीके काम करनेकाहुकादिया-स्र्त के ऋख्बार्भेबादश *केहज्र्में ऋरज़्*ह्ई किकाय नवग*जावकी टाहोकर अस्तवी* जकोगया*षा बहां से लोटकर* हृद्धार्थे में ऋगया ग्रीप्रह्तवर्के हा किमंमुरतिज्ञापाशासेदीस्तीपै **राक्र रक्षे उसकी रुगायनसे फंसगया**

د ۱۹۵) شاه جیا^{یا} برشانه ک^ن शाहजहांचाद शाहस १०१६ *पुरतिज्ञापाशानेश्वपनी* खोदियो की मारफत कायनबेग केरिवदमत गारें के भित्न कर उसके खाने में जहर मिजना दिया जिससे वह स्त्र पने जमाई मोसम्पदहसेनसमितम वरस३१वां त्रासोजस्दिरसं **१७**१४स जासीजसुरिश्सं-११५तकः कातिकबदि३ ग्रीर ५को बाद्या हेनदरशनके **भरी** के मेंचैठ कर्ल गोंकीदरशनदिये छोरकातिकवरि ६कोरुवाबदजनेकेवास्तेत्रागर्रक तरफ क्रच किया शास्त्रहाना बाट्की د کی طرف کو پیز کسان ه स्रवेरारी श्रीर किलेकी हिफाजतख जील्लाखंकोसोंपीगई-बीजापुरकीमोहिम-देखनके अर**न्**वार*से मात्नू*मञ्ज म्रा**कि शार्जाराच्यीरंग**नेवबहादुर हुकापुं चनेपरकातिकबदिश्वको वापसरवाने होकर पांचवेदिन दि रमें प्रुंचा श्रीर धेंदिन वहां रहे कर

कातिकसुदि १२को श्रीरंगावादको । १९०० । १००० । १००० । १वानेहुः श्रा का तिकसुदि १५ कोवही । १००० थे व्यानेहुः श्रा का तिकसुदि १५ कोवही । १००० थे व्यानेहुः श्रा का तिकसुदि १५ कोवही । १००० थे व्यानेहुः श्रा का तिकसुदि १५ कोवही । १००० थे व्यानेहुः श्रा का व्यानेहुः श्रीरंगा वादमेदा । १००० व्यानेहुः श्रा का व्यानेहुः श्रीरंगा वादमेदा । १००० व्याने

द्रवार्काहालः बार्गाह्कातिकसुदिश्को र्र

स्तीबदनेलगीमंगस्यबदिपकी शाहबुत्तंदरक्षवालकीह्वेलीमें दारिवलहुवे धीटनवहारहक्रमं

गसर्विदश्को किलेनेगये मंगसर्सुदिश्को पर्ध वांबरस चांद्रमासकेहिसाबसेलगाज्य

चाड्रमासकोहसाबसलगाउसि होतुशोकेसिवायुष्ट्रारामहोनेकी

ए।हजहां बादशाहर्स-१०१४ रक्शोची इसन्नियेजसदिनंदुडीही धूमधामकादरबार्ङ्ञाजिसमे शाह्**नु**तंदइकबालदाराशिकोह कोबीमारीकेदिनों में वरावरहा जिर खिदमतरहेन ग्रीर ऋच्छी बंद गीक्रतेकेपलटेमें १ किरोडकप द्रा यार॰ लाखकी 'कंडीमी तियोंकी भोर**्ध** जारवरूपयेकाद्सराज वाहर्सरपेच कलंगी खासाबाङ्ग **वंदञ्जीर्**जडाऊतजवार्द्रनायत हुई ग्रीर्मनसबमें १° ह्ज़ारीजात कारज़ाफ़ाहीकरवाक़ी के १०००स वारचीदुग्रस्पाहागये जिससे छ। उद्री सकायनसम्बद्•हजारीजातस्त्रीर ॰ दुन्त्रस्पासनारी काहोगया रंसमनसब्कीतनस्त्राहङ्कामस मेत ए३किरोड़ दामकी मुक्रर्रहुई जिसके २किरोड्सांदेसातलाख रपंयसालयानीहोतेथ्रइसके सिवाय विहारकास्वान्ध्रीर १०० चोडे.ची وكموركبي المكود उसके दियेगये-

(۱۷۹) شاه مان بادشاه سند وسنام ۱۳۹۶ शाहजहांबादशाह सं १०१४ बादशाहका छन्ने गहीनी बाद्शाहने मोहजा संस्थाप वाराविटां को नप्रसमार् स्विदेकरा राजकाजके ऋधिकार जी देदिये **प्रे**क्षीरवडेशाहज़ादेकेसियाय बाकीतीनों को प्रत्व पच्छम भीर रक्वनमें हकुमतकरनेकी ने जदिया या रागियों के हबडाया क्रीरउसकायारची क्रियायांई स्रतियेउसको चुदानहीं किया भ्रीरहर्वकान्त्रपनेपासरंकर नाइयों समेजमिला परखने श्री नेकवरतावकरने कीतामीदिक याकरतेथे मगरहोनहारकु छत्री रहीथी इस लिये मेलतो दूररहा जोगोंके बहकाने से वलटी ईखी दिलों में बढ़रही थी जो अवस्क दमसेउघडगईक्वांकिनाद्शातं विद्यान्ति कीवीमारी केंदिनों में ऋगइनुजं द्द्क्वालने कागुजोकाञ्चाना नानाबंदेकरेदियीधारसनेबारएंड

साहजहांबारसाह सं-१७१४ में मरनेकीरवन्तमामहित्स्ता एएं ग्रंथ है है المناع المنافع निर्मे अपने अपने अपने अपने अपने हैं के हैं के हैं के हैं के लिए के हैं के किया है जाता वालके नाई जिनकी इतिक्स ट्रिटिंग्स्थ क्रिजका साष्ट्र दिन बह टिए ए ए एक मार्थ तीजातीष्ठी ताज और तस्वत एउट अध्या के बात्ते र तड ने की तैयार हु वे कि में हैं आ गरे के रूट के मकी अह ज्यात साहजा देखता (वर्ष) है है है है द्वरवश्येक्षे यानी बादशाही — विर्दिण द्राण रीवाम मीर ज्ञाली सकी की की कि दें। दें। दें। दें। दें। मिस्मामानाकाकाताचा अवनेहा ४० दं निर्मा कार् विसेमारकार्यज्ञरातमे अवनीका नेहिंदिन के कार्यात्म राधुहाईक्रेरीयधरशाहशुमाञ्च रिप बंगाले से सीजारे वर बनारसत निर्देश है। है। क्र चलाञ्चाया और खालसेके । ^{त्रकसर**प्रगन**ोकोद्बानेडा-} مالات پر قالبن مو बादशाहनेस्य द्वात्याकीतर (उंडाव्या है) नेसाहाध्यानमदेका बढेशाह दिन्दिशक्र राज्य केकहनेमेपहिलेशहरुउना लाज अपर सुजतानसुलेमानार्थः निराजीका अताली क्रिक्टी के किंदी हैं। थिराजान्त्रनितः हु सेख- | ह

क्रसिद्धोरिदिलरकावोराके २००० मिन्दिये हुं थे। एवं प्रेम्प्रेरी के विदाकिया इसमोक्ते पर राह बुलंद इक् बालनेनी अपने नायबबंहादुरखाको ४६ जारीजा त जोग २००० सवारोका मनसविद्धे एं प्रेमे के शिक्षा मानसविद्धे एं प्रेमे के प्रेमे के प्रेमे के प्रेमे के प्रेमे के अपने तमाम इसीतरह ग्लती से अपने तमाम रसीतरह ग्लती से अपने तमाम एके जो प्रेमे के प्रेमे चोको बेटकेसा प्रक्रिमियां के अपहास वारसमे प्रक्रिमे के प्रमुख्य के प्रमुख्

हुंचा श्रीर जड़ाईशुरु श्रुहुई तोश हशुजाश्रुश्रमगडिराउंडा श्रीर तोश्वरवाना खोड़कूर नागगया श्रीरदरया के रस्ते पटने में पहुंच करवादशाह को करजी कस्त्र माफ कराने के वासे चेंजी चाद शाह ने जी कस्त्रमाफ करके बहु तसी नसीहते जिस्सी श्रीरबंगा जे की हकुमत बदस्त्र उसके था स बहा जरवी श्रीर स्वज्ञानस्य ले भानशिको हकी वापसी नाहका जिसानशिको हकी वापसी नाहका

سب پیرهای در آل ای شروع به موی دو این خروع به خوای این شروع به خوای این غیره این غیره این غیره به خوای در این خرار در این این خرار در این این خرار شده به موی این خوای در این مورد این

महमहोबाद काहम कार्थ १००२ १५०० १५०० होडे होतीय फामाश्वविद्शको बाद् सहिनेशा वे प्रेगाए के भूव हें बलंद इक्न जासन्ती अवने का धीड़ांडी, हैं प्रवादी हिंसुमाञ्चके अप्राप्त तह माने के टिंह है । दें हैं एं ह्नाममें दुलेमानिशकोहकः ट्रायस्य है मनस्व असरल और इजाकर देन एक हर देन रे॰हेजारीजातकीर १५०० सवार्थ्य हार्ति हैं है का ओररामानयसिंघका देहनी कुर्ध है न्त्री स्ट्रिकारी दिल्नरस्वाका ३ हेजारी ३००० सवा एएँड ग्रेन एर ४० १५ १५ रका कर दिया-त्रववार् हेनेविलक्स्यार्थं। द्रारा 1 Fred Steel रामहोजाने सहिलीको वापस । धीए । है मानानाहातीहाराशिकाहने विकास अपने मतलब के लिये जसमें हैं हैं के हैं। इस है। जडालकरकहा के स्राह्मक डिल्प्स्ट्री हैं शनेनंबंबगीकर नां छोड़ दियाहै हि प्राप्त हिल्लाय स्मातियेडसकी बराड में नागात्वे एए प्रेमण्या द्व दि और अहमराबादका स्त्वाञस्र ४-० सेलंदने और नमानेतिलसकाम्। एड्डिंग् कड़ामगाविजधरशीरंगमीवक्र त्व स्मिल्केकी मेशकशकास्त्रवा देश हैं है कि कि

जंगकीतयारीमें खरचकररहां है समेत १६२ जायाचा हिताहै (लवालेग्री) रक्जानानी मंगवाले गदश्गद्रकादिलतोऐसाकर ब तें नहीं चाहिताया श्रोरनएसाव रन्। मुनासब्या जे किनदाराष्ट्रि ब्पे**रने जोरडालक**रलश्कर वा **पर्सानजवाने के लिये सजाव**ल निजंबाये जो ऐनं उसवंबत्पर चेकि श्रीरंगजेबबीनापुर्फत हकरने के लियेश्वाने होनेवाला या रनके पृहेच्ते ही जंशकर में रवलबली पड़गई न्त्रीन महाबत रनावग़रा नग़रस्त्वसतके शाह गदेको छोडकरचले त्राये मे ग्र**ञ्जनरवां** श्रीरशहनवाज्ञरवा री आतेथे लेकिनशाह्नादेने उनके। मुकडुकर्दी लताबाद के किलेमें नेजदियाओं र उनकामार्ल

शाह्महोनाद्रशाहमं १७१४ ربين نادمان وشاه بير مولاء عود भसनुन्जनतकर् जिया श्रीप्रबी जापुरवालोंसेसुलहकरके श्री ب ضيط کرايا اور रंगाबादकी क्रचकिया فابور والون سيصلحك बादशाहनेनाराजहीकरञ्जप पांट है। ने खासदस्तरवतों से जिस्ताति । अन्तर्भा जा। या उनवे गुनाहसीयहोंको छोडहो। व्यानिय विक्र और अपनी हरसे कंदमबाहर - - 19 6 120 500 मतर्त्वा और शाहजादे सुराद्व विश्वेता की कार् रवशको जिलाकि हमें मोहबत ए विस्तृ पदरासतम्हारेक् स्त्रोंसेन्त्रास्त ए **बुं** पाकरतुमको बंराहका प्रस्मान वेतहें वहां चलेजान्त्री नहीं जान्त्री दिला है। गतासलामान्त्रीम स्वक्तानी दिन है है। के जनावमेंदीनोजगह सेञ्जर केश्टर पह दी माजरत लिखी आईतात्रीबंडे बिंदु ए के कार्य शाहजादेने कहस्तुनकर राजाज पू सवंतिसंघ की हजारी गातनी रहेजार समारकी हैजा है से उहा क्यां है। जारी के सेवारका मनसव रूप में में के के घोडे श्रीर रामास्वकप्यराक्ष्य हो है । हो है रमालवकीस्त्रेनरारीदिलाक्तबहुतः र्राउठ । १५००

۲۲ جادى الاوا सी फ़ीज से फागए।बदि न की उस तर्फरवाने किया ग्रीरका समस्वा १००० क्रोग्रहमदाबादकी स्बेदारी है। रंश्लारवरुपयोदिलाकरंफाग م نقدد ل*اکر* एस्रिद् १कोशनरातकी तरफ़िन जवाया श्रीरकहाकिदेगोसरस **एउजेनमें जाकर मिलें प्ररादवरन** بین مین *جاگر جمع میون!*گ शजोबराङ्कोनजवितोञाक्रर س احداً باد خالی ما *ञ्रहमदाबादउससेर्*वालीकरा نة جاكراس سنے خالی वेजबयेदानां नादानुसादार्ड اوين جب بيب وونون ज्ञेनमे पहुँचेतो प्ररादबर्वशाब **दृतसा अशक्रे जैकर इनसे** ल उनेकोन्माया ग्रीरफिरम्नकेला लडनास्त्नाह्नः देखकर्शाहज्ञ दे श्रीरंग जेबसेजा मिलाजात माम् कुम्बीलश्रक्र लियेह् चेबादशाहका मिज्ञानश्चनेके नामके जलाञ्जारहाथा जीरंग नेवने उद्धेन **केपासणांव ब**लूव पुरेमें पहुंचकरडेराकरके बहुत चाहा*कि राजारस्चोर्*देश्रीरसुलह

करपी मार्गन असने ना नाता । ३००० सनारासिमेदानेभेत्राकर हिन्दी है। लडाई शुरुअसीबादशाहीश्रमी दिएए हे द्राणी रीने बहुतवहादुरीक्शियहातककि ग्रेन्ट्राइन एंग्रहान वक्तिसंघहाडा और अस्तुनको विश्वपूर्ण कर् ड शाहजादेके ज्ञाकर की चीरकार अंग्रेस प्रमाशिक उसकी सवार कि हा शीतक जाप (धार दिस् हुचे और वहादुरी वनमकरबारीका अग्रेन्स ६ -६७॥ हम्भन्छ।तरहसे बजातायम्ग (१०६०) १९९० रहे रमददन मुहंचनेसेदोनोही ५००२ हिन्द्र ग्रीटिशिह ८० नवतासमतनेकनामीकेसाच प्रिकृतिकार कामञारेजसवक्तराह जोरेज्या दिन्ध्य दिएएट दब्स्त्रानेहमलाकियात्राजाने 2000 रेकासम्द्रनादोत्तरफ़केदवावृक्षेत्रीय एंड्र-एट्रश्नून्। बरान्तरचारानिमानेष्ठगह्नाहे चार । १ हुन् १ वह देश पांचलीमानक पीलाक्तकेन्त्रमा विद्यानिकार्थि मैदार्गनल्डनेश्रीर शदिननहां हरूर व्यक्तिक हिंदू ५०% न्त्रागरेकी चलिस्य का विध्यम्भित्रिक्तां प्राप्त नादशाहने यहरतन क्रिनम् अ पने जायक एउड को की रोक ने के जिल्ला वे नेहनिह (वर्गी सामिनी सहात्ताकर के

كافسري مين رواندكياا وردهبت *शा*र्बुलंद्रकवालकी त्र्रफसरीमे کے وقت بادستایی ملازمون او रवानेकिया श्रीरिबदादोतेवकाहरै بشا وبلندا قبال کے یؤکرون کو क्रवादशाहीचंदे। ग्रीरचंडे शाहजांवे الغام فلعت ما عنى إوركبور ب **क्षेत्रोकरें को इलाम[ख्लिञ्जतञ्जे** ره ، مُتَمَيَّةُ اورسلطان داراستُنگو^ه रशयीघोडे वगेरेदिये औरशाह बु लंद इकबाजकोदेरतक छातीसे ت اور فتح کی و عاکرے او लगाकरजाने की करवसंतत्रीर ا سوم کرکیا کہ جا تدی کے کم फतहकीदुस्रादीश्रीरत्रारवींमेत्रा بست راته برسوار نوبب بجاتا موا सूनरकरकहाकिचांदीकेकब्हरे جامدا ورجب كبكر شابراره *दीपोलसेरथपरसवारहा*कर*न* ङ्गाराननाताङ्क्षानवित्रीरनव حیرت مین د وسے بری لکری سے तक किश्गइजादादरवाजेसे बाह (निकलाबाद्याहहैरतकेदरि دسیجتے رہے اوراسی دہ *पागेड्बेह्बे जन्डोके* सहारेख डेस्ब्डेडसकी तरफ देखतेरहे उ सी बक्त वेगमसाहिबने ९रवत जि**खकर** श्रीरंगजेबके ने वरवशीमोहमादफर्स्, रवकेह य नेजानिसमे लिखाया कि बे اور باطن مین بات ب :गार्**से जो बजी ऋह्द**चीहै जड नाजाहिर स्रोरबातिनमें वापसी

शाह्यहानाहरगहमं १०१५ المان والمعالمة المعالمة المعا अस्तीकरनोहे श्रीरयहबातसत्तेध उट्टान्टर् में कीमानने श्रीरखुराकोग्निहेचान अट उपाधनाउ ने की नहीं है चाहिये कि अपने मा - एउ लिककारिकाविलाकरने और इ एकि है एकि है। सरमज्ञानके महीने में रोनो तर्फ़ टाटांग टाउंग के मुसलमानोके मरवानेसेडर र्र्य का अन्ति है। कर्जहायहरवतपहुँचेवहीठहर विकृतिक दे का किंगीत जाने और अपनी अरजे लिख र क्रिकेट के होंगे नेजो सोमजूर्करादी जोवंगी । धीर्वार्वार किं जबगहरवतः श्रीरंगजेवके पास रिल हेर्ने का के रहुंचातो इसकेसा घही यह नी एट नी है। रनवरयहुँची कि शाहजादेदाराष्ट्रि संग्रह् कोह नेधीलपुरमें पहुंचकरचंव टिल्टिं प्रितिष्ट्र जके नमामघाटरोक नियेहें श्री एं एट रंगजीव जसीवक्तसंवार होकर वा जन्मा गाउँ। प्रमाण दर्भ जैनमीहारोक्तरस्ताबतानेसेन्हा को उत्रमाया श्रीर बत्वशीकोत्त्व र र्रेड्ड १ १ १ १ १ १ संसदेकर बादशाहका सिवदमताने उन्कृष्टे । ८,८ अस्ती जेजी जिसमें जिस्सीयाकि 2001/16 बरे साहजारेने स्मापकी बेसाख ए रूर्ट रिप्टोर तियार करके मेरी रक्राबीयरकम् ج إلى ير

(۱۷۹) نتاجان إرتبارك ورفعالم مع وم शाहनहों नार्शाहरी ७१५ बांधलीहै ऐने मीके परजवन जापुरकी मोहिम्मन। चाई महोनेवाली श्रीसरवत्रवाकीद ज ىدى*ت د*ىد وابى *تەركى* كى शकर को वापस बुलानेकी लिखी श्रीरवंगरिक्सीतकसीरके **वरा**ड कास्त्वामुभा जैसे हुकाउढानवा اغتنا وسع تغيرك كياش जेबेटेसेउतार करउसकपूतको المفلف كوولا ماكه جوم दिलाया किजो बहुतसी वे अदबी براد بی اورعدول محمی کرچکا ت**قااور** त्रीरग्प्रदुलहुं कीक्रश्चकाया इ सपरनी संबरनकरके जसवंतरि عمفا لمديربيجا وريقسد हको मेरे खका बिले पर्ने जा श्रीर لياكه منتبيلي بيربجي زمين ميرسه यहचाहाकि १हथेजीनरनीज اس زید آیسید انتیاری मीन मेरेपासनरहै छापता वेञ्च سے جو وہ کتابے وہی کرک खितयारहें जो वहकहताहै वही مین اور آمسکی نما طرسے د करतेहैं जीरजसकी खातिरसे द सरेवेटोंको(दुशमन समभ कर तावंह चाहिताहै हुका िख देतेहैं यहहाल देखकरमेंनेयह गतवानीहें किर्वुदहानिरहोक रजो असलहकीकतहै वह आ पकोसमभाऊं नेरा इरादात्रापकी

शाह्महाबादकाहमा भाषा १ १८० व व १५००११५० वर्षा जरमंगिती के सिवाय ग्रीरिक्सी रिजा को कि की रिजा तरहकानहीं है जो जीरतरहहोता हिंगा है। तीराजाओरजसके साधियोंकी प्रिटर्ट के दिन अंशिक्ष मडलेना कितनान्डाकामयान्त्र विजन्मिति वसुनाजाताहीके शाह असंदर्क रे एं एंटर में १९१० एग बात्न वक्तावित्तेके इरादेशे घोलपुर्नी हैं है में द्वारा रमें मुहंचेहें लेकिनडाफ सरीत्रे नार्ट हैं के दा स्यानेदुशमनपर्वनकीजीतहो 👇 🚧 १००० नेवाजीनहीं है इसात्मये वहत्तरय र्र्ड एक दन्द्र दें रीहे किटालादेक्रपंजाबकीजो ५-५: १५८ उनकी जागीर में है चरने जाने जीतर हज़्रीकामीकामरीरायपरखोड़ रिज्यार केंद्र देवे कि फिर्मेसे अप्रापकी रायहों देन स्ट्रिंट १० १९ १० गीकियाजावेगा-न्त्रीरंगाज्ञेबनेयहन्त्रस्नीरवा ७१२-५: र्रहा إلى الما المولى ما ولكا-नेकरके लड़नेके वास्तेक्ष्मकि विर्धार्टिश्य है। याजधारतागाशिकोहनेनोवाहका प्रतिकारिकाट हके पार माने केमाणिकालायकरसम्म रिडाइटकर्टिकार्टिकार मिल्लाइमेन्द्रतक्षणम् वताक्षारं र्रिटिंगार्थान बहादुरीदिरमाईमगरतकदीर्क नामिनिविधार्थे ससेबर्जीहुईथीइसलियेसबर्के ८०

د (۱۸) شاہجیان باونمار کا بیٹر صلاح ، وجع श्रारजहांचाटशाहसं-१७१५ दिलाजससिपिर्गयेथे श्रीतहोस्त दशमनहोगयेषे तानीकस्तमसं ىتە ۇسال ئاۋارال<u>ىر</u>زوپىنگ रावशनुसालहाडा राजास्त्रपति घुराबेड्:रामसिंह्राजासेवाराम गीइ स्रीर म्यर्जन व्रोरा राजस्त-ध्रेम्थर म्यर्जन الما تداهر كارة ك اوركانة सर्दारनीबर्ड)बहाद्रीसेलउक् रकामग्रायेग्रीरंगजेवकेहाणी سے ی آدمی ما تی رہ گئے ہتنے के पास घोड़े से ही जादमी रहग येथे तोन्नी बह्न्सपनी जगइजमा تابم وه این جگه پر جار لا اور دارات کوه جه جلدی کرسکایت रहान्त्रीरदाराशिकोहजलदीकर के अपनेतापखानेसे आगेबंद कि है दे । वहतलाग उसकी छोड़कर नागयेतीसचालीसन्त्रादिम योंसे ज़ियादा उसके हाथी केन्नी गेपिछिन रहेतबनहलाचारासे । गकर शामके करीव आगरिमें 🗸 पहुंचा जोर १ पहर से जियारा नी ब्ह्रकरजाहारुकीत्रफचलियाँ श्रीरंगजेबफतहपाकरंग्रस दिनतोहाराशिकोहकेलयाकर कीजगहरहराशीरद्सरिक्नः ए क्लान

स्महनहाबारकाहर्स-१५१५ १८३ मुळा-मुन्निम्मिलि क्रचकरकेतीसरेदिन त्रागरेकेया संबागन्समहत्त्वमे ऋजतनास्य द्वार्गार्थः एक्ष्रिक्ष न्त्रमीरन्त्रीर्वजीर बादशाहको छ रेवर एं। डेकर इजाफोकेलालचकेञसकी पासहाजिरहोगये बादशाहने इस बातसेद्रस्वपाकरफाजिलस्वाके राजिल्ला हाष्ट्रे श्रीरंशाजीवके पासफर्मान एए के अर्थे के वि नेजा ग्रीरकुछ बातेज्ञवानी नी कहताई जिनकार्वुलासा यह था कि बहुतिर्नोसे हमारादिल प्रिंग्टिश विम्हिरदेखनेकोचाहिताहमम । ५५,३ रें हे म्होरायहोतक पहुंचकर नी । दे वे । १९१५ अपनेबापके देखनेकीनञ्जाना ०२८६१ कि जिसने अभी एक सर्वतसर् ७५५०० मांबीमारीका उहाकर्नयों जिंद ए १ है है है है है गानी पाई है सिवायक होर पनेके राउं प श्रीर्क्यासम्भाजावेग्श्रीरंगजेव नेवाद्शुक्रयेके लिखाकि में कर मनोसी के शोक में दरे दोजततम् कार्य है के कि कि कि तो पहुन्त्रही गया हुहन्त्रमेनी किसी एक एउँ ए से अंटिए सन्बे महूर्तपरहानिसहोनाकंगा है संग्रह

शाहनदावादशहरमें धंश वादशगहेनेखशहोकरदसरेदिन फिरग्रफ जलखोको बहुतसेन बाहरदेकरबादशगहकेलानेको नेजाभगरन्त्रवत्रीशाहजारान्त्री रकान्त्रीरहोगयाचा की किलोगे नेउसको बादशाहकीतरफ़ सेव हकादियाया इसलियेफानिल िं खानेवापसजाकरजोदेखाचा बहन्त्ररज़ंद्ररिया वादशाहनेता नी खली जुस्त्राखों की फाजिल खं के साथ जेजकर फिर जिखाकित हफरजिद्तीहमेशा सेन्त्रपनेवा पकाताबेदाररहाँहै फिरम्मबहतने ह क्रोरपनकाक्यासबबहेफाट्न जरनातो बाहर खंडारहा जीरखर्ज चुह्नारवाने खिलवतमें जाकर गदशगहकी केंद्र करने जोरउनसे केला वरवजानाङ्की नलेनेकी सलाहदी न्त्रीरंग जेबने नससिह । तसे खलीलुझांखांको तोकेंद सिरिया श्रीएफा जिल खंसिक ह ولماور انسل فانستها

الاشاخان ارتناوك الرجيلة किलके दरवाजेकी के जिया ઝાર્સનસાને: મોળાર્નેસનેણ प्रतेशसम्बद्धितः जिल रूपा होग्रह प्रत्यहर क गराजी दरवकर करना वारीमेता वालीकर दिया उसी दम श्रीरंग लजानो श्रीरकार्यवानोपर मोह का ञानाजांनाजारीनरहास्त्री वहिकटाउनके वास्ते केदरवात हेग्गया श्रीर वेबडी तंगी से ऋष नीबाकीउभरतेरकरनेलगे 🖰 के संख्दक) जगहहे कि शाह हाबादशाहजिनको जमानेने ところしか2 रत्रहें से मदददे के रहेश ने राकर الزكامراك كرتكايتا وزجوانية रखा था और जोनेराके मोहज Saka tord नतीजेको

(۱۶۷) شام بان!دشاه کشند و ۱۴۷ गर्जहां बाद रेगहरे हैं। बलेहवेथे एक्ट्रम तक टजानेसे किसी खायकनई जताया श्रीर जिनकी हो ज सेजियादाधीवह ऐसेलाता શ્યાના કરવાં કરિયાના માન રાના ફાયમાં અંદિરા અવનેવ पुनाहरू।इयोक्तानान्त्रीर्<u>यो</u>व हियो बेचफा इ.करके बनको सुर हाली छोडगुई दनके प्रदादाह संयूचादशाहकी जो फज नाईये के सा एइदसे जियादा महरवार्ग कर*नेकामित्नाष्ट्रा*जर् जरहकर दृन्होंने जी ऋधा धुध माह्यतस्त्रपने बेटों के सी प्रकी *थीउसकानतीजाउससे* जीब (जीरंगजेब)को जिखाया कि यह द्रनियादा रूलमुकाफातह استونت اس کا دل तो*उसवन्तप्रन*कादिलजसूर

हबदलाउस बरतावकाही के ज तने अपने वाप सेवागीहोना इनबाद शाही रवानदानमें कई पीटीयों का वि सायानीदायनाग्यापहिता हांगीरनेन्त्रपनेबाप न्त्रकवासे ब गावतकी मगर (परदेकेसांछ-पि रेशाहजहाने इसधे डहें से की कि बापकेक्पूपरचढकर्गयहज्ञरत श्रीरंगजेब सबमें सपत निकले कित्रवतन्त्रीर ताम छीनकर ब पको कैट ही कर दिया वाकीहाल इसवादशाहका है में लिखांजांबे निर्माण के विश्वानातीज होनिकाभनेचे लीकि कालात जनाय नियमका विकास करते हुन

(۱۸۹۶ ایمان آوساهٔ शेषसग्रह अबकु छ फु टक्स्हाल शाह जह राज्यके लिखेजाते **अमलदारी**ः । शाहजहांकी अमजदारी अक बर्भोर्जहागीर्सब्हतवदगई योजनकी संज्ञतनतकी लंबी दी जरहरी बंदरसे जोडवे के प्रासं सेलहरतक र॰॰॰ को मके करीब थी त्रीरचोडाई किलेबस्तकी स الق متوليكالسي (हदसेजोईरानकी श्रमलदारीसे मिली्ह्रई यी ऋडसे के किलेतक नो कुत्वल्स्क्रकी अमलदारी केपासचा १५०० कोसक शहजहांनी रकीन ५०० गंजकारी श्रीरगन ४२ उगलका पच्छम रानञ्जोरत्ररानस् अत्तरम श्रीरति बतसे दक्तनमं गणकु डे जीरेबीनापुरसे पुरवम मगत्रा र रवगमानी त्रम्हा खोर 🛪 राकानर बलखन्त्रीरबदखणास्त्रलंबाईमें खाक्लिनहीं है_

1 46 शाहनहांबारशाह والمتلجان أدفناوك सरहदमिलतीथीपहनी नही स्त्वे बंगाल श्रीरमुल्कमगुब्दीश्रन्तग करती थी कृतबुल्मुल्ककी त्रमूल दारी तेन्त्रागेवीजापुरके शगह्त्रा दिलखांकी सजतनतथी श्रीरदी नोहर्सालरिन्स्नी जेजाक्रतेथे यहरतनालंबाचेखाराज्ञशस वेंमिंबंटाहुन्त्राथाग्रीरएक रस्ते में कई कई सरकारें थे) ज़ीरसरका रोंके नींचेपरगनेथेकुलपरगने ररस्वोंमे ४३५॰ चे रनमें बाज़े २ परगने दिली श्रीर लगहोर के स्वी मेदसद्सजाखकापदाकेथः-स्रवेदारश्रीरश्रमलाः हरमस्वे में एक म्ह्नेदार्रहताथ जिसकेपास*री वानवरवसी* ऋीर वाकानवीस बाद्रशहके ह्न्द्र्से **उक्**र्रहोक्रातिथेनोछपना२ कामबादशाईभ्नावते सेउसके ह्नामे करतेथे... भारकारोंमें फीनदार छामीन ट्रा-

والمائنا وبال إدشاء مسروسير وتوال اور تركتون कोतवाल श्रीरपरगनीमें करीरी रहतेथे को जदारपुलिसकाश्रमी काकामकरताथा-जमाबंधीः نيا جماء كابتدويث 1000 न्तर प्रस्वताया जमापेमायश نے زامل کی جیٹیٹ برم जमीनकी हैसियंतपर वकरो तिथिकालवरसञ्जीरवरसात ्त्राम्दनी े लेल्ड कुलस्त्वाकीजभीनकीजमा **जरबर**ेकरोड्रामकीथी जि ६ फिरोडंदाम े ध किरोडदाम ६ किरोद्धाम स्वाञ्जनभर स्त्वादोत्तताबाद ५ क्रिग्डदाम स्वाचराउ **५३ किरोडदाम**

शाहनहां वादराह असलायनरात पर किरोद्धराम् विकेशक विकास प्तवावरात्वा ५ विरोहराम् ८०% एसबारलहाबार ४१ किरोहद्राम् (१०००) १९सुवामालनाः सः क्रिरेडिनाम (१) धिस्वाज्ञानदेस ३० किरोड दाम १२ स्वाञ्जवधः ३९ १३ स्वातिलंगाना ३० १४ ज्ञानामुख्यतानः ३० कि रोड्ड्स्म शम्बाज्यामाः २० निरोद्धसम् (१) १६समानानल १६ क्रिगेडनाम (१५) १७ सना करामीर १५ किसेंड राम रहम्बाइब्री ह क्रिकेड्सम १ स्वानज्य हे जिनेहरास रे जनामं धारः है जिलेखाना है रम्बाब्दरवरंगः । क्रिकेटवाम बिलायवबग्लानार्कितिहस्सम् यह जमासास्त्र २० जल्लुस्मिधी इत्समका प्रशिनामात्रास्य में प्रमान्द्र किरोद्धराम्ने हु विकायमेहोतेथे तथ । हाइस कि पहिलेयानी जनमार्रशहमुख्तु ।

शहनहोबादशाह प्रविष्येतोः क्रिरोडकारीस<u>ल्</u>क था और = किरोड़दामंदी ऋामद नीके इसबेबादशादके सहद में **फतहहुने जिनके नाम येहैं** -*९म्बेदो जताबादके जिले स्थिति* स्टार्म रस्त्रातिलँगाना ३० किऐडदाम ३ स्र बाबल रव ६ क्रिरोड्सम **४ स्ट्रांकंधार**ः **७ किरोड्ड**राम् पस्तानदर्वशं ४ क्रिंग्डर्म ^५१ ६ विलायत वंगलाना २ किरोडदार्ग भ्रोर १ ग्ररबदामकी जमावादशा एँ हसे ज़दल जीरह नजागसे २९ **दरसेंग्नें**बरी इततरहक्कंजराजकी नमाप्त्रप्रहण्करोड्दामकी गईथीजिसमेवादशाहीसाः **१ग्रास्टरः निरोडरामका**या उ नकीनमा रेमहीनमेंबैहतीथीयत नारवालसापहिले खजान जोखनामा ऋ ने ५॰ बरसमें जमा किया यादतना

शाहनहांचादशाह

(١٩١١) نابيان إشاكسيب عامع

शिसीबादशाह्ने नहीं किया थानहीं विश्व वित्वत्सकेराज्**में**ब हृतसा स्वरचिक्याशाहनहां के मानेमें बेहिसावरु पयाफीज वंदी इनाम श्रीर बड़ी २ इमारती केबनानेमें खरच्ह्यातानी मुला की स्रावादी स्रोर्रियतकी स्रास्त दगी से बहुतमा रूपया खजाने। जिमाचा जीर जवाहर तो इत नाष्ट्रा कि सुन्द्नया केबादश महीं होगा-*७किरोडकानवादरस्वासा* थाजिमभेंसे २ किरोड कातोशाह **फिरोङकामीज्**द्याजिसमे २ किरोडकातो बादशाहके पहले केवास्ते विद्मतगारी केपासरह नायान्त्रीर् ३ किरोड काचेलोंके ह बालेषा ग्रीरयहसब्जवाहर१ बर्समेइक इंह्इ त्राथा-बादशाहकेपास (सरपेचलालें) एड

دهها، تنابيان بادشام مدرسه مامع का १२ जारवसपयोक्तान्त्रीत १हाम्मा तियोका १६ त्नारवरु परोकाओर र्वे क्रिया है। रहार २० जारनर पयेकि येयेची ने प्रमान १ ए हुन्य थीं नहांगीर और शाह नहांने नी दिन् हैं। हैं कि की स्थार في البين محقد الله المكانما

रनमें कुछ रजाफ़ कियाया-

सिक्के

राहजहांबाद्याह

बादशाहीरकसाखेराजधानी के भिवाय अकसरस्वोमें थीं जि

नमें मोनेत्रोर्चादीके सिक्षपड़ा व्यापार्थं वृध्ये वर्ण सरतिथे होरजनके नामना इस टिंग के विकास

लग ग्राजगद्ये -मोह्र-ऋसरफ़ी ऋांधीमोहर-यान

पावमाहर-चररा अधारुपया-दरब पावरूपया-निसार

पाच पाचमा तालिक की माहर श्रीररूपये होते थे स्रीरवे इना मामें दियेजातेथे-

रनके सिवायहज्ञार् २ च्योर

مين فاص طورك سكف مثلا وقرن

آدادرويي باقروبي

بالبحسوتوله كالبي فمراعدروس

بين دئ جائے۔

١٩٩٦) نيا بيمان با دشاكه ग्हजहाँ वादशाह इ रवरचनीशाह्जहाकैवक्तमेव तुंद्रन्या फ़ीज स्वरचके सिवाय इ ८ १० ८ छ हो। १ द्र गमन्त्रीरवख्वशिश्च २० वरसमें विशेष्ट्रा १५ रें में १० धे किरोड् ए॰ लाखकी हुई धीन्त्रीत र प्रांत कुर्य २किरोडः ५० त्वास्वरु पयाञ्चरुमा १५०० हिन्दे । रतोंमें र्वर्चहुः आषा जो नत्रपनी । १९ ८२ ७५ ७५ ७५ ०५ تخاجولا الي مين غاص خاص ज्ञवाबन्नापही छोजनमेर् वासरवा عارتون كاتفييل بيرسي सनीचे जिखीजातीहैं-रिमाग्रेकी इमारते र किरोर्ड ९० खारहरहे के जिल्ला २ ऋगरेदोक्तिलेमेंसंगमरम्दक्षः मार्गिष्यं विन्ने अर्थे हुने विन्ने की सनिद्गीरदोजतर्वाना ६९ तारव रताजनीवीकारीजा प्लाख र्ण्या गृहिः गृहिंदि। हिर्हा ४ दिल्लीकी इनारतें मसनिदके ५॰ ज़ारव सिंवाय . जाहारकेवागत्रीरदमार्खेप•लाख ६ काञ्चलकी हमार्दि १२ छारव ७ त्रज्ञेमरक्रीरत्रहम्दावादकीशःसार्ख्^{रीठ} व्कश्मीरकी हमारते ज्लाखः ६ कं धार्वस्त न्हीर्नमीनद्वर्वे कोटकोराण सारकसपय

रनामञ्जीरखेरात रनामंत्री कंत्ररत सेदियंजाते थेपहिलेजसूसी वरसमें १ हिरो c• लाख्रं रूपया बख्शा गया ما ورنبال محياره بلوسي مين 19 या और ११ वेबरस में १६ लारच معطے خالتیاں زمین اس **इ**सीतरहरूमेगावरवशाजाताथ ه دیمان متی سال اول नोमोक्ने२५१ तिखानत्वुकाँहै ين جارلا كربكه زمن नकदकेत्रिवायज्ञमीननीवरव रीजाती थी पहिलेका जमें ४ जा खबीघाजमीन स्रोर 💎 गांवरवेरा तिकियेगयेचेच्छोरयहत्तरीकार्वे रातकाहिन्दुर्ज्जेसेयहृतिमजताया र्नामदेनेका (ऋजीवदंगय हजीपाकि जिससेवाद्शाहर्व राहोतेषेजसफीरुपयोक्तेबराबर तो जक्र बहुक्एंया उसी केदिला देतेथे कई इनाभुगनेवालींका . ويل مواسما-नोसनीचेलिखमाफिकथा-(तालनायकिलीम्(शम्यर),५ रमोहम्मद्जानकुदसी(रग्यर)५५° **३**जगनाथरायमहादावि(विराज़ी

.श्यहजहा**चादशा**ह (۱**۹**۷ شایجان بادشاکس ۱۲ جال فان *دا ولر وسرسڪا* ^४ जमालस्वा किरावली*मीर* शिका ६ मुझाऋबुदुजहकीमस्यालकोरी्ह् ، قامني مم افلنل **ेकाजीमोहम्मद्**ञ्रफ्**ज**ल ^{द्रश्रा}रिक खिद्मतगार **इनसब्रमें**जियादानारी जमा ببادى جإل فان ادربهبت يكك **परवाकीरमबसहजकामु**ह्या لأههد*العميدنتعا*-अबदुलहमीद्या -कपयाञ्चटानेकानी रिवाजधा روان بتها پنانچد حب ما دشاه شبه जबबादशाहसफ़र करके ऋतिथे والخلافت مين التصنقع يا यालाहेर काबुल श्रीर श्रज़मेर वगेरा के दोस्ततस्वानीमें दाखिल होतेथे तबनीरुपया जुदाया जा ताथा न्त्रीर ईदकी सवा रियों में एर्ड अधिकारी विश्व नीरेसाहाताथा-रेंपरातनीवर्ध तहाती थी उसमें श्रीरनारी ज़वग़र हेञ्ब्ब चोंमेजीरुपयाख्र(चहीता या उससे सबका फ़ायदा पहुंचता हिंदिंग गर् थाभामूलीखास२ खेरातोंकाख برسال ببرنان بوت بسيرير रचनीरात्मन्त्रसमें होतायानींचे زین تنا . तिस्वमाभिकषा-

(۱۹۹۶) *شابح*ان ادنما کسسه که ग्हन**हां बादशा**ह وزوجى باوشاه ياريمهم बादशाहके शमसी वन्ननया नीसा लग्रहके तुलादानमें जासंकात جمن کو के हिमानुसहोती थी. ४००० و طال قرى و الميمان أل كور تأبيا वादेशार्रकमरी बननयानी चांद्र ۳ وارنهای سالگرد نمایزاد د دار انتکود मासकेहिंसाधकीसालग्रहीं चौरांशाहजादों की सार्व्यहों है तुलादानों में श्रामयक्षीरातको शाबरातको रमजानकेरोजोकीबाबते ३ ताजवीवीके उसैयानी संवतसरी मोहर्ममें तारीख १२ रबीउलब्बहलकी रा ولفي وكو तमें पेगम्बरसाहिबकाजन्मह **आयाउसकेवां**स्त 'ता-१२ जमाद्गिलञ्जू घलकी الإجادى الاول كوء रातमें असबरबादशाहका दे हात्हु आषा उसके वास्ते। बाद्शाइीजशन यानी उच्छव-संवस्थान्छवनोर्ग्ज्वाहाता । जिसदिनगरवेनान्होताषा 🖖 सिंदिनसेमेखसंक्राततक भिंदे

शाहजहीवादशंगह ब्राबर् कुशी के जुल के होते थे दो जतंखांनातरहतरहसेसनाया विषेटिए हैं है है। जाताचा शंग्हजादेग्रीरबंडे २ ऋगि-गीर**ास्त्रिकप्येकी त्रने।**स्त्रीस्रो। र्यन्त फीमतीन्छाऊचीने श्रीरजवा 🛫 हरातनोराबादशहकोनज्ञरक धिर्द रतेयेक्षोरबादशाहनीजारीजारी वर्षे खिलंग्रत नड़ा क जेवरह थियार श्रीरहाथी घोडे इनायतात्रत्मते र्था प्रमृत्येश ये और ऐसेही जलमें जना नेमें र्रिंग्यं के विश्वे चीहे सेपेश्रीरमीनावाजातीलगताचा توروزسك دن بان اوعطر नोरोजकेदिनपानग्रीरश्रवर स्तिनेके नड़ाक रता नोमें अभीरों ए एं एवं का के की है दिय वजीरों ग्रीरदरवारियों की दना مامنرین در بارکوعط ا بوتر تنے यतहोतेथे-इसरोगतसालयहोंका *ज़ें* उ च्चंवणाजिनमें बादशाह्ती सार्गिण गरी में में में रद्सि ची जासि तस्त्रियं त्रीप्रणस्वाचे | वैन्य प्रेपण्यास्त्राचे । १दफेयेमबतुसादानगुह्रतसे (४,) हातेषे त्रीत्राक्ताचा भीनेतुलांदा मंत्री र्री

الانتاج الناوتاه سدوسه राहजहाबाद रगह-ملاوان كى غريمون اور محتاجون كو ग्रीबो श्रीरमोहतानो को खेरात نشموبال تتبن करदीजातीची-त्त्रशक्रः अलकोन ४ लात्व र --- ची दिर्ग १ भी पढें हैं जिसमें इसारके थ्रें ००० सवार ००० ग्री ८० में ४० में एए मनसबदार७•••ग्रह्दीवरकंदा امدى وبرتناز اور ١٠٠٠م नुश्रीर् ७००० पैदलबंद क्ची गिलिंदाजिशोरवाणचलानेवा गुंबीर १ है। जैये इनमेंसे १००० ते हमेरा। बादशाहकी रिव्हमतमें हाजित ए १५५६ कि रहते थे जीर दूर किलो में हैं। ا فرصوبول من تغييات عقر ، मार्स्होमेतर्नातथ-सविरामें २०००० तीवाद्याही विश्वीत विकिश्य निकारी देवी विक्रिया है हिस्से आहे वर्ष देवी हैं अमीरों श्रीरमनसददारांके नी मर्घे जिनकी तन्त्वाह वेत्रपन । हिन्देनं में द्वापा में मनसब्बीतन्रवाहमंसदेतेथे-ه از امتصنب وار मनसबदार-^५••• भनस**ब**दग्रें में वडे बडे ग्र **गिरराजामहाराजावरिकशाह** नादेजीशामिलचे क्यों कि मनस बक्रेबग़र्शाह्ज़ादांकी जीतन रनामकरिनहों होती थी रोजीनेपा टेंटें के कि اورمنب نبين انبا نغامية كم पाकरतेथे कोर्मनसबन्होंन जताथाजबतक कि किसी विद्यत् لى غدمت يرمتر

रगहनहांबोदशाह परमुक्रर्रनहीहोत्षेमगरशहः जादेदाराशिकाह्कीकोर्रिवद मतकेही मनसब मिलगयाथा विश्विष्टी । जिसेकासबबयहहुआधाकिवा प्रशिक्ष दशगहकी जससे बहुत माहबतथी क्यां के के श्रीरइसिनये श्रपनेपाससेन्स् टिड्रिंग्डीं नहीं करते थे जबशाहज़ादे शुना त्रकी त<u>र्शनाती</u> पहिली द्रमे दुख् नकीमोहिमपरहर्द्ग्रीरवहमन सबपाकर सरमामकरने को हा विश्वार के हैं। *ज़िर्त्रायातोशं ह्ज़ोदेदारा*ष्ट्रि कीहजोसबमेंबडाया मारे गेरत ८०५ हैं है केरेग्त्रंह्ज्यादीवानखानेसे उठ ग्यातबबादशाहनेउसकोची बग्नेरिकसीरिवद्मतकेमनसविदेखा-एडीर सन्भ जल्ल्सीकेश्रखीरतक जो मनसबंदारथे उनका गोश वार। यह है: । वीसह्यारी २ पंदहद्जारी ניון לנוקונט र वारा*ह्*जारी دم) فويزاري ४ नी हज़ारी ५ सस हजारी ६ छः हजारी بالخانينيزين **७ पांच**हज़ारी

न्तंबादरगद- स्वे	25.
पहंचारी	د۸) آشه فراری عس د ف ^ی مسبراری معط
निह्नारी 88	وول ولا في الكيراري العس
गर्दहनारी १९	(۱۱) د و مزاری درد
<i>रो हजार</i> । भ	۱۲۱ ویره فراری عص
15h RIEZ 26	الاسال الأرى معلم
ह्नारी १५	ادمان مفصر غد
तह सदी : २३	(۱۵) آخرمدی سو
ज्या ध्सदी	ا (۱۱) سائندی در
सातसदी है	(14) چذمیدی
छः सदी · · · ³°	الامل والفيدى بالدعي
-पावसरी	ا القراع م مع المسلم
पंचसद्भिनिक्कीतप्रस	التفيل أدنياه فاميدين مندري
व्यार्शाहनाममनहा हु-	الري ورسيم ضيار وادري في
बहे रमनसवदारी के नाम	مندرجه بالامنصداروا بن
उपर्तियोगनसबदारामे	المعنى فرارى تكسك فام بدمن-
५६जारी तक के नामयह हैं	نام مصب سوار دوب
नाम ननसर सवार देखि	TP 200
१शाहजादादा २ हजारी २००० । १०० नाशिकाह	المتبراده شجاع اعاجاري سواسيد
र शाहजारा १५८जारी १५०० ट॰ अजेम्ब	المنظر والمراجع الما الما الما الما
रेशाहनाराजी १५६नारी १५००	المبنزده مرديم الباري ا
अप्राह्मादामु १२ हमारी दे	دأست مان او براري و مدو
पन्त्रोसिप्तरेया धरमारी धरण्या धर्म बनीरखनरवाना	وزيرفاتال
सरतजेग	ا فادور العرب الميزاري سن مدو
अञ्जीमररा अहुजारी अ॰॰॰ ५ नर्वाज्यामा संजीवनरा	"مرالامرافيان عشرات مديد ما

1213 12 (198)
शाहनहानाडसमह
Sold of second
दसरिद्रांचक कहनारी व प्रांतिक विकास करियों
Banculation of aut.
१ साटद्वारवा ७६मारी ५००० ।
Tribute and the second
राज्यकाना उद्या
र मेयर रोज हरूमी
भ्रज्ञानम् इस्जारी है.
१७ अन्दर्शि हर्नारी ह-
रसावहार रहीते ।
असार नाजार हुजारी हुः । उद्योग
रिष्ट जार मार्डमी इस्जार। इस्
TOTAL STATE OF THE PARTY OF THE
रुक्पावरसारमा पुरुक्तारमा पुरुक्तारमा अस्ति ।
(धिमदनाईस) भहनार। १
रिवर्गानस्वति पहिनास ।
REED OF THE PARTY
वस्तानायाम प्रमारी
व क्यीन्त्य पहुंची क्या
अर्थनारेखा प्रस्तारी प्रने का निर्मा कि
CHAIN THE WAY
उद्देशाहन नान पट्नारा
WARRAU VEARING
AND WEST WEST IN THE STATE OF T
A STATE OF THE PARTY OF THE PAR
42
The state of the s

(۷۰۵) شابحان إرشاه ુ ફુ-પ लहमहाबादशाह र्थं महत्ररात ५ हनारी . ५इनरी र्वाताचित्र संदेख पहलारी श्रिसपहटार ... १२ जेलाबाटी पहलारी **५**हजारी १३ रंजनासरो ï **पह्रजारी** १४ गान्डजी दरबन) **५**हजारी ३५*ना*फररके र्वे ग्रसाल तरका पहलारी शाहजादी श्रीरबंदे २ ज्ञमीरी ज्ञेमनसब्दीतनस्वाह पिलतीः **पीउसमें** आसामियोकीतनस **रबार्**शाहनामेमें लिखी थी बाँ य हादरजन्दी जातीहै यहतनखा ह रामाकेहिकाबसेमिलतीथी **हे ४० रॉम कार्टे जाते थे** नाम ध-बिरोड शाहनादादारा २**४क्तिरो**ड ६॰सास रे प्रत्याग्र रष्टिरोडं ६॰ जास रे औरंगजेब 🕆 त्रिकेरेड **१**°सास भुरादवस्वय र•क्तिरोड **अस्तिकर**ना

रम्हनहाबादरगह पंचसदीन्त्रमीरनहीं सिरवेहें-शाह्जादोंके ज्याउन्त्रासामियों कीतप्रसीखः । शण्हज्ञादांदाराशिकोह ६• हजारी जात४•••• सवारदेग्जिस्मातीन्त्रस्मा रशहजादा राजा छ २॰ हजारी जात **%॰॰ स**वार्द्ज्यसा \श्गहजाद्गन्नीरंगजेब२•हजारी जात्।५: सवारह्यस्या रगहजादामुरादव खरा ५५हजारी जात१२ भवार इसमे ए - दुन्न स्थ रम्बारादाराशिकाहकावउपवेस **जुलेमानिशकोह १५**द्रनारी जात रगहज़ादादाराशिक्षोहकादुसरा बेटा सिपहर्शिकोहॐ हजारी जात २:• भवार रणह्नादाश्चनात्रकाबेटासुन्तता शास्त्रादान्त्रीरंगजेबकावडादेस पुलतान मोहमाद ७ हजारी जा त २ • • सवार *पुनाञ्चे बेटे बतंद ऋ*खवर्श्री र् श्रीरंगजेवकेवेटे माञ्चलमञ्जूक १२ और कामबखशके मनसब नही दवे छे -

 $\gamma_1 \zeta_{i_1 \ldots i_{j+1} \ldots i$ રુંદ્ بر*ا فياوجهان إدشاو* रगहजहानादरग्रह सादुलाहरूवा १२किरोड ३ जारर अलीमरदान १२किरोड ३० लाख र्रीमः मन्सब्दारोकीश्रखीर निस्ट माल२॰के पीळेसाल३०तक शाहजादें।ज्जीरज्ज्मीरोंकाबृहुत <u>जेळ\$जोफाहोगयाथा-</u> **युः जाहिद्ने अपनी किता**व में कि जिसका<u>खुला</u>साहमने इस तीसरेहिसेमें जिखाँहैबादशाह केञ्चरवीरववंत संज्ञतनतत्तककी फहरिस्त*मनसंब*दारोंकी लिखी हैं उसका गोराबारा नी वेलिखें म शाहजाद 🐤 हजारी १३ १५ इजारी उमराव-الا ساف بزارى ا ٩ دو بزارى ९ नोहजारी १ ४ देग्हजारी ह २ सातहजारी १० ९ डोव्हजारी०५ ३ शिशहनाती ६ ११ हनाकि १३८ = १००/१ र्थ ४ पोचहजारी ३२ १२ मोसादी न्तर निकारी रिंगी रिंगी ५ चारहजारी ३४ १३ जारहसदी ८९ मिटनका । ५८ गूर्ट इसाटतीनहन्ती १४ सातसदी७३ दिन्यां। व अतीनहनारी ५० १५ छःसरी ५९ रिकारा व्याप्यां

शाहजहान्सदशाह पाचसदीञ्जनीरनहीं सिरवेहैं-शाहजादोंके आउन्रासामियों एज्राटी कीतफसीखः (प्राहजादांदाराशिकोह६•हजारी जात४••••सवारदेश्त्रिस्पातीश्रस्या रशहज़ाद्। युजान्त्र २॰ हजारी जात **५५•• सवार्** दुन्न्यसा ३ शाहजादान्त्रीरंगजेब२•हजारी जात्।५५: सवारद्दञ्जस्मा रगह्नादामुरादव खरा (४हजारी जात१२ सवारइसमे च- इत्रस्य श्यह र्शह्जारां संरोशिको हका दूसरा बेटासिपहरिशकोद्धॐ हजारी जात शाहनादाशुनात्रकविटासुल्त नजेनलञ्चाबदीन०हर शाहजादाः पुलतान मोहम्मद् श्झारीजा २ • • सवार-गुजाञ्ज्रके*बे*टेबलंदञ्ज्ज्वत श्रीरगजेवकेवेटे मोचज्रमः श्रीर्कामबरवंशके मनसव

المارتاه فال ارتاء التعاملان मुसलमान्छमीर-मुसल्मान्त्रमीरामेनी धहन المتلان أمرامين وتو براري ف اورسات مراری و تعبداست री १ और ३ हजारी ६ इम्मीर पहि जिख्जायेहुँ सायमातात्र भीर्बादशाहकी सत्तत्नती बगड सेपहिले २मर्चुकेप-६ इजारियोमे ९ मा अञ्चापरा मीर्जुमजा जोर्वदां था فرادوين بالمحاوزتري منفق ५ हजारियोंने ५और बटेचे १मक्रमतर्वा २खलीखुंबाख् م بوابت مان مه منا بت خان र महाबतर्सा ४ निजाबतर्वाः ५ बहरामर्गाबलख्वकेन्त्रमीर नजर मोहम्मरवाकाबटा हिन्द् अमार थेन्रोर्ज्जनयबंदेय इस हिन अमीरों स्नीर्उनके मनसब्राई 'इजारी' ६०० सवार २५० (गुजाजयसिध्कछनाह्य ७६ -1-1/244.

(۲۰۹) شابهان بادشاه शास्त्र दावादरगर म् राजाविङ्कलदासगाउ पह्नारी ८०। हेर् केर्य प्रमानी अ राजा गनसिंघ्राबाउ पह्नारी हिंदी गुकेश हैं के हैं। ५ रावरतनहाडा पह्जानी जाता र जुभारसिंघ बुंदेला राजावर्गि - १ घदेवकाचेटा ५ हजारी ५ • चिवार अकराजीरामदर्वनी ५इज़ानी (८) हैं। हैं। हैं। ज़ात ५--- सवार नहादुरजी दखनी जाद्राय काबेटा पहलारी प्रभः सवार् را ناحجت منگهدما نخزاری रालाजगतसिंध ५इज़ारीज़ात دا ناراج مسلكه بإنخزاري ५०० सवार रणग्जसिंघ ५६जारी जात ينحذارسوار ५००० सवार ما لوجي ميروسسار بانجزاري (। मालूजीचेंग्सला ५हजारीजात प•••सवार ९ राजारायसिंघसीसोदिया ५ أيخزارى يأنخزار سوار ह्नारीजात २५०० सवार حار بزارى चारहजारी (३ रावशञ्चसालहाडा ४ हजारी नात ४००० सवार (४ राजानारत्युंदेला ४ हज़ारीज़ा ۰ دم سوار

शाहनहाबाद्शाह. برى شاه جيان باوشاه ध्य राजापहाडमिं ध्युदेला ४ह जिले जारीजातक्षः सवार हत्याः ह रावन्त्रमरसिंघ रावेडः ४ हजा ए रीजात इरकस्वार व्यक्ति श्रंरावस्ररञ्जरदिया ४ हजारीज्ञा तरं५ • सवार एराजास्त्रिमिघ् राठोड ४ हजा रीज्ञात २५:•सवार ^६हुमी<u>रुराय</u>ुदस्वनी ४ हजारी तीनहजारीः २°रजाञ्चनोपसिंघञ्रमरसिंघव घेलाकावेटा इहजारी ३ • • सवार र्राजाञ्जनिकस्मोड रहजारी ज्ञात ३ - संवार 37: **२**२राजांमाधोिसंघहाडा ३ हजा रीज़ात २५०० सवार रेरे राजाराजसूप इहजारी भु मनार्थि १० ए। है ए देश रे कंबररामसिंघराजाजय सिंघ्यों केंद्रिक बेरा३ह्ज़ारीज़ात२*** सवार رى م شرارسوان भे सुकेर्सियहाड़ा३ हज़ारी२ ''संबार किया कि *विवादी हैं।* रद्दराव न्त्रनाजुरिया शहजारीजात अंग्रेश्टी २ * * सवार २९-जराजीरामदखनी ३हज़ारी जात२००० सवारः र(सूजीद्रबनी शहजारीज़ा

(۲۱۱)شام ان ان بادشاه 288 (अंदोहार शहर है जादेरायद्रवनी३ह जारी १५० मा मिसिप्राहार क्रमसीको वर एंग्री है के के किया ۰۰ ۱۵۰ موار १६ जारी*जात* ९५० समार मंग्जीद्खनी३हज़ानीज़ात १००८ गृहं हैं हैं हैं। १५० सचार राजान्त्रनापसिंध् इहनारीजा किन्छ न्यारीजा ररामामनरूपे इहमारी १ "सवार ४ बीरमदेव ३ हुआरी १०० सदार ولا في برادى सवार स सवलिस में मोसोदिया दाईह (१८)१७ है के कुर के कि ٠٥١١ سوار नारीजात २१५ सनार दोहजारी भराजासुजानसिधनुरेला रहिता हुने का मुख्या के भारती रगनादेवीसिंघबुदेला रहना व प्रान्धिय करे जारी जात २ - - सवार -रीजातप् सवारदु अस्पा-र्भानाताडर्मल रहनारानात गार पर पर के निर्ध्यत्मगोद सहजारी जात ४१ एक्सीराज २ हजारी ५० • सवार र जगरामबुदेखार हजारिजा के कर हिन्दि है लि भरानरतन महसदासानरादी हैं दें कि कि कि कि राषेटा १ स्नारीजात इ॰ सवार अ राबद्दाशक्यांदाकाभोता देखें नारी भात.५••सवार

२१२

। गरजुनगाङ्गानाविद्वजदास ردوبراری ۰۰ به سوار कावेटा२हज़ारी ५००सवार ्राजाश्ववारामगोडः २हजारीज्ञ ८०% १००० है। तप् • स्वार ४० राजाजिरामगाद २हजारीप • मी ० . ८ मी १० है क्षार अर्था है। १९५१ १० वहारीदास कछवाहा २ इना रीज़ात २०० सवाद= ४ यावस्पसिंघचंद्रावत रहना रीजात २॰॰सवार ५॰ रावञ्रमरसिंध २ हज़ारीजात ए॰ ब्स्वार् **५९ नत्युजी २ हंजारीय • • मबार** وی دویزاری ۱۰۰ سوار **५२** सुनांनसिंघसीसोदिया २ ह जारीजात द • • सवार اجيدسي وويراري مسوار (इनामाजीद्खनी रहजारी जात **उटहज़ा**री بتربعون جومان فريره نبرارى بند **१६ चतर्जुनची हान्डे ६ इज़ारी** بوازدواسية ببهري ९५••मनारदुञ्जस्मातिञ्जस्मा-भावनारं नाउटर नारिष्ण सवार नारिया है। १६राजाबदनसिंघनदारियाङेख हुजारी १४ • सवार *'७दत्वसिंघरजागजसिंधरावेड* कारीताखेडहज़ारी १४ · सनार् । **५ हिरदेरानबादाकछवाहेकावेटा** दे*र इजारी* **५७ - न्स्यार** भेदरात् हात्रिकादासूराना<u>निस्य</u>ीलार-उन्हरी

महत्त्रहोबादकाट «سرام) تساجهان بأدشاه 313 ए रामुमानक खनाहाँडेंड हजारीजा (८) है के हैं कि त १४०० सवार . بهما سکوار रीज़ात १४००सवार-ښراري ۰۰ ۱۲۰ سوار १र एका न्त्रमर्सिं धुनरवरी डेट है है है है है । पर मारीजात १४०० सवार بزاری ۱۳۰۰ سوار भ र्मसी राहोड डेटह्जारी-धिर्म क्रिकेट नात ७०० सवार ध चन्द्रमिर्विद्नाडेटह्जारिंड/१००१रं०००० १००० १०० जात ७०० सवार थ्रं ग्रीब्दामराणाकरणसीसारि गर्रे पर्व ४०० है ४० याकाबटाडेटह्नारी ६ • स्वार (जगमालराहोड किसन्सिध ۷۴ جگمال را تورخلف راج काबेटा उट्ट ह्ज़ारी हु॰ सवार-نگد ویده زاری ۱۰۰ سوار १ स्पानसिंधकरमसी रावेडिकाः ستكه ولدكرمسى ما تثبوثه बेटाउँदहजारी ६॰ सवारः ويده نراسى ٠٠٠ سوار ध्णीरधर डेटह्नारी ए॰ सवार ۸ ۲ گرد صردیده شراسی हजारीः ^{१९}गीपालमिंघराजाननस्पकछंबो*र्भन*् हैकानेटा हजारी १०० संवाद-अप्रवलत्तमरसीहनारी १ भवार निर्माण केरिया है अभातापन्मीदार्पजामं हनारि एगी विषय के देवा ॰ संवा न कीरतसिंघराजाजेमियका बेटाह्जारीजातरं • सवार् अद्यम्सम्मक्षवाहाहम्सीरू स

(۲۱۷۶) شابهان باوشاه शाहनहोबादशाद २१६ ۸ اراجهٔ ودی بهان م صدی ۵۰۰ صوار ^{१९८}राजाउद्युज्ञानष्सदीपुः सवात् ١٠١ أو حَكِمُنا تَصْدِلَ فَعُولِ مُسدى . ٢ سوآ **५५ रायजगनाथराबोड न्सदी ४**०० ١١٠ را جـا و دســـ سنگه فيلعث رأج پر (९°राजोज्दयसिंधराजास्यामसिं|^८ الكيدم حدى ٠٠٠ مهسوار घकावेटा देश सदी धम्मवार الامنوبروأس برادرزا وه واجع فيلما ९१:मनोहरदासराजाविङ्गलदास مصدى ٠٠ ٢٠ سوار कानतीनाच्सदी४-सवार ۱۱۲ وائونلوک چید پرصندی ۱۸۰۰ سوار १९ राधितिलोक्चंदण्सदी४ • म ^{भूत}माहन्सिंधमाधोत्सिंधहाडा कविदाणसहीक्ष•स्मार ۱۱۱ مومن *سنگخطف دا دیموم* أفرا مصدى وبهم سوار ۱۱۱ اندرسال افرا مرصدي به ^{९९४} इंद्रसालहाउा च्सदी ४••सवार هاا لاجرمان ولددا جيكنورسير ११५ राजामान राजाकवर्सनकाँ اصدى وبهم سوار टा प सादी ४० सवार ۱۱۱عبب جمه مدی مهمسوار ११६ त्रजबसिंघ न्सदी ४० स्वार ९७ शेरसिंध्रमनिंघ्र गिदका משעל יישישור बेटा च्सदी भ्•मनार १९७ फ़तहसिंघसी सीदिया च स दीर • मबार र्ति रायमुकनदास यसदी २० सना र्राप्त १००४ वर्ण पेर्प । १९ **७ सदी** १२०स्यामसिंध्र राजामानसिंध्का पाता असदी पः सवार १२१चंद्रज्ञाननस्का ^७सदी५••सनार्⁹ १२२ सारंगधुर असदी ५०० सवार مالا مارنگ پرولىدى ٥٠٠ ९३२राजासंगराम असदीप-भ्सवार ١١٧ ايريتي ران حيال عمدي ٠٠٠

ब्लहोबाद्रगह 289 دارم بناه جال إدشاه **प्रमुख्याहाट्सरी** ومرايرتني راج معالى عسدى ^Mएडबोराननाटी असदी दे "सवार "बात्चीहान असदी रुः सवार ے ماء طوبوط ان ے حددی * • عوم . इस्रदाससीसोदिया ७ सदी برامسند دام پسلسودیه عصدی 'र'संवार و وا مكت شكة لدرنبي ماج راجور (रमगासिंघ प्रथ्वीराजराहे।दका बेटा असदी ३०० सवारः रि रावत्नराय्एादाससीसोदिय पसदी उण्मेंबार विकारिसंघ कळवाहा उसरी २५० सनार ^{।११}नासखबाहाजगनाथकावेट مود بالكجبوا بإخلف محكمنا لتبدسات ي سوا असदी र-असेवार विवत्स्य नमीनगरा इसदीह्॰क ^{लित्}यस्यस्य स्वलान्त्राकावेटा इसदी इ॰ सवाद عبدائ ١٠٠٠ سوار ^{(१)वृ}म्चंद्रायमनोहरकानेटा इ सरी धर्मसंवार (१६जीवाजी माल्जी दरवनी कान तीना इसदी धे न्सवार भग्राध्वरानाविद्वजदासकार ताना इसदे। ३० सवार ^{(१८} असन्त्र(रघुन्य)सिंधश्रमासिंध कानेटाइसरी २०० सवार (९) केसोरसिंध माधीसिंधकावेटा इसदी २०० सवार ^{४०} केसरीसिंघ् एष्ट्रीराजराहोड काबेटा ६सदी र॰ सवार १९ पुकतदासरागेड इसदी १५० सनार بتضيم مدى ١٥٠

प्राह्महामादशाह-360 दक्तन्त्रीसलतन्ते अहमदनगर जिल दक्ष्मकी श्रेतलतम् तो अहम् रनगर गोलकुंडा, श्रीरबीजापुरमे ते अहमदनगरती ऋकवर बादश के अहदमे फतहकर जियागरा राजिकिन मिलक अंबरने जो ऋह मदनगरके निजामशाहकावजीर शोरमुखतारचाम्महमदनगरका केला जहागीरबादशाहके किलेव १रवाजाबेग सफ़वीसे वि॰सं१६६ में कई महीनेतक धरारखकरू मसले जियाचा फिरती प्रमुखिक ^{मेदानुको वहासे लेजाकर शोला} उरका किला जादिल खासे अस्ता है। तबंदिपाइस १६ ए को फतह किया श्रीर उसवरी तोपके छिंदे के किसे दुबाराकायमुक्ती स्त्रोरिजंदार रा नवतक।तेनामुनी इनत्य हिरमतमे क्रिडफरक न पड़ने देया मगर्भसक्ते भेरपी छेशाहनहा

(١١٩) شاويمان إدشاء त्ररगहने फिरअहमदनगर्**फत**ह सहितज्ञामशाहियोकीसलत नत्त्तमकर्री श्रीरतमामञ्जा गउसकाश्रपनी न्यमलदारीमें गमिलकर लियान्त्रबबादरगाः । १८० शिर्देसीधीगोलकुडेग्रीर्नीज रसेजमिलीयी श्रीरइनदीनी स्वाद्शाहने किरोड़ोरुपयाच - प्रिंगू प्रमुख मजतनतों सेनी फीननेजनेन मलिस्याजिससे उनकानी सु क उजड़ग्या श्रीर स्वज़ाना रना النبوجاتي توبيه तीर्गयात्रगर्बल्क्जोर्क्ध कीमोहिनें युक्त नहीजातीती रेदोनीं संजतनतें नी बाकी नरह रीं गोलकुंडे मेती खुद्वाद्रगह तिसंबर पदेमें पनाहिमाली खी नविक विभागनवाप्नहांगीर्से **न्डकर्ज**लावतन होगयेथे स जहारोतीनबरसतकरहकर विखाकाठायागोलकं रकृत्वशाहकादाह्लाकाषा दस्तकारी ग्रेम्कारी गरी रणहनहांकेवक्तमेहिन्दुस्तान

्रिह्मीका है हैं है। जिस्सा के प्राप्त के प्रमाण के प्राप्त के प्रमाण के प्

इसीतरह जेवरके जड़ नेशिर एए एए एए एए एंटर है जिसे के स्माना कारी है कि समित है के स्माना कारी है कि समित है के समित है कि समित है के समित है कि समित है कि

भीरसामी कमड़ासादा श्रीर धीन के किला

ایران نوران اوز روم سکت جامدن کوادناه کیلات -

ووروه المتاه فيمال ادشاه રરશ ANTINE TITE دودای کے نبان م मेनायाकरतेथे-द्रामिक पानमाल विम्परि क्रीवनत्रहे मगर् राह्नहों बा दें। ज मू समारतीकदर्दानी से यहतबाद पावनने जगेषे (सादाजामेवा अ) तित्रीमत् ४५ स्रोररंग निवंदेदा र्प किट अस पहुंचगई थी उसकी गिकी श्रोरिवकनाहटको दिन्दु लामकाको हकपड़ा नहीं पहुंचती हैं। गगरमियोमेबादशाहकी पी सक्तेपिछकाजीनोंकीबुना शकर्साकीबनतीयी-पटथी बादशाहनामिन्नहांसन फील्सीकाहालिलागयहि ^{कार्}र वहायस्वातमी रिनर्व हिकिस्से मुबारक ग्रहर(समय) में सरका रख़िलंसे के काली नों का काम जोकशमीर्जीरलाहेर्भंशाल दुशालीं की कनसे ड़िन जाते हैं यहातकबदगयाहै कि शानका लीन अमेतियारहोताहे न्त्रोरव सकी उमदगी इसहद् तकहीती कि किरमानकिकालीननाश्यो न्द्रें के अर्थे हेर्रानको कार्रवानिमं बनेनाति (" **हें उसके अ**गिखहरमाञ्चमहोति

فاجعه تناعبها يسأدهاه من شاه ميان ارشاه ١٠٠٠ 343 बादशाहीदालतस्यनीय लीनवनायगथहे-कागज़कीकारी ग्रीन्ताप नहीं रही थी दोलता बादीका गुज ءً آيا ڏي تفاعث मज़बूती ग्रीग्डमदगी में मशह जो श्रांबदोल्ह أمارت غلاقه مرض فسوكول में होज़कतरज़ें के पासंचा शाहजहाक् युए। **युक्ताञ्चबदुलहमीदनेबाद्या** हनामेमे जिखाँहै कि वादशाह रातदिन वज्रं कियुहुवेपाकन्त्रीर पवित्ररहतेहैं जरूरी नहाने में पर नरकी नीदेर नहीं करते नमाज् राज़काबरतावसुत्री सुसलमा नोके भाष्ट्रिक है पवित्र रातें(राब रातः बंगरा)कात्राधी से ज़ियादा तबीन्त्रतमें यहातक शेख्र इंद्रेचीज़ नहीं। रान्स्कानिहायतहीऱ्रीत

स्तिहासाह्यग्ड रसी अतरों श्रीरखण प्रदा **पनिवासि महकी हुई रहती है ख** गिशकतोबिलक जन्मता श्विमीहर्देतिहैं-ह्माब्बा नहां गीरी अतर नि म्मानमित्राताह जी जहा त्वादशाह के जमाने में निक त्रीर जिसने तमान अत गिकेरदकर दिया है-**भगकरनेकास्वनावहै** लोगोंने कि शहजादगीके र्नोमेब्हतसेन सर्कियेथे गै। बहुतसे उनमें से इनके ही ब्द्रविद्वेचे ग्रीरजी नासम्भी ब्दलगयेथे**उनसब**केक्स् |म्खतनशीनीकेपीलेमाफ तमामसजाये(वंड)श्रीन्थ्र (पुसलमानी धर्मेशास्त्र)केमा फिकदतेहैं इतनीबड़ीसलतन तमें कि जो ३ तर्फ स समदर्ग मेमिलीहुईहै कोईबल्बानि सीनिर्वलकोन्हों सतासकता भगरकाई किसीको मारदेया^के अग्रहीनकरंटालेतो उसकी । जगहीनकरंटालेतो उसकी

राम्ब्रहेक्टरणह् ... २२३ े और प्रेस्टिका

समाबादरग्रहेकरोवस् प्रारात्त्र । तकेतु कासदीजातीहांश्रीप्रमिकि । सी सवेति कोईश्रादमी समापा १९ गेर्ड २००,००० देने ने के खायक्ट्राताहे तो बहाका (१४४०) । नोमिक्स्न्रमेश्रामिक्रावियों । एउपको कु समानई बर्रायेनातिहैं >

सायसंगसक्त रानकेतुके, जनकवादशाहोकी,

मृबादशाहाकी) वेतरहरू की

> ंकीहा हेये १रखं>

फ़का ध्यानरखें » हीदें कि जिसमें सत्।

सके और रमी

स्राद

دو۲۲) شامجال إدشاه शाहनहांबादशाह-734 वनाको नरारसेराकन्त्रीत्युवह पर्पोडानदेवे ऋषनेपासवाले कार्यां है क्रेकामों को देखते रहें श्रीन दूर गरिए। जेन प्रिन् लोकेकरत्तोकीखबररखेलोकी नोकु सम्बन्धे वरे कामस्यमा व्यवस्थित हो द्रमेंहाजिररहनेवालों ग्रीर**स**वी हेहाकिमा श्रीरं उनके ऐशकारी १% ५ ७०। ०५ ०१/ सेहों वनकी शाबाशी औरसजा दें 🐉 🗸 🕬 🖟 उनको पहुंच जाने -रानभ्रीतरातारगीकाकुछ **ढिकानानहींहै दसरे**वादशाह 'कल्लउमरन्ररमें बखशाक میں وہ بہاں ای*کے ج*ش रैसीबखरिशशयहाँ १ जशन ।जातीहै-गान और लिहा जयहां तकहै क्नीकिसीकेवास्तेवराह नबानुसेनहीं निकालते और केसीकेसंस्पर ऐसीजातक दारोनापडे हतक रज्जतक गतोकहारहा-

रगहमहाबार फारू ودومرين وحال ادشاه े परह बोलने श्रीर्श्विखने की तोकुः ए छतारीफ नहीं हो सकती जन एएं ज किसी मुकर्मेया किस्से का ज़िक् करतेहैं तो वह्रसमामाप थ्रीरसुंदरहोताहै कि बहु २ पंडि तउसकोस्तनकरकानपकड्ते हैं ऋौरजो बातेंदर बारियोंसेफ़ रमायाकरतेहैं वेतो ऐसीकीम होतीहैं किजोसब लिखली إرشاد تبوسنے میں اگروہ جمتے۔ गवें*तो वाद्शाहें*के वास्ते (अ حاوس تو با دشا موں کو اواد ।कान्नअदल इनसाफ मीखनेका ज्ञीरवज़ी रों के लिये पुल्कों के बंदा बस्तकर नेका बनजावे-' हफ़ेब्हतऋच्छेलिखतेहैं व हतद्फे शाहजादों खोरबड़ेबड़े त्रमीरोकी त्रपनेहाथ<u>सेहीफ</u> (मानं लिखां करते हैं श्रीरकर्ज कनी मुनशियों के लिखे हुवेहु मोपर अपनी कलम से नी के **उन्तु**छलिखियाक्यतेहैं-فزادسي من الرواد

د ۲۲۷) شاه جهال پادشاه शाहजहां बादशाह-:353 इसतरहकु छ वक्त खुदाकी बंदगी में कुछ नादशाहीकामें में **कुछ आराममें और कुछसेर** प्रिकार में गुज़र ताहै-दिनचरिया रातदिनकाववत्रइसतीर्सेवं टर्खाहेकि सुबहहानेसे २घँठे पहिलेजागकरनमाज्ञ औरद् ञ्रामें मश*गूल* होते हेंस्रजनि कलनेसेदोतीनघडीपीछेदर शनके भरोके से सिर निकाल कर*लोगों* को दर्शन देतेहैं इस بعی کم وہٹیں گئی ٹی ہے پی حضرت नेत्रकसरतो २ घड्। त्रीरक्ली يانى تىنى أكبر بإدشاه कमज़ियाद्ष्त्रीलगनाती है यहदस्त्रऋकबर्बाद्शगहका चलायाहऋाहैताकिसबली ग ५चोड़े मैदानमें बिनारोक टोव बाद्रशाह्केद्रशनकर्तिञ्जी **फर्**यादी स्त्राप स्त्रपना हाल ऋ

नकरदे जिनकीश्रसलीहकीक् तन्त्रदालतकेश्रीहदेशर**श्र**कत्

शास्त्रहाबाद्याह ودموم شاوجال إدشاء ्रेश्ट *श्रामखासदालतखोनेभेया*-ولتجاز خاص وعام باعسلجا यसलखाने ने जरजकरे जीर من ومن كرنن اور بادشاره علا वादशाहरुबुदतहकीकातकर ما ص بعالم تحقیقات اوژن میقامام केउवकात्पाव्चकावें-فيصل فيراوس ؟ हाषीनी इसीभेदानमें लड़ा بالتحفي يمبى اسى سيدال بير येजातेहैं किसलिये किरवास वञ्चामदोलतः(वंनिमें उनका غام*ن نام میں اونکالانامشکل موج जानामुशक्तिजहोतेहैं* कनीह معلمي إنهوكا كالورون يروطرا चेयोंकोधोडोंपरदोडातेहें वि بن كدار الى بن سوار ونبيرغالم जिससेवेलड़ाई में सवारों को दवासके वादशाही भी नंत्रीर न्यमीरी प्रेंग्टिंग के के हैं। केंग्रेडिनीइसीलंबेचेडिमेहा नमेंदेखेजातेहें-مین و سکنے میا سنعے ای*ں* फित्यहांसेदी जत खाने खास वं ज्ञामनें पधारमातेहैं जिसकी पुर्न एन ने ने जा १०० अपर ध्रम जीर मेह के बचावरी गुरज्ञसे कपडे का सायवान स्वरिपेल्।५०५५८८८८८ डाहोजाताँहे श्रीरनी चेकाली १०५५ ई.७५५ ई. ك من طرف كارش كالمرد नबिद्धजाते हैं इसके १ तरफ़ स **त**रीकाकहरूरा ५॰ गज्ञलंबा

जीरिए गज़चीड़ालगाहु ऑहे हो १२३१८ है। १९३१ है। (हरतरफ १दरवाज़ाहियहाबाद त्राही बंदों कासः लामहाता है-बारशाहजाद दाये बाये खडेही मतिहै न्त्रीर नव वैदनका हुका । क्षेत्र का के कि होताहै तोबेहतेहैं बादी सोग क्रहर्रे की तर्फ पीड करके सा यवान के नी चेखड़े हो जातेहैं श्रीर निनको अंदरऋगिकी रज़तमिलीहर्रहै वेम रोके के दाये बाये अपने अपने दर्ह से खड़ेरहतेहैं-*ं*ओहरेदाँर्*ञ्यपनी ५ जग* ह ونست جروكرك

माहरेदार् म्मपनी र जगह खंद हो कर सुल्क क्यारमा जने कामों की अर ज़कर तिहें श्रीर मनस खदारों की अर ज़मार ज़ चरना श्रीर की अर ज़मार ज़ चरना श्री के कि काम श्रीर ज़िमें से चहुतों की काम श्रीर ज़ा के मिल तहें जी लोगस श्रीर दूसरी तर की संगति है वे सलाम श्रीर सुनार करते हैं है वे सलाम श्रीर सुनार करते हैं

۲۷) تباجهان اوشایه हिनहींचारशाह ·" -33° व्रीरज्ञोस्त्वांच्यारिवद्मताया नः एक क्ष्मे *क्रितेहें उनके जानेकी* क नस्रतमिलनोहै : **वर्क हाजों की भीरत्राति**शः श्रीर ऋहियों की उनके बरव शीहनूरमेलातेहें त्रीरजिसन <u>क्रस्ट्रहकसमभतिहें उसके वा</u> तिपर्विशकी ऋस्जकरतेहैं फ़िर्मीरसामान औरद्शवान यूतातवरोरा तरह२की श्ररित यापदते हे बाद शाहु उनके ऊप ऐसे मुनासब्जोर वीक हुका बदातहे कि जिकोद खकर ब डे.२*वजीरजीचकराजाते*हैं शाहजादी सुबेदारी फीज रारे। जीरस्वेकदीवानवरव शियोंकी अरिजयां हज् रियों हेहाथोंसे युजरतीहें जिनमेंसे शाह्जादीं जीर बडे २ लमीरी विके क्री मार ज़ियों की तो वादरगह पुद्रतेहें क्रीरद्सरांकी क्रार्जिया

काहालबादशारीनाकर ऋरजक रनेवालेंकी मारफतञ्जरज क रातेहें-सदरलोगोर्कित्ररजियोंभे जितनाक द्धिस्सान्त्ररज्ञकारने केलायक रोताहिनहसादरक जञ्जरजकरतोहे ज्रोस्डसी की अरजकरने पर सेयदे। रोस्ने खोजी ^{ती क्र} लिमें। पीरीं जीर फ़र्किशिकीम रादेंचीप्रशिहातीहें हरेक की हन्द्रिम नक्द्र सपया उसकी लयाकृतके माफिक इनाय तह्यताहै -*जारज्ञ सक्तर्रेको सत्संही* नागीर प्रनस्तवनकदी श्रीर हरतरहकेमामलें।कीयाट दुबाराञ्जरजकरतिह तवेले और फीलखानिके المكاركم فرون اجتها تبيون كؤمع **अस्लकार्**घाओं हा चियों औ مثارك نظاقهن سي گزارت بين रउनकीरसम्भाताद यानी



बर्जस्दरीकामीकीन्त्ररज्ञक रिनयाकरते थे यहजगह ह मामके क्रीब्होनेसेकुछि नोंपीछेगुसलखानाकहला नेजगीधी ऋबइसका दीतत्रवानाखासहे यहांबादशाह वाजीज़रूरी **अर्**गनेयाका जवाव ऋपनी क् लमसे जिरवंते हैं जीर स्बेदा रोंकी ऋ ज़ियों का मतलवज़ो वकीलोया बज़ीरों या ऋरज़क रनेकीरिवदमतके मुत्सीदयों कीमार्**फतञ्जरज्ञहोताहेस्र**न *फ्रिसकेजवाबमें* जो कुछ फ़ اس موانیمننی لوگ و مان रमातेहैं उसके माफ़िक़ मुनशी नागफरमान लिखते हैं स्तिख بند بادسشا ه کو

^{ने} केबाद बाद प्रगह की दिखाते हैं

رياسه) شاه جيان بادشاه रगहजहाँ बाद पाह २३२ राकवगुराकीबादशाहकीन उसरपयेकाजीसरका ان جانؤرون سے اکبر با دست इनजानवरीकी खुरांक كامقرركيا بواسي वर्जे श्रीर रच राबहो श्रक्तवर वा रशह्का बाधाहकाहे-फिरजनन्त्रमी रोको कि नि द्रागन्त्रीरफ़ीज़कीहाज़िरी सत्सद्दी*मयेघोड़ों* के पेशक पीर*चाहाढीक नहाती ता*र्वी नबाशी(यानी उसन्होहदेदा गुफलतनकर यहां में कनी ध जोरक नी घुडीकेवाद् जैसामीकाकामाके

(۲۳۳) شاجهان بادشاه 733 क्रम्हजहांबादशाह حاسك بين ا ورخنت پرسيتيت कमञ्जीरज़ियाराहोनेसहोताहै जहकर्दी जतरवाने रवासमिजा دیوان مٰا نہ اورمشکوے دولت तेहें ग्रोरतख़तपरवैढतेहें-کے درمیان ایک میکسیتی بیان *ज्यक्रवरवाद्शाहके वक्से*मेरी वानखाने जोरमहतकेंद्रमि यान १ जगहयी जहांचेनहाया प्रीकृष्ण होन بوكرمنرورى كامون كى عرمن करतेथेवहां बाजेमुसाहिब्त्री كربياكرت بتيء فلوت كده كج रदीबानवखरीजीहाजिरही बरजस्दरीकामीकी ऋरज़क रिलयाकरते थेयहजगह ह मामके क़रीबहोने सेकुछि اب أس كا نام دولت فانه فاص नें।पीखेगुसलखानाकहला नेजगी घी ऋबरसका नाम ोलत्याना<u>स्</u>वासहे यहांबाद्रशाह्वाज़ीज़स्त्री تعروري عرضيون كابحا ب प्रर्तियोका जवाब अपनी क तम्से जिखतेहैं ग्रीर स्बेदा ोंकी **गर्जियों कामत**लवजी ाकी लोया बज़ी रों या अरज़क नेकी खिद्मतके मुसादियो तीमार्**फतऋरजहोताहे**सुन **म्हिन्सके जवाबमें जै। कुछ प्र** س محمواني نشي لوگ و مان (मातेहैं उसके माफ़िक़ मुनशी नागफरमानलिखतेहैं तिख بىر بادسشا ە كو ^{ने} के बाद वाद शाह की दिखाते हैं

^{शंगह} जहां बादेशाह **3**38 ئادمان إدفناه उनमें अगरकहीं गलती रहगई निग्रं होया मतालवह्टताहोती वाद ,म धीन अधीन रिटर शाह्यमकोद्रित स्तकरदेतेहैं हैं। इंग एक क्र बादसाहजादों मेंसेजोकोईसा एंद्रिकों ट्राप्टा हिन्तिसाताहोताहेवानीनिस १८ ८ ८७००७ में हु कमपृहं चोने से वे फरमान () गुर्मा पर्मा लिखेजातेहें बहुअपनानाम् चंग्रें एं। १००० नक्त्मानोंकी पीडपरितरवक्त । الدياد रनोहरकरताहे उसके नोचेरा नान अपनी मारफ़त्रिकानी टर्फ थार न्यू - द्र जरवताहै फिरये फरमान मह टिंग्रिंग हो है लमंचलेजातेहें वहां मोहर का हिं। अध्यान क र्वे(चड़ीमीहर) जी समताज्ञज्ञमी एं - ५ ७०० ५८ नीचेगमके पासरहतीहै उनके المسمين अपर जगई नाती है— इसीजगहदीवानलोगस्या ७८ ग्रीड गु लसे के का मों जीर मनसबद्। " ७४४८ ॥ ७७४८ ॥ ७० रोंकी तनरवाह्की ग्रारजकर के नंजर्री लेतेहें और सदर्क जाद कि कि हैं। लहत रागे (अन्यार्थ पाने वाला) उजका न! कि कीहानतं अर्जकरताहै वाद्यापं । नार्पार्थ रिकिलोको जमीन किसी को नगए अं र उ नक़ट्टी शीरिक्तीकोरीजी नाजेसी रितसकी लयाकती مز : ت كرسع مين -तीह रनायत फ़र्मातिंद्वहुत أكسيف ون كو

निसंदेखकरमुसाफिरोंको हैर प्रमुख्येश नुवर्ण كبي توطرح طرح سي شكارى جانور तहोताहै-फिर्यहांकचीतो اودبرند وجرير معنودين वंति संतिकेशिकारीजानवरहेन्स्

بوسرى شاه جمان بأوشاه शाहजहांबा*दशा*ह रेश्ह मेंलायेजातेहैं श्रीरकनीचाचुक لائے جائے مین - اورلیبی جابا وارد ولتخابة كيصحن مين كميورو सवारदोलतर्वानेकेचोकमें لوميرا سنع بين -घेडिंकोफिरातेहैं-پعار پایخ گهرمی ون اِل ४याप्यडीदिन इनकामों में شغلول بن گررا است नाताहें:-باوشاهسك أكرجيوانا बाद्श्गहनेंदानाञ्जोरदृश्वरस ورضدا ترس دميون كو قصا ا ور उरनेवाले लोगोंको काज़ी श्रीम मीर अद्जवनार्वाहेतीनीफ प्रेरें के के यादियों की पुकारसनने के लि। ०५३। ५ ७४७ ७५३ ५ کے داستے بدہ کے دن جرو کہ येबुधकेदिनभ्तरोकेदरशनः وكيتس مست البكرد وتناندناس **सेउढ करदी जतरवा ने**रवास में इनसाफ कर नेकावेड तहें , एन में का कर के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प उसदिनसिवाय का ज़ियों सु ىبىش دىيندار<u>ن</u>ا منسادين اورسمييشه इतियों ग्रीर्ज्ययनतके ग्रीह वेदारों बाजिरी नदार त्रागों ख्रीत हुण्ये । اورلوگ نہیں آئے یا سے بین हमेशाहाज़िर्रहनेवा ले अमी ماالت كعيده وارايك ايك रों के और आदमीनहीं आने पा तेहैं नप्रशासतको निहिद्दार्गक वर्णियो विकास एकंफ़ियादीकोहज़्रमें ला زى اورن كفت روال ست براكي कर्**असकामुकदमा** च्याकर فالغد كاحال وريافت كريكه عالن तेहैं वाद्शाहनरमी छोत हंस्य रनपनेसहरेक्षुक्रदमेकीमान این و ا ورجوکسیکومنزا म कर ऋ। लिमों के फतंबे धर्म دین ہو تی سیسے۔ व्यवस्था)केऋनुसार्ह्कार तहें ने। किंभी के दंउ हैं ना हो तो है

نووه بهی بموجب حکم شربیت तावर नी रारी अतं के माजिक रियानाताहिबाहरके स्नसाफना रेंग्रेंगे ८,१५,५ हिनेवाजीकियासिकिनिनके विकासिक्टि मुक़द्मींका फ़ैसला सिवायमें द्रिंगुर्ग द्राटन مکن نہیں ہو تا ہے ولی لاہے के की तह की कात के नहीं होस कताहै वहांके हाकिमांको हुका अर्थ के कि नियवदेते हें कि हकदेखकर के एंग्रंट अंट अंट अंट सलाकरदेनहीं तो मुक्दमवाली है। है। है। है। किल कर के लिए हैं। بین روانه کرین -की राजधानी आगरेमेरवानकों-जबदोरनतः खानके कामोसे (^{अध}ः धिश्यः निन्डतेहें तो शाहबुर्जमें तथा ق شاه برج مين نشريف يبات रीफ लेजातेहैं वहासिवायशाह जारों न्हीर कईर्वासमुसाहिवं पुगीर के या एक एत

रीफ़ लेजातेहें वहासिवायशाः जारों नेत्रीर करेरवासमुसाहिव केस्रीरकीर वरिरदुकाके नहीं जासकताहे यहातक किखिर मतगारनी विनालुलाये नहीं जासकते — श्रेयां च्यें एक संस्थाति यहाराजके बाज़ेरिके कामीं कीकि जिनकाज़ाहिरकरनामु

नसवरारोकीत**ाबतन**स्वाहर्ते ।

منتخوا د

शाहज**हांबादशा**ह-٠٠٠٠٠ شاه جمان باوشاه २३६ मेंलायेजातेहैं औरकजीचानुक کے جاتے ہیں۔ اور کیبی جاباً सवार दोल्ततर्वानेकेचोक में घोडोंकोफरातेहैं-وببرا تے مین -४यापघडीदिन इनकामों में يمار بايج كبرسى ول إن जगताहें ∹ فنعلون بن گزر ناسے -बादश्गहनेदानान्त्रीरहम्बरमे एएक्रीयनएंतर उर्नेवाले लोगोकोकाजाजीत्रीत मीरञ्जदलवनाररवाहैतीनीफु प्रिंग्रें के क्रिक्ट स्यादियों की पुकारसनने के हिन एन्ड्रें ए ८००० एक न येब्रधकेरिन फरोकेंदरशानः र्व १९७०८०० है। सेउढकरदोजतखानेखास دينس المبكرد ولتخانه فاس में इनसाफ़ फ़रनेकोंबेड ते हैं। एं क्यू के रिक्र के कि वसिदनसिवाय का जियों से फ़्तियों स्प्रोर् अस्यत्वतके स्प्रोह वेदारों चाज़दीनदार् त्रिगों श्रीहरू १० टिंग १० १८ १० व हमेशाहाज़िर्रहनेवाले अमी اورلوگ نہین آئے یا سے بین रोंके ग्रीर ग्रादमीनहीं ग्रानेमा -[1-[1-12020 तेहैं अदानतकी ज्ञाहदेदार्यका प्रीपेश एक फ़रियादी को हज़र्में ला كامقدمه عرص كريت مين باوشآ कर्जसकामुकदमा अरज्ञकर तह वादशगह नरमी जी रहसम् वीव दर्ग वार्ष रवपनेसहरेक् मुकदमेकीसम म कर ऋालिमों के फतंबि धर्म व्यवस्था)केऋनुसारहकादे। तरें ने। कि भीको देउ देन होताहै

चोकीद्यारामिं हिषियारी से

मजामीरतहैं-

शामकी नमान जमा च्यतिब् इत न्त्राद्भियों) से साथपढ़ते

हें नमाज़ के पी छे ४। ५ घडी त कदरलतर्वानेखासमेंजाब हुतसेजडाऊ शमदानोंकीरो

शनी से जगमगाने जगता है *विराजकरसलतनतके काम* क्र्तेहैं श्रीरकनी गानासुनते हैं गाने के इस्म जीर खासकर

के हिन्दुस्तानीरागेंामें वादश हकी वडान्अन्यासहै हिन्दुका नी गानेमें जो मजा श्रीररंगी: नीहै वह दूसरी ज़बान के गाने

में नहीं हैं बहुं तसे सूफ़ी वाद्शा ही मजित्स में ज्यावेश न्याक र मर्चुकेई जिनका किस्ताम

इरहे दिनयनेकी ज़रूरतनहीं-र्नकामी सेनिन्डनेकेपीछे र्रश्री कीनमाज़ पट्कर शाह्यु र्निमंजाते हैं कोई कामजोरो जतखाने में नहुआहोतो व

ज़ीर्कुल स्रीरव्यवियों की डुलाकर उसकी प्रतक्ति हैं-

دوس ستاه جهان بادشاه اورجوكيدا ركتسليم فوريين بتبيارا کی سسان کا و سینتی بین -شامك نازېيشدها

سے پڑسہتے میں ٹیا زسکے بعد ماران^ایج گرس که د ولتخانهٔ فاس مین چوبہت سے شمعدانون کی دیشن سے جمگاہے مخاہیے امودسلطنت كوائجام وسينت

بي . اوركببي كا نا شيخت مين باوشاه كواس فن ا ورخصوص بندوستانی راگون مین ببیت زياده مهارت سع مندوستاني راگ مین جو نزاکت بطاقت اور

رنگینی ہے وہ دوسرے راکون یں ہین ہے بہن سے صوفی باوشابي محاسس مين بحالت وحبد وساع مُرڪيج ٻيں۔ جن کانصب غايت شهرت سدممتاح تكاين نہیں۔

ابن كامول عن قابع موسائے الدعشاکی الما زیڑہ ک دوتغانه ماص ساء بريين قىدىنى دائىرىن داكركوى كام

دولتخاندين منهوا بمونة وزبركل ا ورنجنيون كوبلاكراسكوبوراكريم

(بهم) شاه جان با دشاه **SR0** रगहजहांबादशाह آج کا کام کل پرنہین کھ اسلتے بلکہ आजकांकामकलपरनहीं उ ل کاکام آج کرے مشکوسے जित्र बल्कि कल्नकाकाम ऋजि معلى من تقريب ليحاث بين اور ही करके महत्त्र में पधारजाते हैं। ویان دو تین گیری تک گانامنکا ग्री(बहादी तीनघडीतक गा بئنردا مبت پراسینٹراحث فرائے नासुनकरञ्जारामकरतेहैं ज ین - آورجب کک کدنیند نداشی बतक नीरं नञ्जावेमजलिसी اہل ملسس بروہ سے سیجے سسے लोग परदेके पीछे से नबियां ببيون وببون اوربادشابون वित्यों बादशाहों दी तवारीख كى قاريخ بمستات مِن خفزامه सुनातिहै जफरनामा जिसमें بس مين المير تيمور كي فتوحات كا न्त्रमीर तेमूर काहा लहे च्यार वाकेन्त्रातनावरीं जीखुद्वावर् ए.म्. ७० । - ५०० سه ووس بين زياوه يوسي बादशाहकी बनाई हुई है ये दो مان تہین ۔ किताबें ज़ियादापदी जाती हैं وسنةكا وقبثكل सोनेकावकत सबिमलाक دوبہر سے قریب ہے اکٹر فرفاتے र२पहरकेलगनगर्हेफ़रमा من كه جووكت انتظام كالته عايا यानरते हैं कि जीवक्स मुल्क كالفراف ممتا بون كي حاجث के इन्तजाम रैयतके इनसाफ روانی اوز هبادت الهی مین صرف गरीबेंकिकाम,निकालनेऋोर مونا عاسي حيت يدك تن खुदाकी बंदगी में लगनाचा برورى ا ورخواب ففلت مين हिये अफसीस है कि वहरबान سر*ن کیا جا* و سے ۔ पीने सोने होंगर बदनकी त्रापा मदेनेमें गुज़रे بادشاه سيخال وخط बादशाहकीस्त्ररतशक्त إدشاه نامين بكما بكر बादशाहनामेमेलिखाँहैकिवा إدتمادكو قدم مبيت لماسي दशहराकर नती बहुत बडाहै

*पाह्जहांबादशा*ह

प्रकीरेखायें हैं:

ے یہ صفت ہی ماسل موجادیگی गा तेकिन वेजापने के बिलाइज्ल बेरोबनहीं बनायाचाहितेथे र सवास्तेनज़रनहीलगनेकीलये दे हैं हैं जा है जा है जा है

शहजहाँवादशद دسهم) شاه جهان!دش**اه** 283 उन्होंनेरसक्मीकोपूरानहीं किय किलाञ्जागरा-वादशाहनामेमें िनखाँहै कि अकवरवादशाहने संवत १६२२ ग्रिंट ११८ १ । १९/१/८ में पुराने किलेकी जगहजोई ट فلداكره كم جوجونه اورخشت سے بنا تنا نیا فلد سالک من **औरचूनेका बनाह्** आथानया بناياجي كا د ورتين بزار گزءمن किलालालपत्थरका३"•गज् केगिरदाव<u>न</u>ंबनायाउसकी ينوكى ١٠ ويواركا يندره नीवकीचेखाई३॰ गज़रीवार ارتفاح كمشكورة ككرسايطه كز की (पगजन्त्रीरजचाई कंग्रेत بتلادرأس كحالدرا ينصرمين क इ॰ गनकीष्टी उसमें ऋपने له واسط منك ترخ اورسنگ منيعكم مل اورم كان براسي रहनेकेवास्तमकान्श्रीरमहत्त लाज**ञ्रीरसफेद**मस्यरकेवना ه ۱ لکدویدان کامون ین صرف مواتها · اورشبراگروبهی थेजिनमें ३५०००५ खरवङ्गा यान्त्रीरजमनाके किनारे शहर مناككن رك آبادكيا-فنادجان بادشاه اكركا त्रागराची बसायानिसकाना ^{म्याह्जहां वाद्श्राहने बद्ज्यु} (अकबरावादरक्ता-ज्योतिषियोंने इसके|दूसरी बलायतके त्रप्रवीरमें सम्भाई सिकीलंबाई ११५ ग्रंशचेउाई اورالس كأطول ١٥٥ درميا ور १६अंशञीर ३कलाहे-وسام ورم وادقيقه म्वेत्रागरेकेश्रवमें विहार भीरवंगाला-पट्यामें ख्राने में हिन के निर्मा مونیزان بن د بی پنجاب - उत्तरमें दिखीपंजाब

د۲۲۴۷) شاه جان بادشاه ಕ್ರಭಣ शाह्ज**हां बाद**शाह كابل ا ورمينوب مين مالوه ودكمين काञ्चलद्रक्रवनमें मालबा श्रीर दक्वनहै-جمنا بوايك صاف و जमनाञ्चगगरेकैबीचमेंही ما ف وريا براگره كے پيج مين موكر कर बहती है दोनों तरफ़ से ऋ نابح دونون طرف حصآدميول اق दमियों ऋीरमालऋसबाब ٣٠ إ ب كي الدرفت كُنْدَين فريوس مولي काञ्चानाजानानानीं में होताहै شهربندادكا وكورحس مين राहर्वगदादकागिरदावजि مدا برس فلافت رسى بتى حسب समें सन्दर्शे बरसतक खलीकों مان مولف طفرنامه کے و وکروہ **कीवादशाही** रही थी जुफ़रना मेमे इक्षामका लिखाँहै जीरजा गर्मिश्रा में एउँ एर्जिं ا و وربانج فرس بابندره كوسمى गरेकागिरदाव १५ कोसकाहे शा ہے شاہرادو ن اورامیرون کی हजादें। श्रीरश्रमीरां की बड़ी २ इ لمند عارتین مع فلدسے جنا سے मार्ते किलेसंमेतजमगासिपळ الجيم بن من -اس آيا دي كادور ममेंहै इसबस्तीकागिरदाव व्यो أبيتروس طول والكوس सर्ववावशाकोसन्त्रीरचोडावर اور عرص ایک کوس میص بهیت سی कोसहै बहुतसी हमारतेती र ला حارمن نؤاك سے بانج لاكدروب रन्सेलेकर ५ लाख रूपयेतक کک کی فخیت کی بن اس سے کم कीलागतकीहै न्त्रीरइसमेक فمت كا عارة ن كاتو كجد حساب मन्हीमतकी इमारतें का कुछहि نہیں سہے۔ साबनहीं-پورب کی طرف با غات प्रविकीतर् कवागृजियादा हैं। जिनमें बड़े रमहल और नकान हिंग्छ है ए ए ए ए १००० منارى مسكا دوردوكوس है इसबस्तीकागिरदावश्कीस طول ایک کومس ا ورعرض إده लंबाव १कोस ग्रीर चौडावग्रा धकोसहे-

नहांबादरगढ ત્રક્ષ્ય بهرمو) شاہ جہان یا دساہ न्दीकिताबेंमिंजमनाकेबहर गमहें उनमें १कालंदिशनीह नद् १पहाडहिनहां से यह ज्यतीहै. शाहजहाबादशाहके राजकामाय-بيدبيمايش شاه جبافي كوسوا 'हमापशाहजहांनीकासी ہے ہولی تھی شاہ جھائی ایک **ऋायायाहजहांनी** (कोस [•]शम्हजहांनीगज़ेंकाहोता शेर्ऐसे १कोसके मामूली कोसहोतेथे-सराजकीलंबाई प्रत्वमेंबंद मलसे जावंगालेकी त्रास्व रहदपर्या पच्छममें किरा तक जोकाबुलके स्वेमें नी अमलदारी से मिलाहुन ॥४४कोसोकीथी-बेड़ाई उत्तरमें छोटी तिञ्चत मरहद्से जोस्ंबेक प्रामीर ह्दपर्थी दक्वनमंश्रीलापु क्रितेतक जिसके श्राग्रेवी जापुर

काञ्चलद्रक्त्वनमें मालवा श्रीर

दक्त्वनहै-जमना ऋगगे (के बीचें में है।

कर बहती है दोनों तरफ़ से ऋ।

दमियोञ्जीरमालञ्जसबाब कान्त्रानाजानानानाने में होताहै

शहर्वगदादका गिरदाव जि समें से इंडों बरसतक खलीकों

कीवादशाही रही थी जुफ़रना मेमें इकासका लिखाँहै ग्रीरत्रा

गरेकागिरदाव १५ कोसकाहे प्रा हतादें। श्रीरत्रभीरां की बड़ी २ इ मारते किले समित जमना से **१** छ

ममेह इसबस्तीकागिरदाव पकी सल्वाव्याकोस ग्रीरचोडावर कोसहै बहुतसी हमारतेती १ ला **लमेलेकर**५लाकरपथेतक

को लागतकीहैं न्त्रीरइससेक म कीमतकी इमारतें का कुछि ह साबनहीं-

प्र्वकीतर्कवाग्नियाहाहै वर्षेष्ठ जिनमेंबरे रमहलग्रीपमकान् विष्ठरं ७३,७४,०५०००। हे रसबसीकागिरदावश्कीस एउँ ३३० ई देखेल

लंबावश्कासकोर चेतावचा गाँउरा गाँउ पुक्रासह -

بمنابوا يكسات و

شفاٺ دريا تراگروڪ چي مين جو^ک بننابر دونون طرف متع آدميون ان

الهابك أفردفت كفتير فيخديد ويوق فبهريفادكا وورص من

مدا برس خلافت ربی بتی حسب بيان مولعن ظفرنا مدسته و وكروه يعنه الكوس رسمي بتماء اوراكراآباو

كا دُور لِلْغ فرس إيدره كوسي بے شاہزادو ن اور امیرون کی الندع الثين من قلدسك جن س الجمين بين-اس آبادى كادور س طول و ال كوسس

اورعون ایک کوس سے سبت ی حادثين تواكي سے بلخ لاكمدروب كك كي تميت كي من اس سنة كم قمت كأحارة لكاتو كجدهاب



शाहजहां**ना**दशाह د ۲۲۲۷) شاه جان بادنشاه ನ್ಗಳ کاپل ا ورمیزوب مین کمالوه وکمین काञ्जलद्क्रवनमें मालबा ज्ञोर दक्वनहै-जमना ऋगगरे के बीच में हो। *جمنا جوایک صاف و* कर बहती है दोनों तरफ़ सेत्रा شْفاف وريابتراگه ه كے چھ مين موك दमियों ऋीरमाल ऋसबाब بنام دونون طرف مصآدميون او काञ्चानाजानानानामिहोताहै ال بابك أمْرِفْت كُنْتِيكِ دْيِعِيرُ وَالْ शहरवगदादका गिरदावृजि فبهربغداوكا وكورجس مين समें सेन्द्रडें।बरसतक खलीकी ر ابرس خلافت سی تبی حسب कीवादशाही रही ची ज़फ़रना بإن مولف ظفرنامد کے دوکروہ मेमें इकासका लिखाँहै श्रीरश्र يعنه وكوس رسى بها- اوراكبرآباو गरेकागिरदाव १५ कोसकाहे था ه دَوربلِغ فرسّع بإبندره كوسّتى हनादों श्रीरत्रमीरों की बड़ी २ इ سبتے شاہزاد و ن اور امیرون کی भारते किलेसंमेत जमगसि १ छ्छ لمندحارثين مع فلدسے جنا سے ममेहे इसबस्तिकागिरदाव चक्के २००४ ए० ५ एए - ए. ए. दूर्श س طول و مای کوسس सलेवावशाकोस ग्रीरचीडावश कोसहै ब्हुतसी हमारतेती १ ला ر عرون ایک کوس سے سیت س حارمن نواک سے ایج لاکمدروب रासेलेकर ५ लाख रुपयेतक को जागतकी हैं न्त्रीर इससे क کسکی خمیت کی بن اس سے کم मक्रीमतकी एमारतें का करही قمت ک عارد ن کا تو کچه حساب साबनहीं-**५**रवकीतर्फवाग्रजियादाहै پدرب کی طرف با غات जिनमें बड़े रमहत्त्र शोरनकान विष्णे एटे एटे دردوكوس हैं रसबस्तीकागिरदावश्कीस . كومس ا ورعرض أده रंगवान १कोस ग्रीर चौडावग्रा धकोसहै-



ديهن شاه جيان إرشاه 283 शाहज्ञ होबाद प्राप्ट ।दिस्त्रीसेहसनग्रनदाल १७६हस्/ नम्बदातसेकोहाट ३७ दिह्वीसे छोटी रोहतास २२० खेरा दिन्दीसेलाहीर १-५लाहीर दक ६२ अटक से पिशीर १५वि 38 शीरसेकाबुल अन्सेलमसेश्र टकहोक्रकाब्ल ११६ दिखीसेलाहार १९५ लाहारसे जुलतान् अधितानसे नक्षर १॰६ नकरसेकंधार १९७ दि**ञ्चीसेफालल२६०का**खलसेब लावधेवलखसेबुखाराध्य दिल्लीसेबलख्य ३१४वृख्या ४४५ दिलीसेकावुल २६० कावुल से ग जनीर गजनीसेकिरावाग ११ क्यार्श्वलसेकं धारश्ट रिझीसेकं धार३६० कं धारसे बस्त ३(वस्तसेहिरात १०६ हिरातसे म शहद् अप्रमशहदसे असप्रहोस्स कंधारसेश्रसफड़ां ४६३ टेब्ब्रीसेन्त्रसफहं(ईरानकीराज से लाहार १९ इलाहार से क लाहारसे शमशाबाद १६५

रण्डनहोवादशाह ^धैरेक्ष्ट श्रोरगालकुंडकीश्रमजदारीषी?१५५,८ ६५२कोसंची-अखीरने इसविशास्त्राज की राजधानी शाहजहाँ की बस र हुई नई दिस्त्री यी निसकी रग हजहानाबादक हतेहै वहासे बंद अमुलकाथाना = धेर्किरांबा ग २०६ छोटीति इत ३३० जो रशो गर जाउरकाकिला ३२२को संया-इसमहतराज्यमे नाबंदेवडे दि शर्जितनी २ दर्शपादिह्वीसेष्टे वर्गचिलि रवजातह देखींसेलाहार १९५कोस-दिस्त्रीसे सरहिंद पर सरहिंद र लाहीर पश्कास सर्१हदसेकीगडा ४५ बीजवाडी दिस्त्रीसे खिजराबाद पर है के दिह्यीसे नूर्नगर् धर्नरनगर संस्थावितसपुर्वशिस पुरसेकागडा द*ि* ग्र**बाला १** प्रवाले से सर्हिद र सेरहिंद्सेल्यान सतल नकाघाट)१६ लुध्सनेसेगोड वाल् १ गोंडवालसेलाहोन् ३०

शाहनसंबादशाह

।टिन्डीसेलाहीर १०५

नम्रवदासिकोहाट ३७

टक ६२ ऋटक से पिशोर १५

टकहोक्रकाब्ल ११६

१॰६ नकरसेकंधार १७०

कंधारसेश्रसफरां ४६३ टिच्चीसे असफहो(३रानकीराज

> बालहोन्नर १०३-१८४ रामशानादश्द्ध

दिस्त्रीसिदसनग्रनदाल १७६हस्

289

380 دورور شاه جهان إوشاه रगर्नहाबादशाह विद्योसिक रामीर्**अ**शिचहेंग्यतं र **क्रामी(से छोटीति इत ६**९ दिद्धीसे त्रागरा ४४ बरहानपुर ७०-१७। ४ ४४ ७ *उरहानपुरसे सर्*तर्ध॰ दालतानाँ "^११ देह्४दो स्नतावाद्से को जवंदर वा ना है कर है। |दिह्न|सेऋजुमेर् ४१ ऋहमरान् देनभर स्तरत ३०४ दिद्यीं मेस्रतबुरहान प्रदेशका ३११ रि**छीमे** ऋ*मदावाद २४४ ऋ*ह मदाबाद्से सूरत १२५ दि**छी** से इज्हाबाद गट मुक्तेम्य होकर ।३६ रज्हा बादसे वनारसः **ननार्समिसइसराम२६स्तहसराम्** सेप्टना ४९पटनेसेष्ठंगर ३० मुंग रसेगड़ी २१गड़ी सेन्त्रक वरनगृह (राजमह्ल) २२ च्यक्तवर्नगर से दाका शह जीस्वडी सा १३० दिह्वीसेमधरा३१धामूली१३ दिस्त्रीसे सहारन पुर ३५ हरिहार *४४ पुरादा*बाद ४० दिल्लीसे रहा यं जीर र्ध दिह्नीसे हिसार ४४ *इन्हाबादभ्रागराही* फ रश्पपदल्हांचादसेनीनप्तरं स

₹ક£ دوبه برئشاه جبان بادشاه प्रगद्दजहोबादशाह-(ञ्रजोध्मा)२७ त्र्रवधसेगीरख उर२१ दिल्लीमेकनोज ५६ लखनऊश يا ۹ سوا اجو دميا *ऋजोधार३*४ अजोधासेकी बरन ३५॰ दिखीसे आसरका केला २१७ ا ولی اسیرکا قلعه ۱۱۴ दि हत्रीसेन्त्रीरंगाबाद २६५ स्रीरंग्रा<u>र्थ</u>ी बादनेहिंदराचाद १०६ नीजापुर ध्यशोजापुर ७२विद्र १०५ऊ दगदधर करमाशी १२ • यस शनावाद इ४ -دلی سے حیدرآباد ۲۷۱ حیدرآبا । दिद्यीसेहैदराबाद्श्र हैदराबा द्सेगोलकुंदा २कोस दिहनीसेबीनापुर्३५७ दिह्यीसेविद्धर ३७० न्त्रागरस न्मागरेसेगवालियु २ रंगवारि *अरहानपुरसेन्त्रीरंगाचाद्रध्य श्रिगारिसेन्प्रजमेर ८४* **।**त्रागरेसेहिन्डोनश्रहेंडोनसे टोक ३२ भागरेसेवाडी२°वाडीसेरूपवा ।स्रागरेके फतह दुर प ज्यागुरोसेसीकर **१३ सोरे**ं र हरावा र =

مرہ میں شاہ جہان بادشاہ शाहजहांबादशाह-242 दीवानवेगी कासमस्कंद्रमें ने न करजहांगीर कज्जाकसेमेलक लियालेकिनग्रवदुलरहमान नेकरगेजी के सरदार्कतलक اروالا सियदको फरेबसेमारहाल तं **१** भे स्वराकरकज्ञाक ने हागीर कञ्जाक परहमला किया नगरनज्ञ्समाहम्मदरकंके ऋर्म रोनेजाकरउसकाचगादिया संबत १००९ में तुर्किस्तानक *ज्ञाग नज़र्माहम्मदरवांकीवद*र ट्यकियों*सेवागीहोगयेत्रीस*व जंदकेकिलेपरकबजाकरिया नज्रमोहमाद्यवाकाबराऋब्दु जन्प्रजीजरवं*जनपर्*चदकर्ग यालेकिनवगेर्फतर्कियेवा जीविति पसन्त्रागया-सः १७ •२मेयक्केजवानीर्व द्समावस्उदनगहर(तुर्किसान्) में अबदु लग्ज़ी ज़र्गा की न्या त्पुहाईसिरीचीरवसीय्जवारगि र्युरीमार्यान्य

मनेपीलाकरकेउनकोजेहेनदी सेउतरतेहुवे जामाराघेन्स लमानलाग्यसलमानघेतो जीवलरवन्त्रीरवदस्वशाभेस

युलागजारनानक**अप्रज्ञ** लख़से

્રયુષ્ઠ **चाह्जहांबादशाह** तोसेयद्इबाहीमवहाका १ मशह रमोलवी ४॰॰ लड़कें को कि जि नकेगलेमेकुरानलदंक् सायलेकर उनकी पेशवाई को गयायामगर्उन्होंनेज्सकोम यंतमामजङ्कोंके (मसजिदमें लेजोकरञ्जागमेजलादिया-**फिरञ्जबदुलञ्ज्जीजरंगञ्जीर** नज्रमोह्यस्वामे विगाडहोत्तर लड़ाईकी नोबतपहुँ नी ग्रीर ऋ बदुज्ञजीज्ञ खास्मरकंदेसे त्रिम्ज़तक बेंद्रश्रीयात्वनज्र माहमाद्रवीनसुजहक्त्रियह्न लंबहराई कि मान्यजल्लहर काम लिकअबदुलअजीजस्वां स्माम कली लाकमा फकहे वे श्रीर न न्युवब्द्रव्यानज्ञरमाहमाद्या क्रिजासरहे के एक विकास जबनज्ञरमाहमादरवं हिन्दु स्तानीकीज़केश्रामित्रागुक ब्हाताहुश्रात्रसफहानमें पहुंचा

ده ه وره بناه جهان باد شاه **244** शगहजहोबादशाह **डेकरके ब**रीमहरवानी सेंस्ट्राक ररेप्रामी कपंडे विल्लादियेगयेथे **कर्***दोनों १गद्दीपर* **बेंदेर**नान १५दि गपी छेवहाँ सेकु छ फीजक जलब योंकी लेकरजी शाह ने उसके स कद्ऋीर जि दिया था जी। अपनीफोजकोहिर यह बात भे। जरी चाट **उसकी वही छो**डा ग्री र चढाईकी द्रशंकेमुकाविलाकरनेसेवलस्

134E शगहजहां यादशाह चलागया न्त्रीर फिरन्त्रपनेबेटे-कत*लकसुलतान*केविलस्प तहकरने के बास्ते ने जा मंगर वह والى سخاراتني فوج ستت श्रपने नाई अबद्ज अजीज्ञां की में। जसे जामिला जो बुखारा 🗸 🗗 🗸 🖰 सेन्लर्वके ऊपरन्त्राती थी इस केत्रारोजोक्त छह्त्रावहरूस किताबमें पहि जेलिखाजानुकाँहैं ईरान ईतनमें पहिसेतो शाहश्रह्म ससफ्वीवादशाह्थायहकातक सदिश्सं-१६२७कापेटाङ्ग्राण ब्रोर्स १६५५में ईरानकेतर्वत प्रवैठामाहबदि१३सं-१६०५को माज़िंद्रामें मरगया त्रानके नालिक अबदुल मोमिनखंने मशहद्में अमलकरके अगद्ये एकं क्रिक गदशाह तहमास्य कीकबरकी एर ८५०)हें बहुत स्वराबीकी थी इसितये एटें के के रानकेवजीरों ने इसंद्कबना क्रिश्राहद नजफ जीरक विजी

शाहजहां बादशाह. રપક ي نشأه جهان باد نشاه को ले जे जो जो ति ने जगहरी कार्ये बनाईलेकिनशाह्त्रहासकील् रेजेंग्रेड एक एं दें शिहीसंद्क्रमेषी जिसका रीक्टर के ए राजा रालकम किसी को जाल्मधा-ير أسعافي عملا शाहग्रह्मासकावरावेटाता شادعاس كاجرابطا توشاه सप्तीमिरज्ञायाजिसकोशाहनेचेत्स द्रश्सं-१६०१कोञ्जपनेगुलणकेहाञ्च الا الوافي علام مع إلى सेमखाडाला यात्रीरवाकी २ वे एक विमान के ती हैं। टोंकी संधाकरियाषासकी - दें ही अंगे मिरज्ञाकावेटासाममिरज्ञाशा गण्ट उर्दे कि एए हकेर्वो फ़से ज़नाने में यहा कर टे ए ग्रंग हों ए प्र तायावज़ीरां ने शाह्के पीछेउ رنا دعاسس سمے सीको सं १६८ पक्तेमाह्सुहिमें उं एं ५० ००, ०० असफ़ इंक्तितर्वतपर्वेगकर والمتناه من من مناخب **र्रानकावादशाहवनाया** श्रीर ر مجمارت وصنی ا शाहसफीनामरक्वा-शगहसामी नेसं १६६० मेंवान हिल्ल निर्मा हेहाकिमकी मरज़ी से रुत्तम्स् دُان می شنع यर्ती को गुर्ने स्थान के जशक के किया के कर है। समित्र का नके का सम्भाव के किया के किय रसमेतबानके ऊपर क्रवज़ाक کے اور نبندکرے سے रनेकोन्नेजानेकिनक्ष्केसुप्तान ايرانكيت

وروروس شاه جبان بادشاه રંપુન્ चकर हैरोन के सनश्करकी गदिया फिर ऐरवा तबरेज औ वगदादके फतहकरनेको इस रवानेहोकर ऐरवी फतह के नया से बे सत्क छे कि जिनके रगहन्त्रद्वासनस्मियोसफतर **क्**रिट्याथामगर्*डसी* अरमे कर्गियों के प्रस्तबोल परह मलाकरनेकीखबरमशहरह इस्र सिये पुराद्याती क्रमंब द गुवा जीरशाहस्तप्रितंतव में पृहंचकर ३ महीनेकी खड **जीरधेरेकेपीछे** जिसमें श कजलकाशमारगयेथे ऐस्वा स्मियां से छीन लिया फिरग्र ईरानीहा किमरवान प्रहम**दने सु**जतान सुरादेखी प्रेमिस्नोबर कर ली जिसके हुका मीसिल काहा किम के चक श्रामद्र गुरेस्थान पर श्रायालेकित

(4 ه ۲) شاه *ج*يان يا د شياه રપૃષ્ટ शगरजहोबादेशाइ शाह्त्रवासके गुलामसियावश कोचक ग्रहमंद ग्रीस्वसकों सा مارفوالا اورحنسان احد كونكال सरदारांकी منان میں ووسنرا लाञ्जोरखांनग्रहमदकोनिका लक्र गुर्दस्थानं में दूसराहा किया-क्रांतज्ञसुद्धिकं १६६५कोसुरा अधी वर्षे प्राप्त किया श्रीर शहसंसिन वर दें। हैं। हैं किया श्रीर कें कें कें संसुलह्केपीछेशाहस्मृतीने ندم روايس ينفكا الاده كيا أور वापसलेनेकाइरादा اوسکاسالاسامان دوبرسس میں نناركر كم مستاف لا بين كوح كيا रसमें तैयार करके सं-**१**६५ निङ्ग्रा*दिकिन काशानमें* य كافنان مين اكرمه اصفر كونوت वैसाखसंदि१ कुज़बीन में जा उसकेवेंट माहमादिमार्जाको ग्रीमा ने मेर्पि हो। نان سخت سلطاني برسيما إارس नामर्व्यकर و ج كشى كرك فنداركا قلو बैबाया इसनेचढ़ाईकर् काकिला शाहनहां के ग्मीरों से लेलिया ÷ खातिमा इम्परं क्रमासे काज यहती सराहिस्सारण नहानाभेका पूराहुआ हमने अंगले र



فهرست كتب صنفة في يربتارساحب مير -پيڪا بين مطبع رضوة هر د خرا فرزیشخ قصه که مستار میلاندان توانیون هه م و بهروز که استار میلاندان توانیون هه رانساور لاکتر شفک ک^{ان} مر رماار جمل جاب ارتجی عما دبی کی میاخته زبان ميدار قديم النه- م يخسروي كمل مرأوا لمين يتى تقويم وليونين مسائخ عرى أجركن معاسر يت مندي- اسم بمسمى- ٣ علاؤ الدين لجي ولحبب قفته ولطف أنكم ع من أيثيروان ابشاه مهر لطالف الظرف سر مراسخورينول ظراهية فعمری شاه بان باوشاه عد موانع عمری اکبرا دشاه عد بشی ک ارد میشود غرى اليان باوغاه ١ ر سوائع مي بربادغاه الم يميت عرب نهم و المارب بيان در سرائيم تحري فيتراه وامثاه م الناول وجها في جها لكيد مرى رائاس الكام مراغ مرى برل مسالكر بامثاه م الناول في الشهاه جها تكيرو فه فعرى إلاأود سنك ١٠٠٠ موائخ مرئ ابن المجاجية ١٠٠ مالات ين الواكيات خ مرى دوري مي إن بكاير م ساخ عرى إلاياب علم مهم موحكي باوردوسرى ع غرى داوييت سى جى - سائع غرى داويون كەن مىر خرييت خارجيا باردا خَوَى البِهِ يَتَى انْ وَبُلُ } مِنْ عَمْى الْكُلِيانِ لِي المُسْتَدِيدِ الْجَبَّى بِهِ نَ بِيَوْنَ الرِكِيانِ اللَّهِ اللَّهِ الْمُسْتَقِيدِ الْمُسْتَقِيدِ الْمُسْتَقِيدِ الْمُسْتِقِيدِ الْمُسْتِقِ رى داخانفان ١٦٠ ساغ مرى إوالدوج الخدارا والمان أقسابير عرو كيمة ن مدالت تكالم المان اور تاي مب الكانت جراك المانية مر جاهرالتبيركم وْتُنْ بِسُكُوت في إن ارواز ا

ليحاتي وأوسو بالبوار دارالسرر प्रसिद्ध चित्रावरी जिसें। रिजीमहीनेके महीनेराजस्य नजीधपुरसे प्रगटहोताहै। वारसिक गोलडांकव्ययंस हित• हेरी।) ६ अग्रेज़ीसस्वार्वा राजीं महा राजां रो · · · القريداد (٢) २ हातिमां औररईसां और ^{विकि} (म) ३ गर्वसाधारगरिकज्ञनांसे १९

